E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

11 YEARS ANNIVERSARY

वर्ष -11 अंक -122 | प्रयागराज, मंगलवार 22 जुलाई, 2025 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

संसद का मानसून सत्र, पीएम बोले- ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहा,22 मिनट में आतंकी ठिकानों को जमींदोज किया, दुनिया ने भारत का सैन्य सामर्थ्य देखा

नयी दिल्ली। मानसून सत्र के पहले दिन सोमवार को एक नए आत्मविश्वास, तेज गति से सफलता की ओर

पीएम नरेंद्र मोदी ने संसद परिसर में मीडिया को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर कामयाब रहा। हमने 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत आतंकी ठिकानों को जमींदोज किया, दुनिया ने भारत का सैन्य सामर्थ्य देखा।' पीएम ने कहा, 'ऑपरेशन सिंदूर के तहत भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100फीसदी अचीव किया। हमने सिद्ध करके दिखा दिया। इसमें मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है।'आतंकी ठिकाने 22 मिनट में जमींदोजः 'ऑपरेशन सिंदूर ने भारत की सेना ने जो लक्ष्य निर्धारित किया था, वह 100फीसदी अचीव किया। आतंकी आकाओं के घर जाकर 22 मिनट में ऑपरेशन सिंदूर के तहत जमींदोज किया गया। हमने सिद्ध करके दिखा दिया। इसमें मेड इन इंडिया सैन्यशक्ति का नया स्वरूप दिखा है। विश्व के जिन-जिन लोगों से मिलना होता है, उनमें मेड इन इंडिया के प्रति आकर्षण बढ़ रहा है। संसद एक सुर में विजय के भाव से प्रकट करेगी तो देशवासियों को प्रेरणा मिलेगी। साथ ही जो रिसर्च, इनोवेशन हो रही है, जो डिफेंस इक्विपमेंट बन रहे हैं, उन्हें मजबूती मिलेगी।' नक्सलवाद-माओवादः 'देश कई प्रकार की हिंसक वारदातों का शिकार रहा है। चाहे आतंकवाद हो, नक्सलवाद हो। कोई शुरुआत में हुआ, कोई बाद में, आज नक्सलवाद-माओवाद का दायरा तेजी से सिकुड़ रहा है। इसे जड़ से उखाड़ने के संकल्प के साथ कदम रख रहे हैं। मैं गर्व से कह सकता हूं, देश में सैकड़ों जिले आज मुक्ति की सांस ले रहे हैं।' 'हमें गर्व है कि बम, बंदूक और पिस्तौल के सामने देश का संविधान विजयी हो रहा है। देश का उज्ज्वल भविष्य में दिख रहा है कि जो कल तक रेड कॉरिडोर थे, आज ग्रीन कॉरिडोर में बदल रहे हैं।' एस्ट्रोनॉट शुभांशु को बधाईः एस्ट्रोनॉट शुभांशु को बधाई, उन्होंने पहली बार इंटरनेशनल स्पेस स्टेशन (आईएसएस) में तिरंगा लहराया। आईएसएस पर भारत का तिरंगा लहराना देशवासियों के लिए गौरव का पल है। '2014 के पहले वैश्विक अर्थव्यवस्था में हम 10वें नंबर पर थे, आज तीसरे नंबर की अर्थव्यवस्था बनने पर दस्तक दे रहे हैं। इन दिनों 25 करोड़ गरीबों का गरीबी से बाहर निकलने की सराहना हो रही है। एक जमाना था, जब महंगाई दर डबल डिजिट में होती थी, आज 2फीसद के पास है, इससे सामान्य आदमी की जीवन में राहत है। लो इन्फ्लेशन के साथ हाई ग्रोथ अच्छी विकास यात्रा की दिशा है।' मानसून सत्र गौरव का प्रतीकः 'ये मानसून सूत्र देश के लिए गौरव का रूप है। विजयोत्सव का रूप है। मैं जब कहता हूं कि सत्र राष्ट्रगौरव और विजयोत्सव का रूप है तो स्पेस स्टेशन पर तिरंगा फहराना गौरव का पल है। साइंस टेक्नोलॉजी के लिए नया उत्साह भरने वाली ये यात्रा रही है। लोकसभा-राज्यसभा दोनों सदन एक स्वर से जुड़ेंगी। एक सुर से यशगान होगा।'

'राजनीतिक लड़ाई चुनाव में हो, एजेंसियों का इस्तेमाल क्यों' ,सीजेआई ने ईडी से कहा- हमारा मुंह मत खुलवाइए, नहीं तो कठोर टिप्पणी करनी पड़ेगी

नयी दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को फटकार लगाते हुए कहा कि राजनीतिक लड़ाइयां चुनाव में लड़ी जानी चाहिए, जांच एजेंसियों के जरिए नहीं। ईडी का इस तरह

इस्तेमाल क्यों हो रहा है? ये टिप्पणी सीजेआई बीआर गवई और जस्टिस के.विनोद चंद्रन की बेंच ने सोमवार को मैसूर अर्बन डेवलपमेंट बोर्ड (एमयुडीए) केस में ईडी की अपील की सुनवाई के दौरान की। सीजेआई ने कहा कि हमारा मुंह मत खुलवाइए। नहीं तो हम ईडी के बारे में कठोर टिप्पणियां करने के लिए मजबूर हो जाएंगे। उन्होंने कहा- 'मेरे पास महाराष्ट्र का कुछ अनुभव है। आप देशभर में इस हिंसा को मत फैलाइए।' दरअसल, ईडी ने कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया की पत्नी बीएम पार्वती को एमयुडीए केस में समन भेजा था। कर्नाटक हाईकोर्ट ने मार्च में यह समन रद्द कर दिया था। ईडी ने इसे सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट ने आखिर में ईडी की अपील खारिज कर दी।तमिलनाडु शराब दुकान लाइसेंस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने 22 मई को कहा था कि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सारी हदें पार कर दी हैं। जब राज्य सरकार की जांच एजेंसी इस मामले में कार्रवाई कर रही है तो ईडी को हस्तक्षेप करने की जरूरत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा, ईडी देश के संघीय ढांचे का उल्लंघन कर रही है। कोर्ट ने तमिलनाडु स्टेट मार्केटिंग कार्पोरेशन और तमिलनाडु सरकार की याचिका पर सुनवाई के दौरान यह टिप्पणी की थी।साल 1992 में अर्बन डेवलपमेंट संस्थान मैसूर अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (एमयुडीए) ने रिहायशी इलाके विकसित करने के लिए किसानों से जमीन ली थी। इसके बदले एमयुडीए की इंसेंटिव 50:50 स्कीम के तहत जमीन मालिकों को विकसित भूमि में 50फीसदी साइट या एक वैकल्पिक साइट दी गई।सिद्धारमैया की पत्नी को एमयुडीए की ओर से मुआवजे के तौर पर मिले विजयनगर के प्लॉट की कीमत कसारे गांव की उनकी जमीन से बहुत ज्यादा है। स्नेहमयी कृष्णा ने सिद्धारमैया के खिलाफ शिकायत दर्ज करवाई। इसमें उन्होंने सिद्धारमैया पर एमयुडीए साइट को पारिवारिक संपत्ति का दावा करने के लिए डॉक्युमेंट्स में जालसाजी का आरोप लगाया गया। 1998 से लेकर 2023 तक सिद्धारमैया कर्नाटक में डिप्टी सीएम या सीएम जैसे प्रभावशाली पदों पर रहे। भले ही सीधे तौर पर वे इस घोटाले से न जुड़े हों, लेकिन उन्होंने अपने पावर का इस्तेमाल कर करीबी लोगों की मदद की। सिद्धारमैया की पत्नी पार्वती के भाई मल्लिकार्जुन ने साल 2004 में डिनोटिफाई 3 एकड़ जमीन अवैध रूप से खरीदी थी। 2004-05 में कर्नाटक में फिर कांग्रेस-जेडीएस गठबंधन की सरकार में सिद्धारमैया डिप्टी सीएम थे। योजना के तहत, जिन लैंड ओनर्स की भूमि एमयुडीए द्वारा अधिग्रहित की गई है। उन्हें मुआवजे के रूप में अधिक मूल्य की वैकल्पिक साइटें आवंटित की गई हैं। साथ ही रियल एस्टेट एजेंट्स को भी इस स्कीम में जमीन दी गई है भूमि आवंटन घोटाले का खुलासा एक आरटीआई एक्टिविस्ट ने करते हुए कहा कि पिछले चार वर्षों में 50:50 योजना के तहत 6,000 से अधिक साइटें आवंटित की गई हैं। भाजपा सांसद और प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा कि यह 3 हजार से 4 हजार करोड़ रुपए का घोटाला है। इसमें सिद्धारमैया का परिवार शामिल है। कांग्रेस इस पर चुप्पी साधे हुए है।

कांग्रेस नेता मुरलीधरन बोले- थरूर अब हमारे साथ नहीं:जब तक वे अपना रुख नहीं बदलते, उन्हें पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाएगा

नयी दिल्ली। केरल कांग्रेस के सीनियर नेता के. मुरलीधरन ने कहा कि शशि थरूर को तिरूवनंतपुरम में तब तक किसी भी पार्टी कार्यक्रम में नहीं बुलाया जाएगा, जब तक वह राष्ट्रीय सुरक्षा पर अपना रुख नहीं बदलते। मुरलीधरन ने रविवार को मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहा कि थरूर अब हमारे साथ नहीं हैं। इसलिए उनके द्वारा किसी कार्यक्रम का बहिष्कार करने का कोई सवाल ही नहीं है। उन्होंने कहा- 'कांग्रेस वर्किंग कमेटी के मेंबर थरूर को अब हम में से एक नहीं माना जाता। पार्टी का राष्ट्रीय नेतृत्व तय करेगा कि कांग्रेस सांसद के खिलाफ क्या कार्रवाई होनी चाहिए।' थरूर ने रविवार यानी 19 जुलाई को कहा था कि किसी भी नेता की पहली वफादारी देश के प्रति होनी चाहिए, पार्टी के प्रति नहीं। पार्टियां सिर्फ देश को बेहतर बनाने का जरिया हैं। अगर देश ही नहीं बचेगा, तो पार्टियों का क्या फायदा? इसलिए जब देश की सुरक्षा का सवाल हो, तब सभी दलों को मिलकर काम करना चाहिए। थरूर ने हाल ही में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विदेश नीति की तारीफ की थी और ऑपरेशन सिंदूर पर सरकार व सेना का समर्थन किया था। इसके बाद कांग्रेस पार्टी में उनके बयान को लेकर नाराजगी दिखी थी।इससे पहले भी मुरलीधरन थरूर पर निशाना साध चुके हैं, हाल ही में जब कांग्रेस सांसद ने एक सर्वे सोशल मीडिया पर शेयर किया था, जिसमें उन्हें केरल में कांग्रेस गठबंधन का सबसे पॉपुलर सीएम चेहरा बताया था, इस पर मुरलीधरन ने कहा था कि थरूर को पहले यह तय करना चाहिए कि वे किस पार्टी से हैं।थरूर ने 19 जुलाई को कहा था कि जब हम कहते हैं कि देश के लिए दूसरे दलों से मिलकर काम करना चाहिए, तो कुछ लोग इसे पार्टी से गद्दारी समझ लेते हैं। यही सबसे बड़ी दिक्कत है। राजनीति में मुकाबला चलता रहता है, लेकिन मुश्किल वक्त में सभी को एकजुट होना चाहिए।शशि थरूर ने 10 जुलाई को मलयालम भाषा के अखबार 'दीपिका' में प्रकाशित आर्टिकल लिखा था कि इमरजेंसी को सिर्फ भारतीय इतिहास के काले अध्याय के रूप में याद नहीं किया जाना चाहिए, बल्कि इससे सबक लेना जरूरी है। उन्होंने नसबंदी अभियान को मनमाना और क्रूर फैसला बताया। उन्होंने लिखा था कि अनुशासन और व्यवस्था के लिए उठाए गए कदम कई बार ऐसी क्रूरता में बदल जाते हैं, जिन्हें किसी तरह उचित नहीं कहा जा सकता। 50 साल पहले 25 जून, 1975 को तब की प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने देश में इमरजेंसी लगाई थी। यह 21 मार्च, 1977 तक लागू रही थी। इस दौरान केंद्र सरकार ने कई सख्त फैसले लिए थे।ए थरूर ने लिखा, 'इंदिरा गांधी के बेटे संजय गांधी का जबरन नसबंदी अभियान चलाने का फैसला क्रूरता का उदाहरण बन गया। गरीब ग्रामीण इलाकों में टारगेट पूरा करने के लिए हिंसा और दबाव का सहारा लिया गया। नई दिल्ली जैसे शहरों में बेरहमी से झुग्गियां तोड़ी गईं। हजारों लोग बेघर हो गए। उनकी ओर कोई ध्यान नहीं दिया गया।' शशि थरूर ने अपने आर्टिकल में लिखा- लोकतंत्र को हल्के में नहीं लेना चाहिए। यह एक बहुमूल्य विरासत है, जिसे लगातार संरक्षित करना जरूरी है। सत्ता को सेंट्रलाइज करने, असहमति को दबाने और संविधान को दरकिनार करने का असंतोष कई रूपों में फिर सामने आ सकता है। अक्सर ऐसे एक्शन को देशहित या स्थिरता के नाम पर उचित ठहराया जाता है। इस अर्थ में इमरजेंसी एक चेतावनी के रूप में खड़ा है। लोकतंत्र के संरक्षकों को हमेशा सतर्क रहना होगा।थरूर ने 23 जून को द हिंदू में पब्लिश एक आर्टिकल में लिखा था कि मोदी की ऊर्जा, गतिशीलता और जुड़ने की इच्छा वैश्विक मंच पर भारत के लिए प्रमुख संपत्ति बनी हुई है, लेकिन उन्हें और ज्यादा सपोर्ट मिलना चाहिए।द हिंदू के आर्टिकल को थरूर का कांग्रेस पार्टी को नाराज करने और उसकी लीडरशिप के साथ उनके संबंधों में बढ़ती दरार के रूप में देखा गया। हालांकि, कांग्रेस ने थरूर के बयान से यह कहकर किनारा कर लिया कि यह उनकी निजी राय हो सकती है, पूरी पार्टी की नहीं। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने पीएम मोदी की तारीफ के लिए कांग्रेस नेता शशि थरूर पर 25 जून को तंज किया। उन्होंने कहा, 'मैं अंग्रेजी नहीं पढ़ सकता, लेकिन थरूर की लैंग्वेज बहुत अच्छी है। हमने उन्हें पार्टी की वर्किंग कमेटी का मेंबर बनाया है। पूरे विपक्ष ने मिलकर कहा कि हम आर्मी के साथ हैं। हमारे लिए देश पहले है, लेकिन कुछ लोगों के लिए मोदी फर्स्ट हैं।'मॉस्को में मीडिया से चर्चा करते हुए सांसद शशि थरूर ने ऑपरेशन सिंदूर और पीएम मोदी की तारीफ पर कहा था, 'मैंने मोदी की ऊर्जा पर बयान इसलिए दिया, क्योंकि प्रधानमंत्री ने खुद दूसरे देशों के साथ बातचीत में गतिशीलता और ऊर्जा दिखाई है। उन्होंने किसी भी प्रधानमंत्री की तुलना में ज्यादा देशों की यात्रा की है और ऐसा उन्होंने भारत के संदेश को दुनिया भर में ले जाने के लिए किया है।' थरूर ने कहा था, 'मैं भी लंबे समय से मानता रहा हूं कि हमारे लोकतंत्र में राजनीतिक मतभेद सीमाओं पर ही रुक जाना चाहिए। हमारे लिए वास्तव में भाजपा की विदेश नीति या कांग्रेस की विदेश नीति जैसी कोई चीज नहीं है, केवल भारतीय विदेश नीति और भारतीय राष्ट्रीय हित है।

'थरूर ने प्रधानमंत्री की प्रशंसा ऐसे समय में की है जब कांग्रेस लगातार मोदी सरकार पर उसकी विदेश नीति को लेकर हमला कर रही है। कांग्रेस का आरोप है कि भारतीय कूटनीति बिखर रही है और देश वैश्विक स्तर पर अलग-थलग पड़ गया है। पहलगाम हमले के बाद से थरूर भारत-पाकिस्तान संघर्ष और कूटनीतिक पहुंच पर ऐसी टिप्पणियां कर रहे हैं जो कांग्रेस के रुख से अलग हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने दावा किया कि भारत यात्रा करने वालों के लिए ट्रम्प सरकार की तरफ से एडवाइजरी जारी करना, देश को बदनाम करता है। कांग्रेस ने मांग की थी कि सरकार को इस पर विरोध दर्ज कराना चाहिए और सख्त रुख अपनाना चाहिए। कांग्रेस ने दावा किया कि मोदी सरकार की विदेश नीति पूरी तरह से असफल हो गई है।

2006 मुंबई ट्रेन सीरियल ब्लास्ट केस- सभी 12 आरोपी बरी,हाईकोर्ट बोला- सरकारी वकील दोष साबित करने में नाकाम घटना में 189 लोग मारे गए थे

मुंबई। मुंबई में 2006 के सीरियल ट्रेन ब्लास्ट मामले में हाईकोर्ट ने सोमवार को सभी 12 आरोपियों को बरी कर दिया। कोर्ट ने कहा कि प्रॉसिक्यूशन यानी सरकारी वकील आरोपियों के खिलाफ केस साबित करने में नाकाम रहे हैं। हाईकोर्ट ने कहा कि यह मानना मुश्किल है कि आरोपियों ने अपराध किया है, इसलिए उन्हें बरी किया जाता है। अगर वे किसी दूसरे मामले में वान्टेड नहीं हैं, तो उन्हें तुरंत जेल से रिहा किया जाए। 11 जुलाई 2006 को मुंबई के वेस्टर्न सब-अर्बन ट्रेनों के सात कोचों में सिलसिलेवार धमाके हुए थे। इसमें 189 पैसेंजर की मौत हो गई थी और 824 लोग घायल हो गए थे। सभी धमाके फर्स्ट क्लास कोचों में हुए थे। घटना के 19 साल बाद यह फैसला आया है।मुंबई में 11 जुलाई 2006 को शाम 6 बजकर 24 मिनट से लेकर 6 बजकर 35 मिनट के बीच एक के बाद एक सात ब्लास्ट हुए थे। ये सभी ब्लास्ट मुंबई के पश्चिम रेलवे पर लोकल ट्रेनों के फर्स्ट क्लास कम्पार्टमेंट में करवाए गए थे। खार, बांद्रा,

जोगेश्वरी, माहिम, बोरीवली, माटुंगा और मीरा-भायंदर रेलवे स्टेशनों के पास ये ब्लास्ट हुए थे। ट्रेनों में लगाए गए बम आरडीएक्स, अमोनियम नाइट्रेट, फ्यूल ऑयल और कीलों से बनाए गए थे, जिसे सात प्रेशर कुकर में रखकर टाइमर के जरिए उड़ाया गया था।पुलिस ने चार्जशीट में बताया था कि मार्च 2006 में लश्कर-ए-तैयबा के आजम चीमा ने अपने बहावलपुर स्थित घर में सिमी और लश्कर के दो गुटों के मुखियाओं के साथ इन धमाकों की साजिश रची थी। पुलिस ने कहा था कि मई 2006 में बहावलपुर के ट्रेनिंग कैंप में 50 युवकों को भेजा गया। उन्हें बम बनाने और बंदूकें चलाने का प्रशिक्षण दिया गया।सुप्रीम कोर्ट के वकील आशीष पांडे बताते हैं, 'बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी जा सकती है।भारत के संविधान के अनुच्छेद 136 में प्रावधान है कि सुप्रीम कोर्ट में किसी भी हाईकोर्ट या अन्य कोर्ट के फैसले के खिलाफ विशेष अनुमति याचिका दायर की जा सकती है। याचिका मंजूर हुई तो फिर इस पर सुनवाई होगी। बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले के आधारों की जांच होगी और फिर फैसला सुनाया जाएगा। इसमें लंबा वक्त लग सकता है।एंटी टेररिज्म स्क्वैड ने 20 जुलाई, 2006 से 3 अक्टूबर, 2006 के बीच आरोपियों को गिरफ्तार किया। उसी साल नवंबर में आरोपियों ने कोर्ट को लिखित में जानकारी दी कि उनसे जबरन इकबालिया बयान लिए गए। चार्जशीट में 30 आरोपी बनाए गए। इनमें से 13 की पहचान पाकिस्तानी नागरिकों के तौर पर हुई।

करीब 9 साल तक केस चलने के बाद स्पेशल मकोका कोर्ट ने 11 सितंबर 2015 को फैसला सुनाया था। कोर्ट ने 13 आरोपियों में से 5 दोषियों को फांसी की सजा, 7 को उम्रकैद की सजा और एक आरोपी को बरी कर दिया था।2016 में आरोपियों ने इस फैसले को बॉम्बे हाईकोर्ट में चुनौती दी और अपील दायर की। 2019 में बॉम्बे हाईकोर्ट ने अपीलों पर सुनवाई शुरू की। अदालत ने कहा कि इस मामले में विस्तृत दलीलें और रिकॉर्ड की समीक्षा की जाएगी। 2023 से 2024 तक हाईकोर्ट में मामला लंबित रहा, सुनवाई टुकड़ों में होती रही। 2025 में हाईकोर्ट ने सभी 12 आरोपियों को बरी किया।

हाथरस में श्रद्धालुओं की सेवा में जुटीं हाथरस थाना प्रभारी ममता सिंह,घायलों की मरहम पट्टी कर पेश की सेवा भाव की मिसाल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) हाथरस। सावन के पवित्र महीने में जहां एक ओर हजारों श्रद्धालु भुला दिया। उनके इस समर्पण और कर्तव्यनिष्ठा को देखकर श्रद्धालु भी भावविभोर हो उठे।

भगवान शिव के दर्शन के लिए उमड़ रहे हैं, वहीं हाथरस की महिला थाना प्रभारी ममता सिंह ने सेवा की एक अनूठी मिसाल पेश की है। उन्होंने श्रद्धालुओं की भीड़ के बीच न केवल सुरक्षा व्यवस्था को संभाला, बल्कि घायल व अस्वस्थ श्रद्धालुओं की मरहम पट्टी कर स्वयं सेवा भाव का परिचय दिया।ममता सिंह श्रद्धालुओं की सेवा में इस कदर समर्पित रहीं कि उन्होंने दिन-रात का फर्क कई श्रद्धालुओं ने बताया कि उन्होंने पुलिस प्रशासन को इस रूप में पहले कभी नहीं देखा था। थाना प्रभारी ममता सिंह की इस सराहनीय पहल को लेकर स्थानीय नागरिकों और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा उनकी भूरि-भूरि प्रशंसा की जा रही है। उन्हें बधाइयाँ और शुभकामनाएँ भी मिल रही हैं। निश्चित ही, उनकी यह सेवा भावना समाज के लिए प्रेरणास्रोत है।

प्रयागराज में डॉ. आंबेडकर की प्रतिमा तोड़ी,दलित समाज में आक्रोश, सड़क जाम कर जताया विरोध

प्रयागराज। फूलपुर थाना क्षेत्र के कोड़ापुर गांव में सोमवार सुबह मामले की जांच कर दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का भरोसा

उस समय तनाव फैल गया,जब गांव में स्थापित डॉ. भीमराव आंबेडकर की प्रतिमा को कुछ अराजक तत्वों ने तोड़कर नहर में फेंक दिया। इस घटना की जानकारी मिलते ही दलित समाज के लोगों में भारी आक्रोश फैल गया। गांव के नाराज ग्रामीणों ने सड़क पर उतरकर जाम लगा दिया और आरोप लगाया कि कुछ असामाजिक तत्व समुदाय विशेष को भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। प्रदर्शनकारी दोषियों की गिरफ्तारी और नई प्रतिमा स्थापित किए जाने की मांग कर रहे थे। सूचना पर फूलपुर थाना प्रभारी मौके पर पहुंचे और आक्रोशित लोगों को शांत कराने का प्रयास किया। थाना प्रभारी ने दिलाया। अधिकारियों की समझाइश के बाद ग्रामीणों ने सड़क जाम समाप्त कर दिया।फिलहाल गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है और प्रशासन स्थिति पर नजर बनाए हुए है। डीसीपी गंगानगर जोन कुलदीप सिंह गुनावत के मुताबिक फूलपुर थाने में मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। मामले में पुलिस जांच पड़ताल और ग्रामीणों से पूछताछ कर रही है। डीसीपी के मुताबिक खेत में जहां बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की मूर्ति स्थापित थी। वहां तक जाने का रास्ता नहीं था। इसको लेकर पूर्व से विवाद चल रहा था। मौके पर शांति व्यवस्था कायम है, पुलिस इस मामले में अग्रिम विधिक कार्यवाही कर रही है।

घर में घुसा पानी, राहत शिविर बना नया ठिकाना,प्रयागराज के कछारी इलाकों में रहने वालों की बढ़ी मुश्किल, हजारों प्रतियोगी छात्र लौट गए घर

प्रयागराज। गंगा और यमुना के जलस्तर में लगातार वृद्धि जारी है। इसका असर कछारी इलाकों में रहने वाले परिवारों पर पड़ने लगा है। द्रौपती घाट, छोटा बघाड़ा, सलोरी समेत अन्य एक दर्जन से ज्यादा इलाकों में बने हजारों घरों में बाढ़ का पानी पहुंच गया है। इससे अब इन लोगों को नया ठिकाना बाढ़ राहत शिविर बन गया है। प्रशासन की ओर से 26 राहत शिविर बनाए गए हैं। हालांकि अभी सभी राहत शिविरों को सक्रिय नहीं किया गया है। बघाड़ा इलाके में ऐनी बेसेंट स्कूल में बड़ी संख्या में बाढ़ पीड़ित पहुंच गए हैं। इसी तरह कैंट मैरिज हाल को भी शिविर बनाया गया है। यहां भी कई लोग पहुंच गए

हैं। इसमें प्रतियोगी छात्र भी शामिल हैं जो दूसरे शहरों से यहां परीक्षाओं की तैयारी करने आए हैं।कैंट मैरिज हाल के व्यवस्था देख रहे सुलभ तिवारी बताते हैं कि प्रशासन की ओर से यहां पूरी तैयारी की गई है। जो परिवार यहां आ रहे हैं उन्हें रहने और खाने के पूरे इंतजाम किए गए हैं। यदि छोटा बच्चा है तो उसके दूध तक का इंतजाम यहां किया गया है। मेडिकल टीम भी उपलब्ध है, जरूरत पड़ने पर इलाज की व्यवस्था है। जौनपुर के जलालपुर से आए सौरभ यादव बताते हैं कि 'जिस कमरे में रहता था उसमें पानी भर जाने की वजह से यहां आया हूं। आगे कई महत्वपूर्ण परीक्षाएं हैं इसलिए घर नहीं गया और यहीं पर पढ़ाई कर रहा हूं। यहां पर कोई असुविधा नहीं है।' शिवजीत बताते हैं 'पानी ज्यादा आने से रास्ते में भी पानी आ गया था इससे कमरे तक पहुंचना मुश्किल हो गया था। जानकारी मिलने पर यहां शिविर में रहकर पढ़ाई चल रही है।' डेंजर लेवल से महज एक मीटर तक पहुंचीं गंगा गंगा डेंजर लेवल से महज एक मीटर नीचे तक पहुंच गई हैं। यहां बाढ़ का डेंजर लेवल 84.734 मीटर है जबकि गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 83.08 मीटर पहुंच गया है। छतनाग में 82.41 मीटर है। बताया जा रहा है कि अभी 6 लाख क्यूसेक पानी और आ रहा है। यदि बारिश भी होती रही तो जल्द ही जलस्तर में और वृद्धि देखी जाएगी।

स्थानांतरित एस.डी.ओ. अशोक मरावी को दी गई विदाई,शहडोल व्यौहारी से दुर्गेश कुमार गुप्ता

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) म.प्र/शहडोल। जनपद पंचायत जयसिंहनगर के ग्राम गंधिया के राम वन पथ गमन सीतामढ़ी धाम में आयोजित कार्यक्रम में सांसद संसदीय क्षेत्र सीधी डॉ. राजेश मिश्रा एवं विधायक शरद कोल ने जनपद पंचायत जयसिंहनगर में पदस्थ एस.डी.ओ. अशोक मरावी को जबलपुर जिले के लिए स्थानांतरित होने पर शाल एवं श्रीफल भेंट किया तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामना एवं बधाई दी।एस.डी.ओ. अशोक मरावी ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि इस क्षेत्र में कार्य करना एक सुखद अनुभव रहा,जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों, जनता का सहयोग हमेशा यादगार रहेगा। इस अवसर पर पूर्व अध्यक्ष महिला वित्त विकास निगम अमिता चपरा, अध्यक्ष जिला पंचायत प्रभा मिश्रा, अध्यक्ष जनपद पंचायत जयसिंहनगर मालती सिंह सीधी मण्डल अध्यक्ष संजय गुप्ता, अनु विभागीय अधिकारी राजस्व प्रगति वर्मा, सीईओ जनपद पंचायत शिवानी जैन,जन अभियान परिषद के जिला समन्वयक विवेक पांडे, जनपद सदस्य मृगेंद्र सिंह, ग्राम पंचायत सरपंच नीलकली कंवर सहित अन्य जन प्रतिनिधि, अधिकारी व ग्रामवासी उपस्थित रहे।

ब्राह्मण समाज महासंघ ने किया सर्व समाज का सम्मान, भाऊ राव देव रस सरस्वती विद्या मंदिर सेक्टर 12 में हुआ विप्र सम्मेलन

नोएडा में ब्राह्मण समाज महासंघ ने सम्मान समारोह एवं काव्य पाठ का आयोजन किया। समारोह में मुख्य अतिथि पूर्व राज्यपाल राजस्थान कल राज मिश्र,विशिष्ट अतिथि उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा , सांसद एवं पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ महेश शर्मा विधायक श्री चंद शर्मा , बीजेपी गौतमबुद्धनगर के जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा की गरिमामय उपस्थिति हुई।ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा ने बताया कि विभिन्न क्षेत्रों के विभिन्न वर्गों के लोगों को सम्मानित किया।कुछ बच्चों को जिन्होंने 95फीसदी अंक प्राप्त किए उनको भी सम्मानित किया ।साथ ही कवियों ने काव्य पाठ किया।ब्राह्मण समाज महासंघ के राष्ट्रीय अध्यक्ष गिरीश मिश्रा,के. के. मिश्रा, दिनेश मिश्रा, मनीष त्रिपाठी, संदीप शर्मा, विनय मिश्रा की टीम ने सर्व समाज को संगठित करने का प्रयास किया।

संगमनगरी में गंगा-यमुना का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे,95 राहत शिविर सक्रिय, 205 लोग शिविरों में,26 गांव-मोहल्लों में बाढ़ का असर

प्रयागराज। गंगा और यमुना नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से नीचे बना हुआ है। गंगा का जलस्तर फाफामऊ में 83.09 मीटर और छतनाग में 82.35 मीटर दर्ज किया गया है। फाफामऊ में खतरे का निशान 84.738 मीटर है। यमुना नदी का जलस्तर नैनी में 82.86 मीटर है, जो खतरे के निशान 84.738 मीटर से कम है। यमुना में 8 सेंटीमीटर की गिरावट देखी गई है। बाढ़ से सदर क्षेत्र के कछार मऊ, सरैया, बेली कछार समेत 10 मोहल्ले प्रभावित हैं। मेजा में महेबा, ढेंगुरपुर सहित 12 गांव और फूलपुर में ढोकरी उपरहार, बदरा, सोनौटी प्रभावित हुए हैं। करछना में देहली भगेसर और हथसरा में बाढ़ का असर है। जिले में कुल 95 राहत शिविर स्थापित किए गए हैं। सदर में 26, करछना में 20, फूलपुर में 13, सोरांव में 7, मेजा में 11, बारा में 9, हंडिया में 6 और कोरांव में 3 शिविर चल रहे हैं। शहर में ऐनीबेसेंट स्कूल और कैंट मैरिज हॉल में राहत शिविर सक्रिय हैं। वर्तमान में 42 परिवारों के 205 लोग राहत शिविरों में रह रहे हैं। राहत कार्यों के लिए 15 नावें लगाई गई हैं। आज 150 लंच पैकेट वितरित किए गए। आपात स्थिति के लिए जिला कंट्रोल रूम के नंबर 0532-2642577, 0532-2642587 और टोल फ्री नंबर 1077 जारी किए गए हैं। जिला आपदा प्रबंधन प्राधिकरण नदी किनारे रहने वाले लोगों को सतर्क रहने की सलाह दे रहा है। जलस्तर की निरंतर निगरानी की जा रही है।

भारत का गौरव पहलवान राजेश भाटी को डेढ़ लाख देकर कुश्ती संघ के अध्यक्ष ने किया किया सम्मानित

नोएडा। रविवार को अखिल भारतीय गुर्जर शोध संस्थान में आयोजित सम्मान समारोह में कुश्ती संघ के अध्यक्ष सतपाल यादव ने राजेश भाटी पहलवान को विश्व पुलिस एवं फायर गेम्स 2025 बर्मिंघम, अलबामा (अमेरिका) में गोल्ड मेडल जीतने पर सम्मानित किया । सतपाल ने कहा यह केवल व्यक्तिगत सफलता नहीं, बल्कि पूरे देश, समाज और विशेष रूप से युवाओं के लिए गर्व और प्रेरणा का विषय है। इस गौरवशाली अवसर पर सतपाल ने अपनी ओर से रु1,51,000/- (एक लाख इक्यावन हजार रुपये) की सहयोग राशि राजेश भाटी को सम्मानस्वरूप भेंट की। कार्यक्रम मे विशिष्ट अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। इस दौरान पूर्व मंत्री हरिश्चंद्र भाटी, दादरी विधायक तेजपाल नागर,भाजपा जिला अध्यक्ष अभिषेक शर्मा, समाजसेवी प्रवीण बैसला, कोच महा सिंह,भारत केसरी कलुआ पहलवान ,भारत केसरी जोटी पहलवान ,सत्तन पहलवान आदि मौजूद रहे।

पेड़ बनकर जीवित रहें मेरी संतानों की स्मृतियां : महेंद्र अग्रवाल

रायबरेली। जीवन की सबसे बड़ी पीड़ा तब होती है जब मां-बाप को अपने बच्चों को खोना पड़े, और उस पीड़ा को समाजसेवी महेंद्र अग्रवाल ने न केवल सहा, बल्कि उसे एक सकारात्मक संदेश में तब्दील कर दिया। बीती 19 जुलाई 2022 को एक दर्दनाक सड़क हादसे में अपने बेटे राकेश अग्रवाल और बहू सोनम अग्रवाल को खो चुके महेंद्र अग्रवाल ने उनकी तीसरी पुण्यतिथि पर शनिवार को राना बेनी माधव बक्श सिंह पार्क में पौधरोपण कर स्मृतियों को जीवंत बना दिया। इस अवसर मातृभूमि सेवा मिशन के पदाधिकारियों एवं योग साधकों की उपस्थिति में बेटे-बहू दोनों दिवंगत आत्माओं की शांति हेतु दो मिनट का मौन रखकर पुष्पांजलि अर्पित की गई। पौधरोपण कार्यक्रम से पहले सई नदी शहीद स्मारक के निकट राणा बेनी माधव पार्क में केवल एक भावना थी–श्रद्धांजलि को सेवा और स्मृति को हरियाली में बदल देना। जैसे ही महेंद्र अग्रवाल ने अपने बहू और बेटे के चित्र पर पुष्पांजलि अर्पित की।उनकी आंखें भर आईं।उन्होंने कांपती आवाज़ में कहा कि पेड़ और पौधे मेरे बेटे और बहू की तरह हैं। उन्हें सींचकर बड़ा करूंगा, ताकि उनकी स्मृति सदा जीवित रहे। श्रद्धांजलि देने के अंत में महेंद्र अग्रवाल ने दो टूक शब्दों में कहा यह विधि का विधान था।मेरे बेटे-बहू की अंतिम यात्रा यही तक थी। अब उनकी संतानें ही मेरा जीवन हैं। मैं उन्हें अच्छी शिक्षा, संस्कार और संस्कृतिपूर्ण वातावरण देने का प्रयास कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि यह श्रद्धांजलि केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि यह उन असंख्य माता-पिता के लिए संदेश है, जो अपने बच्चों को खोकर भी समाज के लिए कुछ करना चाहते हैं। महेंद्र अग्रवाल की यह हरियाली सेवा, उनकी संतानों की स्मृति को एक जीवंत स्वरूप देने की प्रेरणादायक कहानी बनेगी। यही सेवा, यही स्मृति, यही संकल्प–धरती को स्वर्ग बना सकता है। इस भावुक क्षण में उपस्थित हर व्यक्ति की आंखें नम हो गईं। पौधारोपण को श्रद्धांजलि का रूप देकर महेंद्र अग्रवाल ने यह संदेश दिया कि यदि हर व्यक्ति अपने पूर्वजों या दिवंगत परिजनों की स्मृति में पौधरोपण करे, तो यह धरती वास्तव में हरियाली से स्वर्ग बन सकती है। तीन वर्ष पूर्व हुए इस सड़क हादसे की स्मृतियां आज भी रायबरेली वासियों को झकझोर देती हैं। मुंशीगंज के पास हुए इस हृदयविदारक दुर्घटना में राकेश अग्रवाल और सोनम अग्रवाल के अलावा एक और अग्रवाल परिवार के तीन सदस्यों की दर्दनाक मौत हो गई थी, जिसमें राकेश के दो मासूम बच्चों–तनिषी और तिजिल सहित रचित अग्रवाल को एक घंटे बाद सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया था। वह दिन रायबरेली के इतिहास में कभी न भूलने वाला दर्द बन गया। इस दौरान मातृभूमि सेवा मिशन के उत्तर प्रदेश संयोजक प्रदीप पांडे ने कहा कि किसी अपने को खोना बेहद तकलीफदेह होता है, परंतु महेंद्र अग्रवाल जी ने इस पीड़ा को प्रकृति सेवा का संकल्प बना दिया। यह हम सबके लिए प्रेरणा है। पौधारोपण केवल एक कर्म नहीं, बल्कि भावनाओं और भविष्य के प्रति उत्तरदायित्व का प्रतीक है। उनकी यह पहल समाज को न केवल सोचने बल्कि करने की दिशा भी दिखाती है। श्रद्धांजलि सभा के दौरान सामाजिक, सांस्कृतिक एवं पर्यावरण प्रेम से जुड़े महिलाएं, पुरुष योग साधक उपस्थित रहे। इस अवसर पर योगाचार्य बृजमोहन, प्रशिक्षिका सोनम गुप्ता, मंडलाध्यक्ष भगवतानंद, अधिवक्ता अजय पाल सिंह, रामानुज मिश्र, कल्लू राम अग्रहरि, अजय मिश्रा, देवता दीन, दिनेश पांडेय, राघव पांडेय ,माया, गीता, पूनम सिंह, स्नेहा, पूजा मौर्य, अनूप शर्मा, राज अग्रहरि, प्रकाश, सचिन अग्रहरि सहित दर्जनों लोगों ने कार्यक्रम में सहभागिता की।

आल जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यालय का हुआ विधिवत उद्घाटन

नोएडा ऑल जर्नलिस्ट वेलफेयर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष हरदेव शर्मा मेरठ मंडल प्रभारी आशु गुप्ता मेरठ गर्ग सीटू के अध्यक्ष गंगेश्वर शर्मा राजेश कुमार गुप्ता मंडल उपाध्यक्ष के मेरठ मंडल की शाखा का गंगा कंपलेक्स सेक्टर 29 नोएडा में कार्यालय का उद्घाटन किया गया। मेरठ मंडल के प्रभारी आशु गुप्ता एवं मेरठ मंडल के अध्यक्ष एवं दिल्ली प्रभारी के द्वारा उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बीजेपी के महानगर अध्यक्ष महेश चौहान युगराज चौहान पूर्व जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा पूर्व जिला अध्यक्ष नोएडा महानगर भाजपा के कर कमल द्वारा किया गया। संगठन मंडल उपाध्यक्ष पंकज शर्मा एसके सिंह मंडल उपाध्यक्ष राजेश कुमार गुप्ता मीडिया सलाहकार मुकेश चौधरी देव नथा मिश्रा जी ने अपनी सम्माननीय उपस्थित दर्ज कराई। इस अवसर पर सभी पत्रकार की समस्या की रूपरेखा प्रस्तुति की और सभी पत्रकारों को फूल माला एवं पटके तथा बुको से सम्मानित किया गया ।उपरोक्त कार्यक्रम को वरिष्ठ पत्रकार विनय जोशी, वरिष्ठ पत्रकार देव मणि शुक्ल, संदीप कुमार आकाश मौर्य न्यूज़ 24 रेनू जी तृप्ति जी विक्रम आरडी शर्मा गगन मंच श्रीकांत जी रमेश जयंत पत्रकार मोम राज तोमर कंट्रोल इंडिया के संपादक मुकेश भी मौजूद थे। इस संगठन का मुख्य उद्देश्य पत्रकारों का कल्याण व उनकी समस्याओं का निवारण करना है इसीलिए यह बनाया गया है आप सभी पत्रकार भाइयों के सहयोग और ऊपर वाले के आशीर्वाद के साथ हम लोग इसी तरह आगे भी आयोजन करते रहेंगे।

मैं मजदूरी करके पढ़ूंगी, भाइयों को भी पढ़ाउंगी,बेटी बोली-पढ़ लिख कर पिता के हत्यारों को सजा दिलाउंगी

प्रयागराज। मां के बाद पापा ही थे उनको भी छीन लिया, अब कोई सहारा नहीं है। मजदूरी करके पेट पाल रहे हैं। हम पढ़ना तो चाहते हैं, पर क्या करें। मेहनत-मजदूरी करके पढ़ूंगी और अपने छोटे भाइयों को भी पढ़ाउंगी। खुद को काबिल बनाकर अपने पिता के हत्यारों को फांसी की सजा दिलाऊंगी। चंद्रशेखर भाई आने वाले थे, उन्हें भी रोक दिया। वो आएंगे तो हमें इंसाफ मिल जाएगा। ये कहना है प्रयागराज की शशि का। जिसके पिता देवीशंकर की 13 अप्रैल को हत्या कर दी गई थी। आरोपियों ने रात में ही शव को जलाने की कोशिश की, लेकिन हवा से आग बुझ गई। सुबह अधजला शव बरामद हुआ तो मामला खुला।29 जून को इसी परिवार से मिलने जा रहे सांसद चंद्रशेखर को पुलिस ने प्रयागराज में नजरबंद कर दिया था। इसके बाद भीम आर्मी के लोगों ने जमकर उपद्रव किया था।पीड़ित के घर हर दल के लोग पहुंचे। बवाल भी हुआ। लेकिन बच्चों और परिवार को मदद के नाम पर कुछ नहीं मिला। देवी शंकर की बड़ी बेटी शशि 11वीं पास कर चुकी है। आर्थिक तंगी की वजह से 12वीं में एडमिशन नहीं हो पाया है। छोटा भाई सूरज 8वीं पास कर चुका है। सबसे छोटा भाई आकाश है, जो एक आंख से दिव्यांग है। घर में दादा-दादी हैं, लेकिन वो बुजुर्ग हैं।खपरैल का कच्चा मकान था। घर में कोई नहीं था। पास के खेत में शशि और उसके भाई मजदूरी करते मिले। हमने सबसे पहले देवी शंकर की बड़ी बेटी शशि शशि से बात की।शशि ने बताया- हमारे पापा हमारे सब कुछ थे। अब तो दूसरों के खेत में मजदूरी करनी पड़ रही है, पढ़ाई बंद हो गई है। सरकार कहती तो है कि फ्री में पढ़ाएंगे, लेकिन स्कूल में कोई मदद नहीं करता। लिखित में कुछ नहीं दिया गया।टीचर कह देते हैं, हमने तो कुछ कहा ही नहीं था। अब हम काम कर रहे हैं, जब पैसा आएगा, तब पढ़ेंगे। पढ़ाई भी करनी है और छोटे भाइयों को भी पढ़ाना है।13 अप्रैल की सुबह देवीशंकर का शव अधजली हालत में गांव के बाहर पड़ा मिला था। गांव के ठाकुर लोग उन्हें 12 अप्रैल की रात 8 बजे घर से बुलाकर ले गए थे। शराब पार्टी के दौरान देवी शंकर को मौत के घाट उतार दिया था। गुनाह छिपाने के लिए आरोपियों ने पहले उसे जमीन मे दफनाने की कोशिश की, जब सुबह होने लगी तो उसे घास-फूस व लकड़ियों के ढेर मे रख कर शव को जला दिया। घर से 500 मीटर दूर अधजला शव मिला था।परिवार की तहरीर पर गांव के कई लोगों को नामजद किया गया था। जिसमें दिलीप सिंह उर्फ छुट्?टन, अवधेश सिंह उर्फ डीएम, संजय सिंह उर्फ सोनू, अजय सिंह, मोहित सिंह, मनोज सिंह, विमलेश गुप्ता उर्फ डॉन और शेखर सिंह शामिल थे। बाद में पुलिस ने सभी आरोपियों को जेल भेज दिया था।

एडीएम फाइनेंस द्वारा अंत्योदय कार्ड बनवाने की फरियाद लेकर आई महिला का बनवाया गया अंत्योदय कार्ड

रायबरेली। सम्पूर्ण समाधान दिवस के आयोजन के क्रम में तहसील डलमऊ में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) अमृता सिंह की अध्यक्षता में सम्पूर्ण समाधान दिवस का आयोजन किया गया। आज के आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में कुल 37 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें से 06 प्रकरणों का निस्तारण मौके पर किया गया, शेष प्रकरणों को समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निस्तारण हेतु संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए गए। आज के आयोजित सम्पूर्ण समाधान दिवस में रोहिणी सिंह पत्नी स्वर्गीय विजय सिंह ग्राम आंबा ने अपना प्रार्थना पत्र देकर अंत्योदय कार्ड बनवाए जाने हेतु अनुरोध किया, अपर जिलाधिकारी ने उप जिलाधिकारी अहमद फरीद खान को महिला का कार्ड बनवाए जाने हेतु आवश्यक कार्यवाही करने के लिए निर्देशित किया, उपजिलाधिकारी ने तहसील दिवस के दौरान ही पूर्ति निरीक्षक से जांच करवाकर कार्ड बनवाकर महिला को हस्तगत कराया गया। इस अवसर पर तहसीलदार प्रज्ञा द्विवेदी सहित संबंधित अधिकारी व कर्मचारीगण उपस्थित रहें।

भारतीय किसान यूनियन भानु का हुआ संगठन विस्तार

नोएडा। अट्ठा गांव में भारतीय किसान यूनियन भानू संगठन का हुआ विस्तार पंचायत की अध्यक्षता के एल अवाना ने की और संचालक सुभाष भाटी ने किया इस मौके पर एनसीआर अध्यक्ष सुनील अवाना को बनाया गया अवाना ने कहा जो जिम्मेदारी मुझे राष्टीय अध्यक्ष जी ने दिया उसे बिल्कुल ईमानदारी के साथ निभाया जाएगा और राकेश भड़ाना को राष्ट्रीय महामंत्री बनाया गया तथा सैकड़ो लोगों ने भारतीय किसान यूनियन भानू की सदस्यता ली राष्ट्रीय महासचिव बेगराज गुर्जर ने कहा संगठन में आस्था व्यक्त करते हुए आज सैकड़ो लोगों ने सदस्यता ली और सभी ने एक साथ रहकर नोएडा प्राधिकरण के खिलाफ संघर्ष करने की बात कही है अजब सिंह कसाना ने कहा भारतीय किसान यूनियन भानू संगठन किसानों के लिए गरीबों के लिए संघर्ष करता रहता है इसी को देखते हुए आज बहुत लोगों ने सदस्यता ग्रहण की है इस मौके पर प्रेम सिंह भाटी अनिल बेसोंया राजकुमार नागर बिल्लू अवाना राजवीर मुखिया विकास गुर्जर आनंद दरोगा सुभाष भाटी सतवीर मुखिया सतप्रकाश अवाना संतराम अवाना ऋषि अवाना भानु प्रकाश शर्मा आदि लोग पंचायत में उपस्थित रहे ।।

नई जातीय जनगणना में 'नो कास्ट कॉलम' के आंदोलन की मंत्री जी ने सराहना की

नोएडा। भारत जागरूक नागरिक संगठन का प्रतिनिधिमंडल मंत्री एवं चेयरमैन (उत्तर प्रदेश काउंसिल ऑफ़ एग्रीकल्चर रिसर्च) विकास गुप्ता से नोएडा में मिला। संगठन के अध्यक्ष शैलेंद्र वर्णवाल ने उन्हें जातिगत जनगणना में नो कास्ट कॉलम' के महत्व के बारे में मंत्री जी को जानकारी दी. विकास गुप्ता जी ने धैर्य पूर्वक इस आंदोलन की महत्व एवं आवश्यकता को सुना। उन्होंने इस आंदोलन की सराहना की और कहा कि आधुनिक युग में विचार के साथ-साथ समाज में भी परिवर्तन हो रहे हैं त इसलिए सरकार को खुले मन से जातीय जनगणना में नो कास्ट कॉलम' के मुद्दे पर विचार करना चाहिएत आज के प्रतिनिधि मंडल में शैलेंद्र वर्णवाल अरविंद गुप्ता राहुल संस्कृत नवीन पोरवाल शैलेंद्र पोरवाल इंदु यादव आदि उपस्थित रहे.

बी0एल0ओ0 में ड्यूटी कटवाने को सोपा ज्ञापन ,आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ ने जिलाधिकारी नामित ज्ञापन दिए

सोनभद्र। आंगनबाड़ी कर्मचारी संघ उत्तर प्रदेश द्वारा सोमवार को अपनी मांगों को लेकर जिलाधिकारी नामित ज्ञापन मुख्य विकास अधिकारी व अन्य अधिकारियों को देखकर बुलंद की आवाज। वहीं जिला अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का बी0एल0ओ0 में ड्यूटी कटवाने व जिनका नहीं लगा है उनका ना लगाये जाने के संबंध में जिलाधिकारी नामित ज्ञापन देकर अपनी बात रखी गई है श्री सिंह ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रयों को वैसे ही विभागीय काम बढ़ा हुआ है जो कार्यकर्ता खुद विभाग का काम करने में दिक्कत आ रही है। कार्यकर्ता कैसे बिना मोबाइल व रिचार्ज का काम कर रही हैं। ये उच्चाधिकारी नहीं समझ पायेंगे। उसमें बहुत सी कार्यकत्रीयां बुजुर्ग हो गयी हैं। किसी प्रकार बेटा, बेटी के मोबाइल से विभाग का काम कर रही है, जो कि शासन द्वारा लेटर भी जारी हुआ है कि निर्वाचन या किसी भी अन्य विभाग में आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रयों की ड्यूटी ना लगाया जाय उसके बावजूद भी जबरन सबकी ड्यूटी लगाई जा रही है जो कि इसके साथ शासन का लेटर भी संलग्न है। जिला अध्यक्ष ने बताया कि हम सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्मीयों का बी0एल0ओ0 से नाम हटवा दिया जाय नहीं तो विभाग का काम बाधित होगा तो उसमें आप सभी उच्चाधिकारी ही जिम्मेदार होगें। अगर दोनों काम के लिए दबाव बनता है तो हम सभी आंगनबाड़ी कार्यकर्त्रयां आपके प्रांगण में धरना प्रदर्शन के लिए बाध्य हो जायेंगे। जिसकी जिम्मेदारी आप सभी की होगी।

कोन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में मूलभूत सुविधाओं का टोटा

कोन / सोनभद्र। स्थानीय विकास खण्ड कोन लगभग 1 लाख से उपर जनसंख्या वाला क्षेत्र अंतर्गत सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र केन्द्र को बने भले ही कई वर्ष हो गए पर स्वास्थ्य केन्द्र अपनी बदहाली पर आँसू बहा रहा है। बतातें चलें कि स्वास्थ्य केन्द्र में एक्सरे, अल्ट्रा साउंड, इ सी जी आदि की सुविधा न होने से लोगों को काफी फजीहत का सामना करना पड़ रहा है। जिससे क्षेत्रीय लोगों को मानक विहीन हॉस्पिटल में जाना पड़ता है जिससे गरीब आदिवासियों के सामने बहुत बड़ी चुनौती है। सरकार भले ही आकांक्षी जनपद सोनभद्र में आदिवासियों के लिए तरह तरह की योजनाएं संचालित कर रही है पर स्वास्थ्य सेवाओं पर उसका असर नहीं दिख रहा है।गौरतलब है कि आज तक स्वास्थ्य केन्द्र पर बिजली, पानी(आर ओ) बेड की समुचित व्यवस्था नहीं है जिससे स्थानीय लोगों में रोष व्याप्त है जिसके क्रम में अपना दल (एस) के प्रदेश उपाध्यक्ष आनंद पटेल दयालु सहित स्थानीय लोगों द्वारा समय समय पर संबंधित विभाग सहित स्वास्थ्य विभाग के आला मंत्रियों को अवगत कराया किन्तु आज तक इसका स्थायी हल नहीं निकल सका। जिससे कोन क्षेत्र के आस पास 10 किलोमीटर के रहवासियों के लिए एक मात्र सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र है जिसमें 02 स्थायी चिकित्सक सहित, 01 प्रशिक्षु चिकित्सक सहित 02 स्टाफ नर्स की नियुक्ति की गई है पर रात्रि सेवा के लिए कोई व्यवस्था नहीं है जिससे रात में होने वाले दुर्घटना या डिलिवरी सहित अन्य केश के लिए भारी मुसीबत का सामना करना पड़ता है। जिसके संबंध में स्थानीय लोगों ने संबंधित विभाग का ध्यान आकृष्ट कराते हुए तत्काल सुविधाएं व रात्रि कालीन ड्यूटी लगाने की मांग किया है।

ब्रम्हचारी कुटी में हुआ रुद्राभिषेक,शिव आराधना से भौतिक तापों का शमन होता है - राघवेन्द्र दूबे

नोएडा सेक्टर 82 स्थित प्राचीन तपोभूमि ब्रम्हचारी कुटी बभभभभबब चढ़ा में पावन श्रावण मास के द्वितीय सोमवार को महंत ओम भारती महाराज के सानिध्य में भगवान शिव का रुद्राभिषेक कराया गया। प्रातः 4: 30 बजे से आचार्य अमित दीक्षित द्वारा मंत्रोच्चार के बीच दुग्धधारा से भगवान भोलेनाथ का अभिषेक किया गया। इस दौरान शिव परिवार की पूजा अर्चना की गई साथ ही भोलेनाथ का श्रृंगार भी किया गया। रुद्राभिषेक के बाद हवन हुआ और आरती के उपरांत प्रसाद वितरण हुआ।इस अवसर पर राघवेंद्र दुबे ने कहा कि शिव परम कल्याणकारी हैं। शिव की आराधना से दैहिक, दैविक और भौतिक तापों का शमन हो जाता है। श्रावण मास में शिव की भक्ति से अंत गुना पुण्य फल की प्राप्ति होती है। रुद्राभिषेक के माध्यम से सभी जीवों के कल्याण के लिए शिव से प्रार्थना की गई।इस अवसर पर विकास भारती, अशोक कुमार, ओम कुमार , रवि राघव, सुशील पाल, शिववृत तिवारी सहित तमाम शिव भक्त मौजूद रहे।

तुम्हारी प्रेतबाधा को शुद्धिकरण करना होगा... तांत्रिक ने महिला की बीमारी दूर करने बहाने किया दुष्कर्म,अरेस्ट

कानपुर। यूपी के कानपुर से एक शर्मनाक घटना सामने आई है। कानपुर में मेडिकल इलाज पर भरोसा न जताकर झाड़-फूंक पर भरोसा जताना परिवार को भारी पड़ गया। तांत्रिक ने मामूली जुकाम बुखार को नवविवाहिता पर प्रेत आत्मा का साया बता दिया। उसने परिजनों से घर में पूजा, अनुष्ठान और शुद्धिकरण कराने की सलाह दी। तांत्रिक ने अनुष्ठान और शुद्धिकरण के नाम पर नवविवाहिता को बेहोश कर दुष्कर्म किया। पीड़िता को जब होश आया तो तांत्रिक ने मुंह खोलने पर जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। चौबेपुर के एक गांव में रहने वाली युवती (20) की शादी पांच मई को सचेंडी थाना क्षेत्र स्थित एक गांव निवासी युवक से हुई थी। नवविवाहिता के मुताबिक बीते कुछ महीने से उसे खांसी, जुकाम और बुखार बना हुआ था। इलाज कराने पर भी आराम नहीं मिला। नवविवाहिता की सास ने बहु की बीमारी को लेकर एक परिचित से चर्चा की। उसने भूत-प्रेत का साया होने की आशंका जता दी। इसके बाद परिचित नबाबा बृजेश यादव से मुलाकात करा दी।

बच्चों के नाम हर घर लगाया जाएगा पेड़ःसंदीप मिश्रा, पेड़ हैं तो प्राण हैं, के संयोजक ने गांव गांव शुरू की मुहिम

सोनभद्र। सदर विधानसभा 401 में पेड़ हैं तो प्राण हैं के संयोजक संदीप मिश्रा ने बताया कि विधानसभा के बूथ संख्या एक से लिया गया संकल्प कि 401 विधानसभा के हर बूथ पर पेड़ लगाकर लोगों को पेड़ हैं तो प्राण हैं के अभियान के तहत जागरुक किया जायेगा। इसी क्रम में सोमवार को विधानसभा के चतरा में पूर्व ब्लाक प्रमुख स्वर्गीय लालता सिंह जी के स्मृति में पेड़ लगाया गया नाई भलुईराजा चतरा व सेमर में पेड़ लगाया गया हरेक पेड़ को सुरक्षित रखने का नौजवानो ने संकल्प लिया । संयोजक श्री मिश्रा ने बताया कि हर गांव पेड़ लगाने का मुहिम युवाओं के साथ शुरू कर दिया गया है पेड़ लगाने अथवा वातावरण को बचाने के लिए हर गांव हर घर पहुंच कर घर के बच्चों के नाम से एक पेड़ लगाया जाएगा उसका संरक्षण बच्चे व उनके परिजन करेंगे वहीं इस मुहिम से युवा पीढ़ी बढ़ चढ़ कर जुड़ रहे हैं। इस मौके पर आकाश चौहान सत्रुधन बिन्द आशुतोष सिंह राजपूत अरविन्द मोदनवाल रोहित सिंह विकास मौर्य विजय चौहान आकाश जायसवाल धीरज कनौजिया व विवेक जाटव के साथ सैकड़ों नौजवान व ग्रामवासी उपस्थित रहे उपस्थित रहे।

सावन के दूसरे सोमवार को 35 लोगों ने किया रुद्राभिषेक पूजन

लगातार ग्यारहवें दिन किया गया रुद्राभिषेक पूजन,हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान रहा शिव मंदिर परिसर, रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर पर किया गया है आयोजन

सोनभद्र। रामगढ़ कसारी भिखारी बाबा आश्रम स्थित शिव मंदिर में लगातार ग्यारहवें दिन रुद्राभिषेक पूजन किया गया। सावन के दूसरे सोमवार को 35 लोगों ने रुद्राभिषेक पूजन किया। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया। सावन माह के ग्यारहवें दिन दूसरे सोमवार को समाजसेवी मनोज केसरी, अनुभव पाठक, अनुराधा त्रिपाठी, किरन मोदनवाल, डाक्टर विजय,उर्मिला देवी, पंकज गुप्ता, विनीता गुप्ता, करुणा सिंह, भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की उपाध्यक्ष चिंता मौर्य, परमानंद मौर्य, शिव शक्ति महिला मंडल की उपाध्यक्ष खुशबू मौर्य, विवेकानंद मौर्य, विमला देवी, कृष्णावती, चंचल गुप्ता, सविता मिश्रा,अशोक कुमार केसरी, शिवकुमारी केसरी, ऋषिका केसरी, लकी केसरी, प्रियंका गुप्ता, पंडित रेवती नाथ त्रिपाठी, रामा त्रिपाठी, सीता अग्रवाल, चंचला अग्रहरि, संध्या कुमारी को वैदिक मंत्रोच्चार के साथ आचार्य कौशल तिवारी ने दुध, गन्ना का रस व गंगाजल से रुद्राभिषेक पूजन कराया। भिक्षुक भिखारी रमाशंकर गिरी उर्फ जंगली बाबा ने बताया कि शिव शक्ति महिला मंडल एवं भिखारी भोले सेवा ट्रस्ट की ओर से प्रतिदिन सावन माह भर रुद्राभिषेक पूजन किया जाएगा। सावन के दूसरे सोमवार को 35 लोगों ने रुद्राभिषेक पूजन किया। आरती पूजन में सारिका गुप्ता, पिंकी केसरी, रेखा मोदनवाल, राधिका केसरी, चंदा केसरी,लाडो केसरी, कालो देवी, हीरा, इन्द्रपति पांडेय महाराज, सुखराम महाराज, राजेंद्र महाराज, मुन्ना महाराज, सुरेश महाराज, शेषनाथ मिश्रा महाराज आदि मौजूद रहे।। इस दौरान समूचा मंदिर परिसर हर हर महादेव के जयकारे से गुंजायमान हो गया।

मंत्री ने कालेज के छात्र-छात्राओं से किये संवाद, प्रथम स्थान पर छात्र-छात्राओं को सिंगापुर यूनिवर्सिटी में भ्रमण हेतु मिलेगा मौका मंत्री

सोनभद्र। मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले उत्तर प्रदेश आशीष पटेल ने सोमवार को राजकीय इंजीनियरिंग कालेज सोनभद्र में राजकीय इंजीनियरिंग कालेज के छात्र-छात्राओं से सीधा संवाद किये, संवाद के दौरान मंत्री जी ने कहा कि मीरजापुर इंजीनियरिंग कालेज के जो भी छात्र-छात्राएं सोनभद्र इंजीनियरिंग कालेज में अध्ययनरत हैं, उन्हें 30 जुलाई,2025 के बाद राजकीय इंजीनियरिंग कालेज मीरजापुर में ही पठन-पाठन का कार्य प्रारंभ किया जायेगा, उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग कालेज में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को सिंगापुर यूनिवर्सिटी में भ्रमण हेतु ले जाया जायेगा, उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग द्वितीय वर्ष के इलेक्ट्रानिक्स ट्रेड के छात्र-छात्राओं को भ्रमण हेतु नोएडा डेटा सेन्टर पर ले जाया जायेगा, इसी प्रकार से इंजीनियरिंग के छात्र-छात्राओं को इलेक्ट्रानिक्स भेल कम्पनी झांसी में भी ले जाया जायेगा, उन्होंने कहा कि इंजीनियरिंग कर रहे छात्र-छात्राओं को बेहतर प्लेसमेन्ट मिले, इसके लिए भी सरकार द्वारा प्रयास किये जा रहें हैं, इस दौरान उन्होंने कहा कि छात्र-छात्राएं पूरे मनोयोग से शिक्षा ग्रहण कर कोर्स को कम्पलीट करें, जिससे कि आगे चलकर उन्हें बेहतर प्लेसमेन्ट मिल सकें। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इंजीनियरिंग के छात्र-छात्राओं को बेहतर शिक्षा उपलब्ध कराने हेतु अच्छे और होनहार शिक्षकों की नियुक्ति का कार्य भी कर रही है। अपर जिलाधिकारी(न्यायिक) रमेश चन्द्र, तहसीलदार सदर अमित कुमार, भाजपा जिलाध्यक्ष नन्दलाल गुप्ता,अंजनी पटेल जिलाध्यक्ष अपना दल एस सहित सम्मानित जनप्रतिनिधिगण व अधिकारीगण उपस्थित रहें।

कानपुरः कांग्रेस की दो गुटों में हुआ हंगामा,1कार्यकर्ता वीडियो बनाने लगा, तो महिला पदाधिकारी ने कर दी पिटाई

कानपूर। उत्तर प्रदेश का कानपुर कांग्रेस पार्टी का गढ़ कहा जाता था। लेकिन आपसी गुटबाजी और अंदरूनी कलह की वजह कांग्रेस पार्टी हासिए पर चली गई। कानपुर में उत्तर-दक्षिण खत्म करके संगठन मजबूती के लिए महानगर कांग्रेस कमेटी की घोषणा हुई थी। लेकिन एकजुटता के प्रयासों को लगातार झटका लग रहा है। नगर कमेटी में कद के हिसाब से पद नहीं मिलने पर इस्तीफों का दौर शुरू हो गया था। उन्हें संभालने के लिए 75 पदाधिकारियों के स्थान पर 98 पदाधिकारी बनाकर खाई पाटने की कोशिश हुई थी। गुटबाजी इतनी बढ़ी की सृजन बैठक में मारपीट और हंगामा हो गया।किदवई नगर में संगठन सृजन की बैठक थी। बैठक में दो गुटों के बीच हंगामा और मारपीट हो गई। सबसे ज्यादा हैरान करने वाली बात है कि महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता के सामने हंगामा और मारपीट हो गई। नगर अध्यक्ष कुछ भी नहीं कर पाए। महानगर महासचिव संजीव मिश्रा समेत कई पदाधिकारियों ने इस्तीफे प्रदेश अध्यक्ष अजय राय को भेज दिए। प्रदेश अध्यक्ष ने असंतुष्ट पदाधिकारियों को लखनऊ बुलाया है। संगठन सृजन के लिए वार्डों से लेकर बूथों तक महानगर अध्यक्ष पवन गुप्ता बैठकें कर रहे हैं। लेकिन पार्टी में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। विधानसभा क्षेत्रों से कम से कम तीन नाम और अधिकतम आठ प्रत्याशियों के नाम 2027 के विधानसभा चुनाव के लिए भेजे गए हैं। पवन गुप्ता ने अपने बेटे अभिमन्यु का नाम भी किदवई नगर विधानसभा सीट से भेज दिया है। जिसे लेकर विरोध के सुर फूटने लगे। दक्षिण में पदाधिकारी चयन को लेकर खेमे बंदी शुरू हो गई है।किदवई नगर के वार्ड 84 के बैठक में इसका असर देखने को मिला। वार्ड अध्यक्ष के चयन को लेकर चर्चा में हंगामा शुरू हो गया। एक कार्यकर्ता इसका वीडियो बनाने लगा तो महिला पदाधिकारी ने उसे पीट दिया। इसका जिला महासचिव संजीव मिश्रा ने विरोध किया तो उनसे भी हाथापाई की गई। संगठन के लोगों ने किसी तरह से मामले को शांत कराया। इसके बाद दोनों पक्षों से लोग आ गए और जमकर मारपीट हुई। संजीव मिश्रा ने कहा कि संगठन के साथ मजबूती से खड़े हैं। लेकिन महानगर कमेटी में उनके लोगों को उचित स्थान नहीं मिल रहा है।

प्राथमिक विद्यालयों की बंदी के खिलाफ चलाया संवाद अभियान,युवा मंच ने कहा दलित आदिवासी बच्चे हो जाएंगे शिक्षा से वंचित

सोनभद्र/म्योरपुर। उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा 50 से कम बच्चों के विद्यालयों को बंद करने के तुगलकी फरमान की जांच पड़ताल करने आज युवा मंच की टीम डडियरा, बलियरी, खैराही, किरवानी, गोविंदपुरआश्रम आदि गांव में गई। टीम ने वहां देखा कि इन विद्यालयों के बंद हो जाने के कारण बेहद गरीब दलित और आदिवासी समुदाय के बच्चे शिक्षा से ही वंचित हो जाएंगे। टीम को अभिभावकों ने बताया कि विद्यालयों के बंद होने से काफी लंबी दूरी छोटे-छोटे बच्चों को पैदल तय करनी पड़ेगी। जिसके कारण उनकी शिक्षा को सुचारू रूप से चलाना संभव नहीं होगा। युवा मंच की टीम ने कहा कि हाई कोर्ट की लखनऊ बेंच ने भी यह कहा है कि बेसिक शिक्षा अधिकारी की जिम्मेदारी है कि कोई भी बच्चा शिक्षा से वंचित न हो और हर बच्चे के गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की गारंटी वह सुनिश्चित कराएं। इसलिए सरकार को अपने निर्णय पर पुनर्विचार करना चाहिए और विद्यालय बंदी के आदेश को तत्काल प्रभाव से वापस लेना चाहिए।युवा मंच की टीम ने कहा कि पहले ही दुद्धी जैसे पठारी-पहाड़ी इलाके में बच्चों की शिक्षा का स्तर बेहद खराब है। आमतौर पर बच्चे कक्षा 8 के बाद ड्रॉप कर जा रहे हैं और उनकी पढ़ाई आगे नहीं चल पाती है। यही नहीं यहां की नौजवान लड़कियां उच्च शिक्षा ग्रहण करके सरकारी नौकरी प्राप्त करना चाहती है बावजूद इसके सरकार ने अभी तक उनके लिए आवासीय डिग्री कॉलेज बनाने की मांग को भी पूरा नहीं किया है। युवा मंच की टीम ने कहा कि बच्चों की शिक्षा को बचाने के लिए बड़े पैमाने पर हस्ताक्षर अभियान चलाया जाएगा और शीघ्र ही जिला प्रशासन से मिला भी जाएगा। युवा मंच की टीम का नेतृत्व जिला संयोजक सविता गोंड और जिलाध्यक्ष रूबी सिंह गोंड ने किया। उनके साथ ऑल इंडिया पीपुल्स फ्रंट के जिला संयोजक कृपा शंकर पनिका, मजदूर किसान मंच के नेता राम विचार गोंड आदि लोग भी शामिल रहे।

शादी के 25 साल बाद 4 बच्चों की मां को हुआ भांजे के साथ 'लव', रचाई शादी-पति बोला, अब इसे कौन रोकेगा

सिद्धार्थनगरः उत्तर प्रदेश के सिद्धार्थनगर जिले से एक हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है।

यहां शादी के 25 साल बाद एक महिला को अपने ही 25 वर्षीय भांजे से प्रेम हो गया। दोनों ने कोर्ट में शादी कर ली। मामला जब खुला तो यह प्रेम संबंध न केवल पूरे गांव में चर्चा का विषय बन गया। मामले में पंचायत बैठी। पंचायत के फैसले और पति के निर्णय ने इस मामले को अधिक चर्चा में ला दिया है। दरअसल, पति ने महिला की दूसरी शादी को स्वीकार करते हुए कहा कि अब इसे कौन रोकेगा? उसने महिला के निर्णय को स्वीकार लिया।सिद्धार्थनगर जिले के भवानीगंज थाना क्षेत्र के एक गांव का पूरा मामला है। गांव में रहने वाले एक व्यक्ति की शादी लगभग 25 साल पहले पास के ही गांव की एक युवती से हुई थी। शुरुआती वर्षों में दंपती का पारिवारिक जीवन सामान्य था। उनके चार बच्चे भी हैं। इनमें दो बेटियां- 20 एवं 18 वर्ष और दो बेटे- 17 एवं 10 वर्ष शामिल हैं। पति अक्सर काम की तलाश में घर से बाहर रहता था।पति के बाहर रहने के दौरान रिश्ते में लगने वाले एक भांजे की घर में आवाजाही बढ़ने लगी। 25 साल का यह युवक महिला का दूर का भांजा बताया जा रहा है। धीरे-धीरे दोनों की नजदीकियां बढ़ीं। बात प्रेम संबंधों तक पहुंच गई। बताया जा रहा है कि वर्ष 2024 में महिला ने इस युवक से चुपचाप कोर्ट मैरिज कर ली। वह चार बच्चों को छोड़कर प्रेमी के साथ रहने चली गई।महिला के भांजे के शादी की बात सामने आई तो पति ने थाने जाकर रिपोर्ट दर्ज कराई। उन्होंने मामले में प्रशासन से मदद मांगी। कुछ समय बाद महिला वापस लौट आई। प्रेमी को छोड़कर अपने पति के साथ रहने लगी।

चार किलोमीटर दूर दुसरे गांव जाकर राशन लेने को विवश,चपइल गांव में दो साल से बंद है कोटे की दुकान

पैसों की डिमांड पुरी न होने से अधिकारी दुकान आवंटन में कर रहे हीलाहवाली

सोनभद्र। राष्ट्रीय लोक दल आपके द्वार अभियान के तहत चपइल गांव पहुंचे राष्ट्रीय लोक दल के नेताओं के सामने ग्रामिणों ने गांव में राशन की दुकान बंद होने की शिकायत करते हुए बताया कि दो साल से कोटे की गांव की दुकान निरस्त है। गांव के लोगों को राशन गांव से चार किलोमीटर दूर तुर्ती गांव में जाकर लेना पड़ता है। विभाग द्वारा चपइल गांव की दुकान को तुर्ती से अटैच कर दिया गया है। इस दौरान लोकदल के नेताओं ने जब पुछा कि दुकान पुनः आवंटन क्यों नहीं किया विभाग ने तो ग्रामिणों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर गंभीर आरोप लगाया और बताया कि कोटे की दुकान की सारी पेपर फारमेलिटी पुरी होने के बाद अतिरिक्त धनराशि की डिमांड न पुरी होने के कारण अबतक गांव में दुकान चालू नहीं हो सकी है। राष्ट्रीय लोक दल और ग्रामिणों की बातचीत का एक विडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल होने के बाद मामले को गंभीरता से लेते हुए पूर्वांचल नव निर्माण मंच के नेता गिरीश पाण्डेय ने विडियो को जिलाधिकारी सोनभद्र को टैग करते हुए एक्स हैंडल पर लिखा लोकदल आपके द्वार अभियान के तहत् चतरा विकास खंड के चपइल ग्राम सभा में कोटे की दुकान आवंटन में पैसों की वसूली के लिए हीलाहवाली करते हुए जिम्मेदार अधिकारी द्वारा ग्रामिणों को परेशान करने का मामला सामने आया है। जो सरकार की जीरो टॉलरेंस की मंशा के अनुरूप नहीं है और जनहित में चिंता का विषय भी है। गिरीश पाण्डेय ने जिलाधिकारी सोनभद्र से तत्काल मामले को गंभीरता से लेते चपइल गांव में कोटे की दुकान बहाल कराने की मांग किया है।

स्वच्छ जल आपूर्ति के लिए लगा आरओ आज तक बंद सरकारी धन का सिर्फ बंदरबांट,सीएसआर मद से तापीय परियोजना द्वारा लगवाया गया था,विभाग मौन

सोनभद्र। जनपद सोनभद्र के ओबरा नगर पंचायत के वार्ड संख्या 3 गजराज नगर में ओबरा तापीय ब परियोजना द्वारा सीएसआर योजना के तहत कांशीराम आवास के पास स्थानीय आस-पास के लोगों व राहगीरों के सुविधा के मद्देनजर रखते हुए लाखो रुपए से आर0ओ प्लांट भवन निर्माण के साथ स्थापना किया गया जिससे कि आस पास के वार्ड के लोग राहगीर जनता को शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो सके परंतु आज तक यह आर0ओ प्लांट संचालित नहीं हो सका इस मामले के बाद से लोगों ने दबे मुंह कहा ओबरा तापीय परियोजना द्वारा केवल सरकारी धन का बंदरबाट किया जा रहा है जमीनी हकीकत की बात कहे तो आरओ सिर्फ मूर्त रूप में खड़ा है। स्वच्छ पेयजल योजना के तहत लगाया गया लाखों रुपए का आरओ प्लांट लगने के बाद से आज तक बंद हैं कभी संचालित नहीं हुआ। यह योजना सरकार की महत्वाकांक्षी परियोजनाओं में से एक हैं जिसका ओबरा तापीय परियोजना द्वारा पलिया लगाया जा रहा है।जनता को मीठा पानी पिलाने के नाम पर लाखों रुपए खर्च किए गए, लेकिन लोग आज भी आरओ का पानी नहीं पी पा रहे हैं। लापरवाही व देखरेख के अभाव में आरओ प्लांट बंद पड़ा हैं ऐसे में लोगों को शुद्ध पीने को नहीं मिल रहा है।लोगों को शुद्ध व मीठा पेयजल उपलब्ध कराने के दावे खोखले साबित हो रहे हैं। अगर इस जगह का आरओ अगर संचालन हो जाए तो आस पास के निवासियों व राहगीरों को काभी राहत मिलेगा।शुद्ध व मीठे पानी का इंतजार कर रहे स्थानीय परियोजना द्वारा आरओ प्लांट लगाना शुरू किया जब स्थानीय में खुशी छाई थी।

धरतीपुत्र मुलायम सिंह यादव की स्मृति में पौधरोपण कार्यक्रम संपन्न

सोनभद्र। घोरावल विधानसभा अंतर्गत ग्राम रघुनाथपुर में समाजवादी विचारक एवं पूर्व मुख्यमंत्री धरतीपुत्र नेताजी मुलायम सिंह यादव की पुण्य स्मृति में अनवरत पौधरोपण अभियान प्रगति पर हैं । इस कार्यक्रम में समाजवाद, राष्ट्रवाद और पर्यावरण चेतना को एक साथ जोड़ते हुए एक नई क्रांति की भावना को जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ रविवार को हुआ।मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल यादव। विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजवादी पार्टी केसामाजिक चिंतक जिला उपाध्यक्ष डॉ. लोकपति पटेल,कार्यक्रम संयोजक के रूप में विवेक सिंह पटेल (किसान का बेटा जमीनी नेता) तथा मुख्य आयोजनकर्ता समाजवादी छात्रसभा के जिला सचिव सुनील जायसवाल रहे। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ समाजवादी नेता दिनेश संदल द्वारा किया गया। पौधरोपण के पहले हुई गोष्ठी पर पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल यादव ने कहा कि 'नेताजी ने जिस समाजवादी विचारधारा का बीज बोया था, आज हम उसे सींचने का कार्य कर रहे हैं। यह पौधरोपण केवल पर्यावरण की रक्षा का माध्यम नहीं, बल्कि समाजवादी आंदोलन को जमीनी स्तर पर मजबूत करने का प्रयास है।' समाजवादी पार्टी के जिला उपाध्यक्ष डॉ. लोकपति पटेल जी ने अपने संबोधन में कहा- 'हर लगाया गया पौधा नेता की स्मृति का प्रतीक है। सोनभद्र की धरती को हम फिर से हरित बनाकर समाजवादी विचारों को और मजबूत करेंगे, इस कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण और सुरक्षित समाजवादी विचारधारा को घर-घर तक पहुंचाने के रूप में संकल्पित हैं हम सभी।'कार्यक्रम के संयोजक युवा नेता, किसान का बेटा जमीनी नेता विवेक सिंह पटेल ने जोशीले अंदाज़ में कहा-'जब ये पौधे बड़े होंगे, तो यह समाज को बताएंगे कि समाजवाद के सच्चे सिपाही किस तरह संघर्ष करते हैं। पौधरोपण कर हमारे विचारों का विस्तार होता है। हम हर बूथ पर नेताजी की स्मृति को जीवित रखेंगे।'खेल संघ अध्यक्ष सुनील राव व प्रबंधक संतोष कुमार सिंह ने सयुक्त रूप से कहा कि इस कार्यक्रम से जुड़कर अभियान को जनपद सोनभद्र के गांव-गांव तक पहुंचाया जाएगा और पौध रोपण नेता के पद चिन्ह को देखते हुए स्मृतियों में लगातार जारी रहेगा,छात्र सभा के जिला महासचिव पप्पू खान, मीडियाप्रभारी अवनीश चौबे व जिलसचिव सुनील जायसवाल ने संयुक्त रूप से कहा कि हम समाजवादी लोग छात्रा बहनों भाइयों से कहना चाहते हैं इस मुहिम से जुड़कर अपने घर-घर पेड़ लगाए वन्उसकी सेवा करें देख देख करें जिससे कि पेड़ है तो पर्यावरण सुरक्षित है लगातार कार्य जारी रखेंगे ।इस अभियान में क्षेत्र के सैकड़ों युवाओं, किसानों और समाजवादी साथियों – परमेश्वर पाल ग्राम प्रधान,सुबिन्द पाल,मोहम्मद खान, शिव शंकर सिंह,पुनीत कुमार ,दीपक भारती,सत्यनारायण,सूरज संदर,राम सजीवन, रामकेश,सिया राम पाल, मंजूर खान,कई कार्यकर्ताओं – ने भाग लिया और यह संकल्प लिया कि वे पर्यावरण की रक्षा के साथ-साथ समाजवादी विचारधारा को भी जन-जन तक पहुंचाएंगे।

परिवहन विभाग की लापरवाही रवैया से किसी दिन भी हो सकता है बड़ा हादसा-आशु, भारी वाहनों जैसे ट्रैकों/टीपर वाहनों के बढ़े डालो की हो जांच

सोनभद्र। घोरावल विधानसभा के न्याय पंचायत बढ़ौली के उरमौरा गांव में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के सदस्य आशुतोष कुमार दुबे (आशु) की अध्यक्षता में एक बैठक रखी गई जिसमें उपस्थित लोगों ने वाहनों के ओवरलोड/ हाई स्पीड के साथ नंबर प्लेट पर अपनी बातें रखी । इसमें पी0सी0सी0 आशु दुबे ने कहा कि पूर्व में भी यहां एआरटीओ रहे पी0एस0 राय को नंबर प्लेट एवं ओवरलोड को लेकर ज्ञापन दिया गया था लेकिन इस पर कोई भी बड़ी कार्यवाही नहीं हुई, स्थिति ऐसी है कि राबर्ट्सगंज नगर जो लोढ़ी से शुरू हो जाता है आप देखे तो ओवरलोड गाड़ियां / ट्रक मनमाने स्पीड से वाहनों को क्रॉस करते हुए चलती हैं जो कभी-कभी घटना को अंजाम भी दे देती हैं, इसके लिए एक स्पीड निर्धारण नगर के अंदर होना बहुत जरूरी है क्योंकि अगर देखा जाए तो करीब 1 किलोमीटर का फ्लाईओवर शुरू होने के दक्षिण दिशा में और वहीं करीब डेढ़ किलोमीटर का फ्लाईओवर खत्म होने के उत्तर दिशा में ज्यादातर नगर के लोगों का आवागमन रहता है इस पर स्पीड का निर्धारण होना चाहिए, साथ ही गाड़ियां ओवरलोड के साथ नंबर प्लेटों पर कभी एक नंबर मिटाकर कभी उसके ऊपर कोई चीज लटका कर कभी चेचिस के अंदर नंबर प्लेट लगाकर तमाम तरीके से नंबर को छुपाने का काम किया जाता है ।अगर कोई गाड़ी किसी को धक्का देकर जाए तो हादसे का शिकार व्यक्ति उस गाड़ी का नंबर भी नहीं देख सकता ।वही आशु दुबे नहीं अभी आरोप लगाया की अगर किसी गाड़ी की चेचिस गाड़ी के औषतान मानक से ज्यादा है तो उनका फिटनेस जो आरटीओ विभाग द्वारा पास होता है यह किसकी जिम्मेदारी है, यह भी संदेहात्मक है इस पर भी विभाग को कड़ी कार्रवाई करनी चाहिए ,ताकि बरसात के दिनों में ना सड़के खराब हो ना ही आम जनमानस घटना का शिकार हो ।अगर एक हफ्ते में इस पर कोई कार्यवाही संबंधित विभाग द्वारा नहीं की जाती तो हम इसके तहत विभाग पर प्रदर्शन करेंगे जिसकी जिम्मेदारी संबंधित विभाग की होगी । कार्यक्रम में उपस्थित कांग्रेस नेता मनोज मिश्रा ने कहा कि स्कूल के बच्चों के भी पढ़ने का समय रहता है वहां वाहन संतुलित स्पीड में नहीं चलेंगे तो घटना कभी भी हो सकती है, कांग्रेस नेता राहुल जैन ने कहा कि तमाम दुकानें नगर पालिका के अंदर बनी हुई है अगर ओवरलोड गाड़ियां इसी तरीके से चलेंगे तो दुकान का जो सामान आ रहा है या जो ग्राहक सामान लेकर जा रहा है वह भी क्षतिग्रस्त हो सकता है ,कांग्रेस नेता श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि गाड़ियों के चेचिस का निर्माण उसके क्षमता के अनुसार खुद निश्चित रहता है उसको बढ़कर बनाना सड़कों पर एवं उसके बैलेंस पावर को निश्चित रूप से खराब करेगा,एनएसयूआई के जिला अध्यक्ष अंशु गुप्ता ने कहा कि आए दिन देखने को मिलता है कि भारी वाहनों को चलने वाले जो ड्राइवर हैं वह भी कम उम्र के समझ में आते हैं उनके भी हैवी लाइसेंस का जांच करना बहुत जरूरी है। मुख्य रूप से उपस्थित रहने वालों में युवा कांग्रेस के जिला महासचिव दयाराम प्रजापति रावटसगंज विधानसभा उपाध्यक्ष मिथिलेश पासवान , एनसयूआई के जिला महासचिव रोहित भारती, गुलाब सिंह, विजय कुमार ,जितेंद्र वर्मा , शमशेर , नागेंद्र कुमार ,विनोद कुमार ,राधे श्याम, अनुराग त्रिपाठी रहे।

बच्चों के नाम हर घर लगाया जाएगा पेड़ःसंदीप मिश्रा, पेड़ हैं तो प्राण हैं, संयोजक ने गांव गांव शुरू की मुहिम

सोनभद्र। सदर विधानसभा 401 में पेड़ हैं तो प्राण हैं के संयोजक संदीप मिश्रा ने बताया कि विधानसभा के बूथ संख्या एक से लिया गया संकल्प कि 401 विधानसभा के हर बूथ पर पेड़ लगाकर लोगों को पेड़ हैं तो प्राण हैं के अभियान के तहत जागरुक किया जायेगा। इसी क्रम में रविवार को विधानसभा के बछौधा नईबजार बूथ पर पेड़ लगाया गया व यहाँ के नौजवानो ने हरेक पेड़ को संरक्षित करने का संकल्प लिया। संयोजक श्री मिश्रा ने बताया कि हर गांव पेड़ लगाने का मुहिम युवाओं के साथ शुरू कर दिया गया है पेड़ लगाने अथवा वातावरण को बचाने के लिए हर गांव हर घर पहुंच कर घर के बच्चों के नाम से एक पेड़ लगाया जाएगा उसका संरक्षण बच्चे व उनके परिजन करेंगे वहीं इस मुहिम से युवा पीढ़ी बढ़ चढ़ कर जुड़ रहे हैं। इस मौके पर आकाश चौहान सत्यम गुप्ता अभिषेक गुप्ता अरविन्द मोदनवाल रोहित सिंह विकास मौर्य विजय चौहान आकाश जायसवाल धीरज कनौजिया व विवेक जाटव केसाथ सैकड़ों नौजवान व ग्रामवासी उपस्थित रहे उपस्थित रहे।

दर्दनाक हादसा-आखेटपुर गांव में पेड़ से गिरकर किसान की मौत,कटी डगाली में लटका युवक

सोनभद्र। व्यौहारी थाना अंतर्गत आखेटपुर गांव में एक किसान के साथ हुआ दर्दनाक हादसा क्षेत्र में शोक का माहौल बना रहा। 24 वर्षीय रामभुवन कोल, जो कि अपने गांव के लिए एक समर्पित किसान थे, लकड़ी काटने के दौरान पेड़ से गिर गए। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, रामभुवन सराई के पेड़ पर चढ़कर डगाली काट रहे थे, तभी अचानक उनका पैर फिसल गया और वह पेड़ से गिरते हुए एक कटी हुई डगली में फंस गए। इस घटना के कारण लकड़ी उनके पेट में घुस गई जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई।पुलिस ने बताया कि रामभुवन एक दिन पहले लकड़ी काटने के लिए घर से महज 5 किलोमीटर दूर जंगल गए थे। शाम हो गई और रात गुजर गई , लेकिन लकड़ी काटने गया युवक घर नहीं लौटा तब परिजनों को चिंता हुई और सुबह परिजनों ने युवक की तलाश में जंगल निकल गए। परिजनों को पता था कि युवक किसी ओर गया है। तलाश के दौरान सुबह की धुंध में जब परिजनों ने जंगल की ओर कदम बढ़ाए, तो उन्हें एक पेड़ से 15 फीट ऊंचाई पर रामभुवन का शव कटी हुई डगली में लटका हुआ मिला। जिसे देख परिजनों का रो रो कर बुरा हाल हो गया। परिजनों के साथ युवक की तलाश में कुछ गांव के लोग भी मौजूद थे। जिसके बाद लोगो ने पुलिस को सूचना दी।मौके पर पहुंची पुलिस ने कुछ स्थानीय लोगों की मदद से रस्से के सहारे युवक का शव पेड़ से नीचे उतरवाया और कार्यवाही करते हुए पोस्टमार्टम के लिए शव अस्पताल लाया गया।व्यौहारी थाना प्रभारी अरुण पांडे ने कहा, हमने मामले पर मर्ग कायम कर लिया है और आगे की जांच की जा रही है।स्थानीय लोगों ने बताया कि रामभुवन किसानी के साथ लकड़ी काटने का काम करता था, वह हमेशा अपने कुछ साथियों के साथ पास के जंगल में लकड़ी काटने जाया करता था। लेकिन जब घटना घटी तब वह अकेला था, जिसकी वजह से घटना की जानकारी एक दिन बाद लग पाई है।

एन.एस.यू.आई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष किसानों को सही दामों पर तत्काल खाद उपलब्ध कराने की मांग का

सोनभद्र। एन एस यू आई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष एवं राष्ट्रीय सचिव राघवेंद्र नारायण ने जनपद के विभिन्न क्षेत्रो का दौरा व सम्पर्क कर लौटने के बाद पत्रकारों से बात चीत मे कहा कि योगी सरकार के कार्यकाल में पिछले 8 वर्षों से जब जब खरीफ और रवि की फसलों की बुवाई का समय आता है चाहे वह 'धान' का समय हो चाहे 'गेहूं' का, डाई और यूरिया सोसाइटी के गोदामों और प्राइवेट दुकानों पूरी मार्केट से गायब हो जाता है, सभी सचिवों का फोन नाट रीचेबल बताने लगता है। 'खाद' पिक पीरियड चल रहा है रोपाई का खेतों में यूरिया और डाई की इसी

समय सख्त जरूरत है अन्यथा फसलो की पैदावार आधी या उससे किसानों को खाद दे नहीं पा रहे हैं और श्री अन्न और मोटा अनाज उगाने की बात कर रहे हैं। सरकार को यह तय करना है की किसानों की आय दुगनी करनी है की दलालो और जमाखोरो और बिचौलिओ की । केवल भाषण लंबा-लंबा और काम कुछ नहीं, मौजूदा मोदी जी की केंद्र सरकार देश को और यहां की जनता को 18वीं शताब्दी में ले जाना चाहती है। भाजपा यूरिया डाई ब्लैक करा कर के किसानो की आय दुगना करना चाहती है। मौजूदा सरकार पूरी तरह से किसान विरोधी है और किसानो

समितियों के गोदामो और दुकानों की बजाय जमाखोरो के अड्डो पर डंप कर लिया जाता है रात में वहां से सप्लाई कर रसूखदारों और चहेतो तक पंहुचा , कर मुँह बंद करा दिया जाता है ; आम किसान डाई व यूरिया के लिए मारे मारे फिरते हैं या फिर 267 रुपए की यूरिया 400 में और 1350 रुपए की डाई 1600 से 1700 रुपए में ब्लैक मार्केटिंग के जरिए लेने के लिए मजबूर होना पड़ता है , यहां तक की यूरिया की बोरी लेने के लिए जबरदस्ती जिंक, सल्फर, अन्य अनावश्यक चीजे थोप दी जाती है किसानों को मजबूरी में उसे खरीदना पड़ता है तब जाकर कही उनको खाद की बोरी नसीब हो पाती है।गौरतलब हो धान की रोपाई 20 दिन से ऊपर हो गई है, इस समय भी कम, ही रह जाएगी इसी समय किसानो को खाद की सख्त जरुरत है लेकिन सोसाइटियों और प्राइवेट दुकानों दोनों से यूरिया और डाई पूरी तरह से गायब है और पूरे जिले के किसानों में इस बात को लेकर के जबरदस्त आक्रोश व गुस्सा है।यह मसला चुकी अन्नदाता किसानों का मसला है और किसान किसी के एजेंडे मे नहीं हैं, वह सभी के एजेंडे से बाहर हैं। किसान की याद सिर्फ वोट के समय सरकार को आती है उस समय देश का हर नेता किसान का बेटा बन जाता है और जब खाद बीज की जरूरत पड़ती है तब वह सरकार बन जाता है।राघवेंद्र नारायण ने केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि पूरे देश के हालात कमोबेश ऐसे ही हैं की आय दुगुनी करने का उसका दावा पूरी तरह से खोखला और बेबुनियाद है। इस तरह की नीतियों से इस जन्म में भाजपा किसानों की आय कभी भी दोगुना नहीं कर पाएगी। राघवेंद्र नारायण ने सूबे की योगी जी की सरकार को और कृषि मंत्री से ख़रीफ की फसल के मद्दे नज़र पुरे प्रदेश मे किसानों को खाद की आपूर्ति को लेकर तत्काल आवश्यक दिशा निर्देश जारी करने और कड़े कदम उठाने को कहा है। साथ ही साथ जिलाधिकारी सोनभद्र और जिला कृषि अधिकारी से इस बाबत तत्काल जमाखोरो के यहाँ छापेमारी कर उन्हें दण्डित करने और पुरे जिले के किसानों को सही दामों पर तत्काल खाद उपलब्ध कराने की मांग की है।

तीज महोत्सव में महिलाओं ने सावन के गीतो का जमकर उठाया लुफ्त,सखियों री तीज महोत्सव विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ

सोनभद्र। मारवाड़ी युवा मंच सोन महिला शाखा व श्री राणी सती दादी भक्त महिला मंदिर द्वारा राबर्ट्सगंज शहर के लोटस बैंक्वेट होटल में सखियों री तीज महोत्सव मनाया गया। इसमें महिलाओं ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया।आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि मुख्य विकास अधिकारी जागृति अवस्थी व विशिष्ट अतिथि जिला पंचायत राज अधिकारी नमिता शरण रही। कार्यक्रम की शुरुआत श्री राणी सती दादी के प्रतिमा पर दीप प्रज्जवलन कर किया। इस दौरान महिलाओं ने तीज के गीतों पर नृत्य किया। महिलाओं ने हरे रंग की साड़ी पहनकर सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति की और मल्हार भी गाए। सावन के गीत आयो सावन रंगीलों....सावन को आने दो.... जैसे फिल्मी व राजस्थानी गीतों पर नृत्य किया गया। इस अवसर पर महिलाओं और बच्चों के लिए मेहंदी लगाओ प्रतियोगिता के अलावा अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। सीडीओ जागृति अवस्थी ने कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए कहा कि हमारी संस्कृति में तीज उत्सव का बहुत बड़ा महत्व है। तीज का त्योहार हमारे सामाजिक, सांस्कृतिक, धार्मिक और ऐतिहासिक मूल्यों को प्रदर्शित करता है, वहीं दूसरी ओर इस त्योहार के माध्यम से अतीत के दर्शन भी होते हैं। तीज का उत्सव सावन मास में शुक्ल पक्ष की तृतीया को मनाया जाता है। अध्यक्ष अनीता थर्ड व रितु जालान ने कहा कि दोनों संगठन की ओर से तीजोत्सव मनाया गया। जिसमें तीज का उत्साह महिलाओं में देखते ही बन रहा था। इस खास पर्व पर संगठन की सभी महिलाओं ने रंग बिरंगी साड़ी पहनकर तीज का पर्व धूमधाम के साथ आयोजित किया। इस मौके पर पूनम खेतान, दीप्ति केड़िया, सुनीता सर्राफ, शीला जैन, रंजना अग्रवाल, अनीता कनोडिया, सुषमा शर्मा, चित्रा जालान, डॉ सुमन जायसवाल, प्रतिभा कानोड़िया, उमा जैन, रिंकी जालान, पूजा अग्रहरी, वंदना वर्मा , श्वेता केसरी आदि महिलाएं रही।

नीतीश रेड्डी मैनचेस्टर टेस्ट से पहले चोटिल:अंशुल कंबोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया; आकाश और अर्शदीप पहले से इंजर्ड

नयी दिल्ली। इंग्लैंड के खिलाफ मैनचेस्टर टेस्ट से पहले सिलेक्टर्स ने कंबोज को टीम में शामिल करने का फैसला किया है।' जीतकर सीरीज में 2-2 से बराबरी करना चाहेगी। टेस्ट सीरीज से

भारतीय टीम की परेशानियां बढ़ती नजर आ रही हैं। रविवार को बैटिंग ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी भी चोटिल हो गए हैं। उनके घुटने में चोट लगने की सूचना है। नीतीश से पहले तेज गेंदबाज आकाश दीप और अर्शदीप सिंह के चोटिल होने की खबरें आई थीं। इनके कवर के तौर पर दाएं हाथ के तेज गेंदबाज अंशुल कंबोज को भारतीय टीम में शामिल किया गया था। हालांकि, बीसीसीआई ने प्लेयर्स की इंजरी पर कुछ नहीं कहा है। फिलहाल, भारतीय टीम 5 मैचों की सीरीज में 1-2 से पिछड़ रही है। पांच मैचों की टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से ओल्ड ट्रैफर्ड में शुरू होगा। आकाश दीप की कमर में दर्द न्यूज एजेंसी पीटीआई ने एक रिपोर्ट में लिखा- 'आकाश दीप कमर में दर्द से जूझ रहे हैं। उनकी उपलब्धता पर संदेह है। वहीं, अर्शदीप के उपलब्ध होने की संभावना कम है। इसलिए अर्शदीप सिंह गुरुवार को चौथे टेस्ट के लिए प्रैक्टिस कर रहे थे। बॉलिंग के दौरान वे गेंद रोकने की कोशिश में खुद को इंजर्ड कर बैठे। टीम इंडिया के असिस्टेंट कोच टेन डोश्चेट ने बताया था कि बॉलिंग के दौरान अर्शदीप के हाथ में कट लग गया। ये कट कितना गहरा है, यह जांच के बाद ही पता चलेगा। अगर उन्हें हाथ में टांके लगाने की जरूरत पड़ी तो उनका प्रैक्टिस करना भी मुश्किल हो जाएगा।भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट सीरीज का चौथा मुकाबला 23 जुलाई से मैनचेस्टर के ओल्ड ट्रैफर्ड स्टेडियम में खेला जाएगा। दोनों टीमें रविवार को मैनचेस्टर पहुंच गईं। उससे पहले टीमें लंदन के बेकनहम में ही प्रैक्टिस कर रही थीं। लंदन के द लॉर्ड्स स्टेडियम में तीसरा टेस्ट खेला गया था। जिसे इंग्लैंड ने 22 रन से जीतकर सीरीज में 2-1 की बढ़त बना ली। भारत ने दूसरा टेस्ट जीता था। टीम इंडिया चौथा टेस्ट पहले इंग्लैंड लायंस के खिलाफ इंडिया-ए के लिए दो मैचों में शानदार प्रदर्शन के बाद 24 साल के कंबोज को टीम में शामिल किया गया है। उन्होंने नॉर्थेम्पटन और कैंटरबरी में चार पारियों में पांच विकेट लिए थे। पिछले साल लाहली में केरल के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मैच में एक पारी में सभी 10 विकेट लेने के बाद कंबोज सुर्खियों में आए थे। वह बंगाल के प्रेमांसु चटर्जी (1956-57) और राजस्थान के प्रदीप सोमसुंदरम (1985-86) के बाद रणजी ट्रॉफी में यह उपलब्धि हासिल करने वाले केवल तीसरे गेंदबाज हैं।भारतीय क्रिकेटरों के पाकिस्तान के साथ खेलने पर मना करने के बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स के आयोजकों ने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को रद्द कर दिया है। आयोजकों ने लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचने के लिए माफी मांगी है। यह मैच 20 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाना था।

बैडमिंटन एशिया जूनियर,भारत ने हांगकांग को हराकर ग्रुप डी में टॉप पर; आज जापान से भिड़ंत

नयी दिल्ली। भारत ने बैडमिंटन एशिया जूनियर

मिक्स्ड टीम चैंपियनशिप में हांगकांग को 110-100 से हराकर ग्रुप डी में टॉप स्थान हासिल किया है। अब सेमीफाइनल में भारत का मुकाबला जापान से होगा। रविवार को मुकाबले में रुजुला रामू ने हांगकांग के आइपी सुम याउ को 11-8 से हराकर भारत को विजयी शुरुआत दिलाई। इसके बाद दुनिया की छठे नंबर की जोड़ी भार्गव राम अरिगेला और विश्व तेज गोब्बुरू ने चेउंग साई शिंग और देंग ची फाई के खिलाफ जीत दर्ज कर भारत की बढ़त 22-13 कर दी।पांच मैचों के बाद दोनों टीमों के बीच 55-49 का अंतर रह गया, लेकिन जूनियर वर्ल्ड नंबर एक तन्वी शर्मा ने दूसरे गर्ल्स सिंगल्स में लियू होई किउ अन्ना को हराते हुए भारत को 66-54 से आगे कर दिया। इसके बाद अगले चार मैच कांटे के रहे, लेकिन भारत ने बढ़त बनाए रखी और आखिर में 110-100 से जीत दर्ज की।यह टूर्नामेंट 110 अंकों के रिले स्कोरिंग फॉर्मेट में खेला जा रहा है, जिसमें टीमें 10 मुकाबलों में 110 अंक हासिल करने होते हैं। भारत का इस टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन 2011 में रहा था, जब उसने कांस्य पदक जीता था। पिछले साल भारत मलेशिया से 2-3 से हारकर क्वार्टर फाइनल में बाहर हो गया था।इस टूर्नामेंट में 17 टीमें चार ग्रुप में बंटी हैं। तीन ग्रुप में तीन-तीन टीमें और एक ग्रुप में पांच टीमें हैं। प्रत्येक ग्रुप की शीर्ष दो टीमें क्वार्टर फाइनल में पहुंचती हैं। सेमीफाइनल में हारने वाली दोनों टीमों को ब्रॉन्ज मेडल दिया जाता है।

एक पैर पर कांवड़ ला रहा हरियाणा का बॉडी बिल्डर:बोन कैंसर से टांग कटी, मिस्टर वर्ल्ड सहित 100 से ज्यादा मेडल; 200 किलोमीटर लेटकर चलेंगे

सोनीपत। हरियाणा में सोनीपत के रहने वाले 24 साल के मोहित के जीवन के संघर्ष की कहानी प्रेरणा पिता, एक भाई और भाभी हैं।बोन कैंसर ने घेरा, पैर गंवाना पड़ा : मोहित की जिंदगी ने साल 2010 लिया। पहली ही चैंपियनशिप में मेडल मिला। यह मेडल लेकर जब घर पहुंचे तो परिवार वालों की आंखों

देने वाली है। बचपन में फौज में जाने का सपना देखा, लेकिन 15 साल पहले बोन कैंसर की वजह से एक टांग गंवानी पड़ी। इससे सेना में जाने का सपना टूटा तो हिम्मत हार बैठे। मगर, एक दिन यूट्यूब पर एक दिव्यांग बॉडी बिल्डर के हौसले ने उनकी सोच ही बदल दी। यहीं से शुरू हुआ जिंदगी का असली संघर्ष। टांग कटने के बाद डॉक्टरों ने कृत्रिम पैर लगा दिया था। मोहित ने सबसे पहले उसे ही खुद से दूर किया। फिर एक ही पैर पर खड़े होकर बॉडी बिल्डिंग, पावर लिफ्टिंग और मॉडलिंग की। मिस्टर हरियाणा, मिस्टर यूपी और मिस्टर वर्ल्ड जैसे खिताब झोली में डाले। विभिन्न चैंपियनशिप में 100 से ज्यादा मेडल उनके नाम चढ़े तो पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने उन्हें सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया, लेकिन अब तक उन्हें कोई सहायता नहीं मिली। मगर, इसके बाद भी मोहित ने न हार मानी, न ही थमे। 'जो रुकते नहीं, वही इतिहास बनाते हैं'... जैसी सोच रखने वाले मोहित अब पैरा ओलिंपिक की तैयारी कर रहे हैं। सावन माह चल रहा तो वे इस बार हरिद्वार से सोनीपत तक 200 किलोमीटर लंबी 'दंडवत कांवड़ यात्रा' भी कर रहे हैं, जिसमें वे प्रतिदिन लेटकर 2 किलोमीटर चलते हैं।सोनीपत के रहने वाले, मेडिकल की पढ़ाई की : मोहित हरियाणा के सोनीपत जिले के विशाल नगर गली नंबर-3 के रहने वाले हैं। उनकी उम्र 24 साल है। वे बचपन से ही फौज में भर्ती होने का सपना देख रहे थे। साल 2008 में जब वे दसवीं में थे, तभी उन्होंने आर्मी की तैयारी शुरू कर दी थी। कुश्ती और दौड़-भाग उनका रोज का अभ्यास था। 12वीं के बाद उन्होंने मेडिकल लैब टेक्नीशियन का डिप्लोमा किया और 2016 में एक अस्पताल में नौकरी भी की। उनके परिवार में माता-पिता, एक भाई और भाभी हैं।बोन कैंसर ने घेरा, पैर गंवाना पड़ा : मोहित की जिंदगी ने साल 2010 में उस वक्त करवट ली, जब उन्हें पहली बार बोन कैंसर हुआ। दिल्ली के अस्पताल में पैर में रॉड डाली गई, इलाज से कुछ समय के लिए बीमारी ठीक हो गई। लेकिन 5 साल बाद 2015 में फिर से उसी पैर में कैंसर लौट आया। पैर की हड्डी गल चुकी थी और अचानक एक झटके में जोड़ टूट गया। कोई और विकल्प न होने पर डॉक्टरों ने जांघ से नीचे पूरा पैर काट दिया।डॉक्टरों ने कृत्रिम टांग लगाई : दाहिनी टांग पूरी तरह कट जाने के कारण मोहित को काफी टाइम अस्पताल में ही गुजारना पड़ा। थोड़ा ठीक हुए तो एक टांग के सहारे चलने में दिक्कत आई। इसके बाद डॉक्टरों ने कृत्रिम टांग लगाने की सलाह दी, ताकि चलने फिरने में कोई दिक्कत न हो। इस सलाह को मानते हुए मोहित ने कृत्रिम टांग लगा ली। मोहित ने करीब 5 साल तक कृत्रिम पैर लगाया। मोहित बताते हैं कि ये पांच साल जिंदगी के सबसे ज्यादा कष्टदायी रहे। उन्होंने फौज में जाने का सपना देखा था, लेकिन टांग कटने की वजह से वह सपना पूरी तरह टूट गया। उनकी जिंदगी निराशा से भर गई थी।यूट्यूब से मिली प्रेरणा, लक्ष्य की ओर बढ़ाए कदम : मोहित आगे बताते हैं कि टांग कटने के बाद वे मानसिक रूप से भी टूट चुके थे। तब एक दिन यूट्यूब पर एक दिव्यांग बॉडी बिल्डर की वीडियो देखी, जिसने उनकी सोच ही बदल दी। उसी वक्त उन्होंने तय कर लिया कि वे भी बॉडी बिल्डर बनेंगे और खुद को साबित करेंगे। इसके बाद वे हर दिन 6 घंटे तक जिम करने लगे। बॉडी बिल्डिंग में कृत्रिम टांग बाधा बनी तो उसे भी छोड़ दिया और सिर्फ एक पैर के सहारे ही जिंदगी जीने का फैसला किया।मोहित बताते हैं कि करीब 9-10 साल पहले उन्होंने पहली बार बॉडी बिल्डिंग चैंपियनशिप में हिस्सा में आंसू आ गए। खुशी के ये आंसू देखने के बाद उनका हौसला इतना बढ़ा कि उन्होंने फिर कई चैंपियनशिप में हिस्सा लिया और मेडल व खिताब अपने नाम किए। पूरे परिवार ने हमेशा उनका साथ दिया।मोहित बताते हैं कि मिस्टर हरियाणा, मिस्टर यूपी और मिस्टर वर्ल्ड जैसे खिताब उनकी झोली में आ चुके थे। कई बड़े मंचों पर उन्हें शासन और प्रशासन के अलावा खेल की महान हस्तियों ने सम्मानित किया गया। एक कार्यक्रम में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने उन्हें सरकारी नौकरी देने का आश्वासन दिया था, लेकिन अब तक उन्हें कोई सहायता नहीं मिली।पैरा ओलिंपिक की तैयारी शुरू की-मोहित ने कहा कि अब वे पैरा ओलिंपिक की तैयारी कर रहे हैं और डिस्कस थ्रो (चक्का फेंक) में हाथ आजमा रहे हैं। इसके लिए वे कई महीनों से विशेष ट्रेनिंग ले रहे हैं। यदि पैरा ओलिंपिक में पदक जीत कर देश का नाम रोशन कर पाए तो यह उनके लिए और उनके परिवार के लिए बड़ी उपलब्धि होगी। बुलंद हौसले के साथ वह दिन रात ट्रेनिंग कर रहे हैं।मोहित ने बताया कि वे लगातार 7 वर्षों से कांवड़ यात्रा में भाग ले रहे हैं। 2024 में उन्होंने 61 लीटर गंगाजल लेकर एक पैर पर चलते हुए कांवड़ यात्रा की थी, जिसमें वे प्रतिदिन 8-10 किलोमीटर चलते थे। 2025 में वे हरिद्वार से सोनीपत तक दंडवत (लेटकर) कांवड़ यात्रा कर रहे हैं, जो लगभग 200 किलोमीटर की दूरी है।उन्होंने 12 मई को हरिद्वार से जल उठाया था। प्रतिदिन 2 किलोमीटर लेटकर चलना और साथ में चलती गाड़ी में मंदिर और अखंड ज्योत साथ रखना उनकी विशेष पहचान है। उनका उद्देश्य सिर्फ धार्मिक आस्था नहीं, बल्कि यह दिखाना भी है कि शरीर भले कमजोर हो, लेकिन हौसला बुलंद हो तो कोई भी बाधा बड़ी नहीं होती।

एशिया कप हॉकी- पाकिस्तान टीम भारत नहीं आएगी,सुरक्षा को लेकर चिंता जताई,भारत भी पाक में चैंपियंस ट्रॉफी खेलने नहीं गया था

नयी दिल्ली। पाकिस्तान हॉकी टीम भारत में होने वाले एशिया कप में भाग लेने के लिए नहीं हमारे खिलाड़ियों की सुरक्षा कैसे सुनिश्चित होगी और वे टूर्नामेंट पर कैसे ध्यान दे पाएंगे। हालांकि, (डब्ल्यूसीएल) के आयोजकों ने भारत और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच को रद्द कर दिया

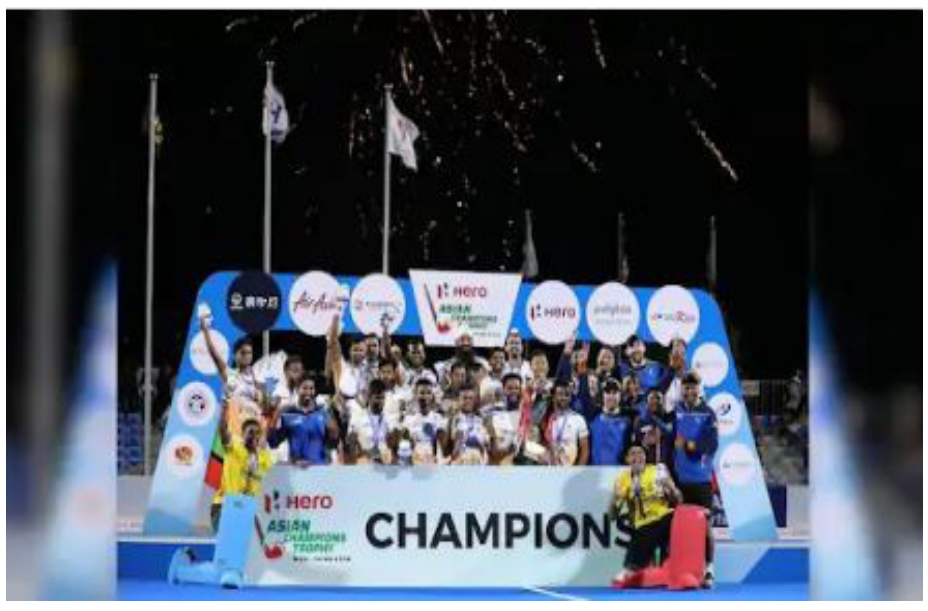

आएगी। पाकिस्तान हॉकी फेडरेशन (पीएचएफ) ने अंतरराष्ट्रीय हॉकी महासंघ (एफआईएच) को बताया कि भारत में मौजूदा हालात और सुरक्षा चिंताओं के कारण यह फैसला लिया है। हॉकी एशिया कप 27 अगस्त से होना है, जो 7 सितंबर तक बिहार के राजगीर स्टेडियम में खेला जाएगा। इससे पहले भारतीय क्रिकेट टीम इस साल फरवरी-मार्च में हुए चैंपियंस ट्रॉफी में पाकिस्तान खेलने के लिए नहीं गई थी। भारत ने अपने सभी मैच न्यूट्रल वेन्यू दुबई में खेले थे। पीएचएफ के अध्यक्ष तारिक बुगती ने बताया कि हमारे खिलाड़ी भी भारत में होने वाले एशिया कप में हिस्सा लेने के लिए उत्सुक नहीं हैं। यह टूर्नामेंट वर्ल्ड कप का क्वालिफिकेशन भी है। बुगती ने यह भी बताया कि एफआईएच और एएचएफ को यह तय करना है कि टूर्नामेंट और पाकिस्तान के मैचों को लेकर क्या करना है।पीएचएफ प्रमुख ने यह भी सवाल उठाया कि भारत में उनकी टीम की सुरक्षा की क्या गारंटी है। हमने उनसे पूछा है कि वे हमें यह बताएं कि पाकिस्तान सरकार ने इस मुद्दे पर अभी तक कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया है। हाल ही में एक वरिष्ठ सरकारी अधिकारी ने कहा था कि टीम भारत की यात्रा नहीं करेगी।भारतीय खेल मंत्रालय ने पाकिस्तान हॉकी टीम को भारत में एशिया कप खेलने की इजाजत दी थी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक खेल मंत्रालय ने कहा था कि हम किसी भी मल्टीनेशनल चैंपियनशिप में भारत में खेलने वाली किसी भी टीम के खिलाफ नहीं हैं। बाइलेटरल यानी द्विपक्षीय सीरीज का मामला अलग है।एशिया कप टूर्नामेंट 2011 में शुरू हुआ था। भारत ने यह टूर्नामेंट पांच, वहीं पाकिस्तान ने इसे तीन बार जीता है। साउथ कोरिया ने 2021 में ढाका में एक बार यह टाइटल अपने नाम किया था।इस साल अक्टूबर में भारत में होने वाले विमेंस वनडे वर्ल्ड कप में भाग लेने के लिए पाकिस्तान टीम नहीं आ रही है। पाकिस्तान के सभी मैच श्रीलंका में खेले जाएंगे।भारतीय क्रिकेटरों के पाकिस्तान के साथ खेलने पर मना करने के बाद वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेंड्स था। आयोजकों ने लोगों की भावनाओं को ठेस पहुंचने के लिए माफी भी मांगी थी। यह मैच 20 जुलाई को बर्मिंघम में खेला जाना था। भारतीय खिलाड़ी सुरेश रैना और शिखर धवन, हरभजन सिंह, इरफान पठान और यूसुफ पठान ने इस मैच में खेलने से मना कर दिया था।भारतीय वॉलीबॉल टीम के मध्य एशियाई वॉलीबॉल टूर्नामेंट से वापस लेने के बाद टूर्नामेंट को पाकिस्तान से उज्बेकिस्तान में शिफ्ट कर दिया गया था। यह पाकिस्तान के इस्लामाबाद में होना था। इसे ताशकंद शिफ्ट कर दिया गया था। दरअसल मध्य एशियाई वॉलीबॉल टूर्नामेंट का आयोजन इस साल मई में पाकिस्तान में होना था लेकिन पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत ने इस टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया था, क्योंकि उन्होंने पाकिस्तान का दौरा करने से इनकार कर दिया है। जिसके बाद मध्य एशिया वॉलीबॉल संघ (सीएवीए) ने इस टूर्नामेंट को उज्बेकिस्तान में ट्रांसफर कर दिया था

फारुख इंजीनियर, क्लाइव लॉयड के नाम ओल्डट्रैफर्ड में स्टैंड होंगे,भारत-इंग्लैंड चौथे टेस्ट में सम्मान मिलेगा,लंकाशायर के लिए फारुख 175 मैच खेलें

नयी दिल्ली। भारत के पूर्व

विकेटकीपर फारुख इंजीनियर और वेस्टइंडीज के दिग्गज कप्तान क्लाइव लॉयड के नाम पर अब इंग्लैंड के ऐतिहासिक ओल्ड ट्रैफर्ड मैदान में स्टैंड होंगे। यह सम्मान उन्हें उनकी पूर्व काउंटी टीम लंकाशायर द्वारा दिया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, यह स्टैंड-नामकरण समारोह भारत और इंग्लैंड के बीच 23 जुलाई से शुरू हो रहे चौथे टेस्ट के पहले दिन आयोजित हो सकता है। इंग्लैंड पांच मैचों की सीरीज में फिलहाल 2-1 से आगे है। इंग्लैंड क्रिकेट के एक अधिकारी ने कहा, यह दोनों दिग्गजों के लिए एक उपयुक्त और सम्मानजनक पहल है। लंकाशायर के लिए फारुख ने 175 मैच खेलें फारुख इंजीनियर ने 1968 से 1976 के बीच लंकाशायर के लिए 175 मैच खेले, जिसमें उन्होंने 5942 रन, 429 कैच और 35 स्टंपिंग कीं। उनके आने से पहले लंकाशायर ने 15 सालों में कोई बड़ा खिताब नहीं जीता था, लेकिन उनकी मौजूदगी में टीम ने 1970 से 1975 के बीच गिलेट कप चार बार जीता।दो बार के वर्ल्ड कप विजेता कप्तान क्लाइव लॉयड ने लंकाशायर के साथ करीब दो दशक बिताए और टीम के खेल में क्रांतिकारी बदलाव लाए। वे 1970 के दशक में एक विदेशी खिलाड़ी के रूप में क्लब में शामिल हुए थे।

टी20-वर्ल्डकप क्वालिफायर से पहले नेपाल टीम भारत में प्रैक्टिस करेगी,बीसीसीआई सेंटर में कैंप लगेगा; ओमान में 8 अक्टूबर से क्वालिफायर

नयी दिल्ली। टी20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर 2025 से पहले नेपाल एक्सीलेंस में ट्रेनिंग का मौका दिया था। इसके साथ ही नेपाल

की टीम भारत में अभ्यास करेगी। नेपाली टीम 20 अगस्त से 4 सितंबर तक बेंगलुरु स्थित बीसीसीआई के सेंटर ऑफ एक्सीलेंस में प्रैक्टिस सेशन में भाग लेगी। यह पहल भारत सरकार के सहयोग से की जा रही है, जिसका उद्देश्य भारत और नेपाल के युवाओं को क्रिकेट के माध्यम से जोड़ना है।टी20 वर्ल्ड कप क्वालिफायर 8 से 17 अक्टूबर के बीच ओमान में खेले जाएंगे। मुख्य टूर्नामेंट भारत और श्रीलंका में आयोजित होगा।भारत ने इससे पहले भी पिछले साल अगस्त में नेपाल की टीम को सेंटर ऑफ ने बड़ोदरा और गुजरात क्रिकेट संघों की टीमों के खिलाफ एक त्रिकोणीय अभ्यास टूर्नामेंट भी खेला था, जो पिछले साल जून में हुआ था।न्यूज एजेंसी से एक सरकारी अधिकारी ने कहा, क्रिकेट सहयोग ने भारत और नेपाल के बीच ऐतिहासिक और गहरे संबंधों को नई ऊर्जा दी है। क्रिकेट दोनों देशों के युवाओं को जोड़ने का एक साझा माध्यम बन गया है।भारत के विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जनवरी 2024 में नेपाल की पुरुष टीम और क्रिकेट एसोसिएशन ऑफ नेपाल के प्रतिनिधियों से मुलाकात कर, नेपाल में क्रिकेट के विकास के लिए भारत का समर्थन जताया था।भारत सरकार ने मार्च 2024 में नेपाल में आयोजित नेपाल और दिल्ली जिला क्रिकेट संघ की अंडर-19 टीमों के बीच अभ्यास मैचों का भी समर्थन किया था।नेपाल की महिला क्रिकेट टीम ने एशिया कप क्वालिफायर (थाईलैंड, मई 2024) की तैयारी के लिए अप्रैल-मई 2024 में दिल्ली में ट्रेनिंग कैंप में हिस्सा लिया था और क्वालिफायर के फाइनल तक पहुंची थी। जुलाई 2025 में, भारतीय दूतावास (काठमांडू) ने नेपाल के 3 अंडर-19 खिलाड़ियों को भोपाल में एक महीने की ट्रेनिंग दिलवाने में मदद की।

करुण नायर की कर्नाटक टीम में वापसी,पिछले दो डोमेस्टिक सीजन विदर्भ से खेले थे; वासुकी कौशिक गोवा से खेलेंगे

नयी दिल्ली। भारतीय बल्लेबाज करुण नायर की अगले डोमेस्टिक सीजन के लिए कर्नाटक टीम में वापसी हो गई है। क्रिकबज के अनुसार, उन्होंने निजी कारणों से अपने होम स्टेट लौटने का फैसला किया है। नायर ने पिछले दो सीजन विदर्भ की ओर से खेले थे। वहीं, कर्नाटक के 32 साल के दाएं हाथ के मीडियम पेसर वासुकी कौशिक अगले सीजन के लिए गोवा चले गए हैं। कौशिक को कर्नाटक राज्य क्रिकेट संघ से एनओसी मिल गई है। नायर टेस्ट में तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय बल्लेबाज करुण नायर टेस्ट में वीरेंद्र सहवाग के बाद तिहरा शतक लगाने वाले दूसरे भारतीय हैं।

टेस्ट क्रिकेट में दो-डिवीजन सिस्टम की संभावना,आईसीसी एनुअल मीटिंग में 8 सदस्यीय टीम बनी; चैंपियंस लीग टी-20 की अगले साल वापसी हो सकती है

नयी दिल्ली। टेस्ट क्रिकेट में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्लूटीसी) 2027 से 2-टियर सिस्टम लागू हो सकता है। इसके लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने सोमवार को एनुअल जनरल मीटिंग (एजीएम) में 8 सदस्यीय टीम बनाई हैं। इस समिति की अध्यक्षता आईसीसी के नए सीईओ संजोग गुप्ता कर रहे हैं। टेस्ट टियर सिस्टम में मौजूदा 9 टीमों की जगह 6-6 टीमों की दो डिवीजन बनाई जाएंगी। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड और क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया पहले से इस फॉर्मेट के समर्थन में रहे हैं और चाहते हैं कि ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और भारत आपस में हर तीन साल में दो बार भिड़ें, जो मौजूदा चार साल में दो बार की तुलना में अधिक है। 2009 से 2014 के बीच खेले जाने वाली चैंपियंस लीग टी-20 अगले साल से दोबारा शुरू हो सकती हैं।पिछले साल ऑस्ट्रेलिया और भारत के बीच खेली गई 5 मैचों की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में भारी भीड़ देखने को मिली। फैंस के अलावा, ब्रॉडकास्टिंग और लाइव स्ट्रीमिंग पर भी बड़ी संख्या में फैंस इस सीरीज से जुड़े। बिजिटि ऑस्ट्रेलिया में अब तक की चौथी सर्वाधिक देखी गई सीरीज है। इस सीरीज के 8 लाख से ज्यादा मुकाबले फैंस ने मैदान पर आकर देखे हैं।करीब 10 साल बाद चैंपियंस लीग टी20 (सीएलटी20) टूर्नामेंट एक बार फिर लौट सकता है। आईसीसी इस अंतरराष्ट्रीय क्लब आधारित टी20 प्रतियोगिता को फिर से शुरू करने पर गंभीरता से विचार कर रहा है। भारत, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड के क्रिकेट बोर्डों ने इस विषय में चर्चा की है और एजीएम में कई अहम सदस्य देशों से इस प्रस्ताव को समर्थन भी मिला है। पिछली बार यह टूर्नामेंट 2014 में भारत में हुआ था, जहां चेन्नई सुपर किंग्स ने फाइनल में कोलकाता नाइट राइडर्स को हराकर खिताब जीता था।2009 से 2014 के बीच सीएलटी20 के 6 सीजन आयोजित हुए थे। चार भारत में और दो दक्षिण अफ्रीका में। चेन्नई सुपर किंग्स और मुंबई इंडियंस ने यह टूर्नामेंट दो-दो बार, जबकि ऑस्ट्रेलिया की न्यू साउथ वेल्स और सिडनी सिक्सर्स ने एक-एक बार जीता था।इससे पहले रविवार को आईसीसी ने इंग्लैंड को वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के अगले 3 फाइनल की मेजबानी दे दी। इंग्लैंड 2027, 2029 और 2031 में होने वाले डब्लूटीसी फाइनल की मेजबानी करेगा। इंग्लिश बोर्ड को यह मेजबानी पिछले 3 सफल आयोजन को देखते हुए दी गई।फ्रांस क्रिकेट एसोसिएशन के गुरुमूर्ति पलानी, हॉन्ग कॉन्ग के अनुराग भटनागर और कनाडा के गुरदीप क्लैयर को आईसीसी चीफ एग्जीक्यूटिव कमेटी (सीईसी) के एसोसिएट मेंबर्स देशों का प्रतिनिधि बनाया गया। टीमोर लेस्ट और जाम्बिया देशों को आईसीसी ने एसोसिएट मेंबर्स का हिस्सा बना लिया। अब आईसीसी में 110 रजिस्टर्ड देश हो गए। आईसीसी ने अफगानी मूल की महिला क्रिकेटरों को सपोर्ट करने के लिए बीसीसीआई,ईसीबी और सीए के साथ मिलकर प्रोग्राम शुरू किया है। जो डिप्टी चेयर इमरान ख्वाजा की देखरेख में चलेगा।

कोडिंग' की दाल में 'केयरिंग' का तड़का नौकरी की सही रेसिपी है

वह पोस्ट ग्रेजुएट है। उसने कई इंटर्नशिप भी की। फिर एक राजनेता के ऑफिस में काम किया, जहां वो उनके मतदाताओं से मिलती। वो स्मार्ट है। संचार में और वहां आने वाले लोगों को संभालने में कुशल है। चूंकि वो आम महिला-पुरुषों को अधिकारीगण आदि से मिलाने में मदद करती थीं, जिनके निर्णयों से जनता को लाभ होता है। ऐसे में उसने किसी व्यक्ति की समस्या को समाधान प्रदाता से मिलाने की कुशलता विकसित कर ली। लेकिन उसकी एक ही समस्या थी। राजनेताओं के कामकाज का कोई समय नहीं होता। रोजाना लंबे समय तक काम करने से उसके बच्चे पर असर पड़ रहा था। इसीलिए उसने नौकरी बदलने का निर्णय किया। पिछली जनवरी में उसने एक बड़े अस्पताल में काम करने वाले मेरे एक परिचित से संपर्क किया, ताकि वह वहां नौकरी के लिए उनकी सिफारिश कर सके। और उसे नौकरी मिल गई।जाहिर तौर पर वह इसलिए चुनी गई, क्योंकि उसमें शिकायत करने वाले मरीजों को संभालने की क्षमता थी और जॉइन करने के पहले दिन से ही वह उन्हें शांत रखने लग गईं। 6 महीने का प्रोबेशन पूरे करने से पहले, महज एक महीने में ही उसने स्थायी नौकरी की मांग कर दी। और उसे वह भी मिल गई। उसका ख्याल मुझे तब आया जब मैं इस हफ्ते जारी पीरियोडिक लेबर फोर्स सर्वे के डेटा पढ़ रहा था।इसमें बताया गया कि 15 से 29 साल के

शहरी युवाओं में बेरोजगारी दर एक महीने में एक प्रतिशत बढ़ गई है। जून में ये 18.8फीसदी हो गई। कहीं ना कहीं यह दो बातों की ओर संकेत करती है। 1. अकेली शिक्षा अब रोजगार-स्थायित्व की गारंटी नहीं। 2. नियोक्ता चाहते हैं कि आप जॉइन करने के पहले दिन से ही रिजल्ट देने लगें। मुंबई में कुशल व शिक्षित युवाओं की एक पीढ़ी अभी भी बेरोजगार है।जी हां, ये वही शहर है, जहां गर्व से कहते थे कि 'मुंबई में कोई भूखा नहीं सोता।' लेकिन आज यह बात सच नहीं है। मुम्बई ऐसा अकेला शहर नहीं है। अमेरिका से लेकर यूके तक दुनियाभर में कॉलेज ग्रेजुएट्स और पोस्ट ग्रेजुएट युवाओं के बीच बेरोजगारी दर में उल्लेखनीय बढ़ोतरी हुई है।अमेरिका के भी ऐसे मासिक बेरोजगारी डेटा की पड़ताल करें तो पता चलता है कि अमेरिकी पुरुषों में भी बेरोजगारी तेजी से बढ़ी है। यह पांच प्रतिशत से कम थी, जो अब 7फीसदी से अधिक हो गई है। जबकि महिलाओं में बेरोजगारी घटी है। इस दावे का समर्थन करने वाले एक डेटा से पता चलता है कि पिछले एक वर्ष में युवा महिला ग्रेजुएट्स द्वारा भरी गई 1.35 लाख नौकरियों में से 50 हजार नौकरियां अमेरिका के हेल्थ केयर सेक्टर में थीं।स्पष्ट रूप से इसका कारण उम्रदराज आबादी की बढ़ती मांग के साथ ऑटोमेशन, घरों में एआई संचालित उपकरणों का प्रवेश और रोजमर्रा की चिकित्सा जरूरतें हैं। ये सब बताता है कि एआई मौजूदा व्यवस्था में महत्वपूर्ण परिवर्तनकारी कारक है।इसका जवाब सही भी है और गलत भी। सही इसलिए, क्योंकि यह उतनी नौकरियां पैदा नहीं कर रहा, जितनी पुरानी नौकरियां खत्म कर रहा है। गलत इसलिए, क्योंकि एंट्री लेवल सॉफ्टवेयर डेवलपर्स के पदों पर भर्तियों में फिर उछाल देखा जा रहा है। इसलिए तकरीबन 30 वर्ष की उम्र के लोग, जो कम से कम 60 हजार रु. प्रतिमाह वाली नौकरी खोज रहे हैं, उन्हें उस स्थान की जनसांख्यिकी भी पढ़नी चाहिए, जहां नौकरी ढूंढ रहे हैं। और उन्हें कोडिंग से 'केयरिंग' की ओर रुख करना चाहिए। मुंबईकरों में नया नारा है, 'कोडिंग सीखने के साथ-साथ केयरिंग भी सीखो।' ऐसा इसलिए क्योंकि एक शहर के तौर पर मुंबई भी बूढ़ा हो रहा है। और उस आबादी को देखभाल चाहिए। यही कारण है कि शुरुआत में जिस लड़की का जिक्र मैंने किया, उसे हेल्थ सेक्टर में जल्दी नौकरी मिल गई। और वह पहले दिन से ही अपने नियोक्ता के लिए समस्याओं का समाधान करने वाली बन गई।फंडा यह है कि जैसे पैसा कंपनी के प्रदर्शन के पीछे भागता है, मेरा मतलब निवेशक निवेश से पहले कंपनी की परफॉर्मेंस देखते हैं, वैसे ही आपका प्रदर्शन करियर को आगे बढ़ाता है। हेल्थकेयर जैसा क्षेत्र चुनें, जो अभी फल-फूल रहा है। और यदि कोडिंग में 'केयरिंग' का तड़का लगा सकते हैं तो फिर देखिए कैसे आपकी 'रेसिपी' जायकेदार बन जाएगी। मेरा मतलब है आपकी सैलरी! (एन. रघुरामन)

दूध के पैकेट जैसी छोटी-सी चीज पर भी गौर करने का समय आ गया है

पिछले करीब एक माह से सुबह की कॉफी बनाना मेरी जिम्मेदारी थी, क्योंकि मोतियाबिंद

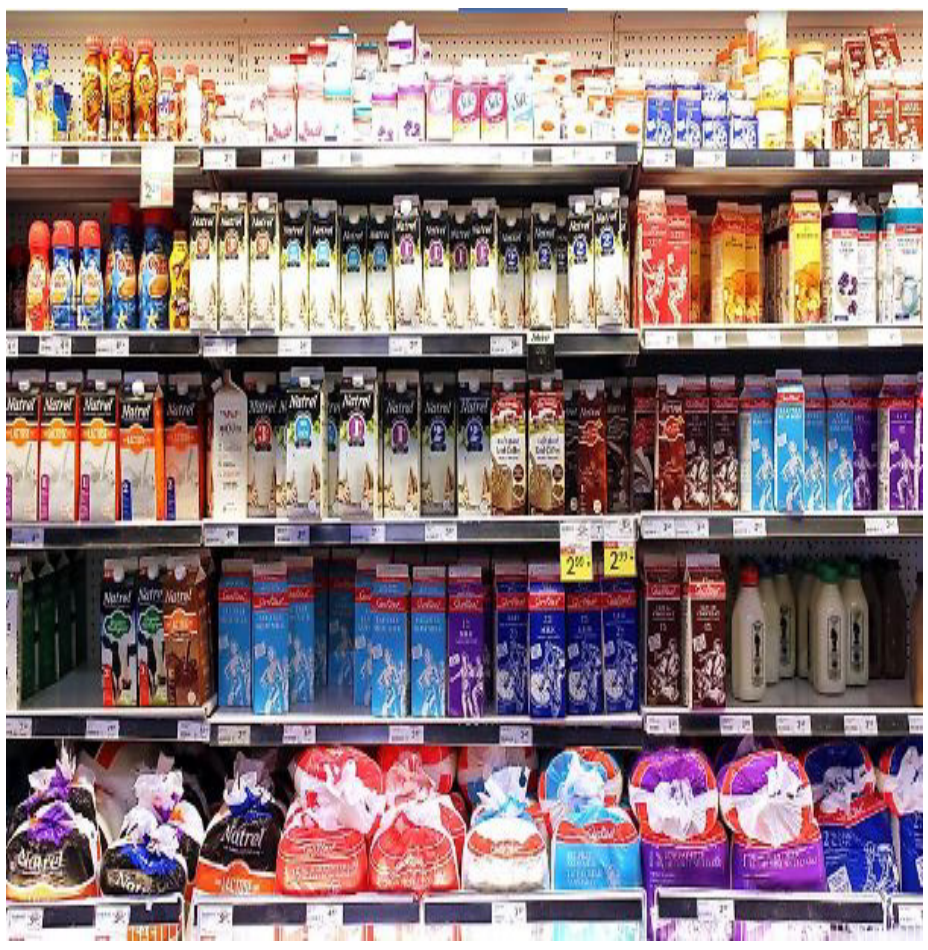

की सर्जरी के बाद पत्नी का किचन स्टोव के पास आना मना था। लेकिन बीते इस समय में वह कभी भी यह पूछना नहीं भूलीं कि 'क्या आपने दूध की थैलियों को उनकी तय जगह पर रख दिया है?' यह प्लास्टिक को इकट्ठा करने का अलग बैग है, जो एसी यूनिट के पीछे रखा रहता है।रिसाइकल कचरा इकट्ठा करने वाले को यह हम देते हैं, जो कि कॉलोनी में महीने में एक बार आता है। मैं 'हां' कहता हूं और उन्हें कॉफी का कप देता हूं। एक महीने में मैंने देखा कि धीरे-धीरे इस प्लास्टिक की थैली की ऊंचाई बढ़ने लगी और अंततः ये एसी यूनिट के पार निकल गई। और तब मुझे एहसास हुआ कि किसी एक घर से कितना अधिक प्लास्टिक निकल सकता है। इसमें सर्वाधिक दूध की थैलियां थीं। इसी ने मुझे दूध की थै?लियों को लेकर कुछ तथ्य खोजने के लिए बाध्य किया। दूध की जिन ?थैलियों को हम इस्तेमाल के बाद फेंक देते हैं, वे प्लास्टिक की होती हैं और मिट्टी में नष्ट होने में बहुत वक्त लेती हैं। ये समय 20 से 500 वर्षों तक हो सकता है। प्लास्टिक ऐसा पदार्थ है, जिसका प्राकृतिक तरीके से क्षरण नहीं होता। ना ही ये जैविक पदार्थों की भांति अपघटित होता है। बल्कि यह सूर्य के प्रकाश के संपर्क में आने पर माइक्रोप्लास्टिक में बंट जाता है। पर पूरी तरह गायब नहीं होता। अगर न्यूनतम आंकड़ों का अनुमान लगाएं, तो भी भारत में प्रति दिन ऐसी 20 करोड़ दूध के पैकेट की खपत होती है। 1946 में शुरू हुआ अमूल बड़े दुग्ध उत्पादक के नाते बड़ी संख्या में दूध की थैलियों का उपयोग करता है। सटीक आंकड़े भिन्न हैं, पर रिपोर्ट बताती हैं कि अमूल प्रतिदिन प्लास्टिक से बनी 2.6 करोड़ दूध की थैलियां बेचता है। मतलब, साल भर में करीब 949 करोड़ थैलियां। इसके अलावा कंपनी दही, छाछ जैसे अन्य दुग्ध उत्पाद भी प्लास्टिक की थैलियों में बेचती है, जिससे रोजाना काफी प्लास्टिक कचरा पैदा होता है। वर्ष 2020 में पंजाब विधानसभा में बताया गया कि पंजाब राज्य सहकारी दुग्ध उत्पादक संघ द्वारा 1973 में शुरू किए गए 'मिल्कफैड' ने 2018-19 में दूध और अन्य डेयरी उत्पादों की पैकेजिंग में 80 करोड़ प्लास्टिक थैलियां काम में लीं। आज हम 2025 में हैं और अभी दूध की खपत करने वाले युवाओं के लिहाज से बड़ी आबादी वाले उत्तरप्रदेश, बिहार, मध्यप्रदेश, राजस्थान, ओडिशा और झारखंड जैसे राज्यों के संघों की बात तो की ही नहीं है। मुझे सोमवार को यह सब याद आया, जब मैंने जाना कि कैसे बेंगलुरु में नंदिनी मिल्क सप्लाई करने वाला कर्नाटक मिल्क फेडरेशन (केएमएफ) अपने लोकप्रिय ब्रांड के लिए इको-फ्रेंडली पैकेजिंग शुरू करने जा रहा है। पायलट प्रोजेक्ट के तहत, वे रोजाना प्राकृतिक रूप से अपघटित हो सकने वाली 2 लाख ?थैलियों के उपयोग से बायोडिग्रेडेबल पैकेजिंग की ओर बढ़ रहे हैं। वे रोज लगभग 50 लाख लीटर दूध, 16 लाख लीटर दही बेच रहे हैं। नष्ट होने में कई सौ वर्ष लेने वाली पारंपरिक पॉलिथीन थैलियों के विपरीत ये इको फ्रेंडली विकल्प 90 दिन के भीतर प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाते हैं।यहां तक कि इनको रासायनिक उर्वरक में भी बदला जा सकता है। केएमएफ की एक अन्य शाखा बेंगलोर मिल्क यूनियन लिमिटेड (बामूल) द्वारा हाल ही लॉन्च पायलट प्रोग्राम की सफलता के बाद अब ये नई पहल इसी वीकेंड शुरू होगी। ये परीक्षण उनके एक डेयरी फार्म में शुरू किया गया। वर्तमान में इसे चुनिंदा क्षेत्र में लागू किया जा रहा है, जिसमें इसे सकारात्मक प्रतिक्रिया, रिसाव की शिकायत नहीं होने और दूध की गुणवत्ता से समझौता नहीं होने के पैमानों पर परखा जा चुका है। चूंकि ग्राहक संतुष्टि बेहतर थी, इसलिए वे नए इलाकों को कवर कर रहे हैं। जाहिर है कि जल्द ही राज्यभर में इसे शुरू किया जा सकता है। फंडा यह है कि समय आ गया है, प्लास्टिक की थैलियों में दूध ले रहे हम भारतीयों को उस मिट्टी और समुद्र को बचाने के लिए कोई री-साइक्लिंग योजना अपनानी पड़ेगी, जो हम हमारी पीढ़ियों के लिए छोड़कर जा रहे हैं। अपनी पसंद का कोई भी तरीका अपनाएं, जब तक कि हमारे शहर बायोडिग्रेडेबल थैलियों पर ना आ जाएं, पर कृपया इन्हें कचरे में ना फेंकें। (एन. रघुरामन)

संभावनाएं टटोली जा रही हैं एक युवा नेतृत्व के लिए

एक वरिष्ठ कांग्रेस नेता ने एक बार अफसोस भरे स्वर में कहा था कि हम कांग्रेस वाले अपनी गुटबाजी सार्वजनिक रूप से जाहिर कर देते हैं, जबकि भाजपा ऐसा बंद दरवाजे के पीछे करती है। केरल में शशि थरूर के बगावती सुर हों या कर्नाटक में सिद्धारमैया बनाम डीके शिवकुमार का अनवरत पॉवर-ड्रामा- सार्वजनिक आरोप-प्रत्यारोपों के जरिए खुद पर ही निशाना साध बैठने की कांग्रेस की प्रवृत्ति के ये नवीनतम उदाहरण हैं। इसके विपरीत, भाजपा के भीतर जो सत्ता-संघर्ष हैं, उन पर शायद ही कभी ध्यान जाता है, क्योंकि यह सब गोपनीयता के आवरण में होता है। यही कारण है कि संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत की हालिया टिप्पणी ने सबको चौंकाया। उन्होंने सार्वजनिक जीवन में काम करने वालों को 75 की उम्र में 'सेवानिवृत्त' होने की सलाह दी थी। तब विपक्ष ने भी संघ प्रमुख की इस टिप्पणी को तुरंत भुनाने की कोशिश की और दावा किया कि भगवा-बिरादरी के मुखिया भाजपा में एक 'उत्तराधिकार योजना' को तुरंत लागू करना चाहते हैं। 'मोदी के बाद कौन?'- यह टीवी स्टूडियो के लिए भले ही चर्चा का आकर्षक विषय हो, लेकिन हकीकत यही है कि मोदी कहीं नहीं जा रहे हैं। वे पीछे हटने वालों में से नहीं हैं, रिटायरमेंट की तो बात ही रहने दीजिए। संघ प्रमुख आमतौर पर शब्दों को तौलकर बोलते हैं। संघ का एक वर्ग भाजपा में पीढ़ीगत बदलाव का इच्छुक है, यह बात सत्ता के गलियारों में कुछ समय से चल रही है। यह भी याद रखें कि संघ व्यक्तिवादी राजनीति के प्रति असहज रहता है। गत सितंबर में भी भागवत ने कहा था कि कर्म से हर कोई व्यक्ति पूजनीय बन सकता है, लेकिन हम स्वयं उस स्तर तक पहुंचे हैं या नहीं, यह हम नहीं दूसरे ही तय करेंगे। और इस सबके बावजूद, संघ जानता है कि देश में अपना राजनीतिक और वैचारिक आधिपत्य बनाए रखने के लिए फिलहाल तो मोदी ही उसके लिए सबसे बेहतर विकल्प हैं। जैसा कि सीएसडीएस 2024 के चुनाव-उपरांत सर्वेक्षण से पता चलता है, मोदी की लोकप्रियता अभी भी भाजपा से काफी ऊपर है। भाजपा के हर चार में से एक मतदाता ने कहा था कि उन्होंने केवल प्रधानमंत्री के नेतृत्व के कारण ही पार्टी को वोट दिया था। 'मोदी फैक्टर' को हटा दें तो भाजपा राजनीतिक रूप से कमजोर दिखने लगती है। आज मोदी ही ब्रांड-हिंदुत्व के राजनीतिक शुभंकर और स्टार हैं। अयोध्या में राम मंदिर से लेकर जम्मू-कश्मीर में अनुच्छेद 370 के उन्मूलन और अब भाजपा-शासित राज्यों में समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों तक, मोदी सरकार ने संघ के तमाम मूल एजेंडों के प्रभावी क्रियान्वयन को सुनिश्चित किया है। (ये लेखक के अपने विचार हैं- राजदीप सरदेसाई)

सुंदरता हर तरफ है, इसलिए क्यों ना आज अपना 'बिन' निकालकर चलें

'अरे, यह तो ग्रे हेरॉन है, इसे जख्मी देखकर बहुत बुरा लग रहा

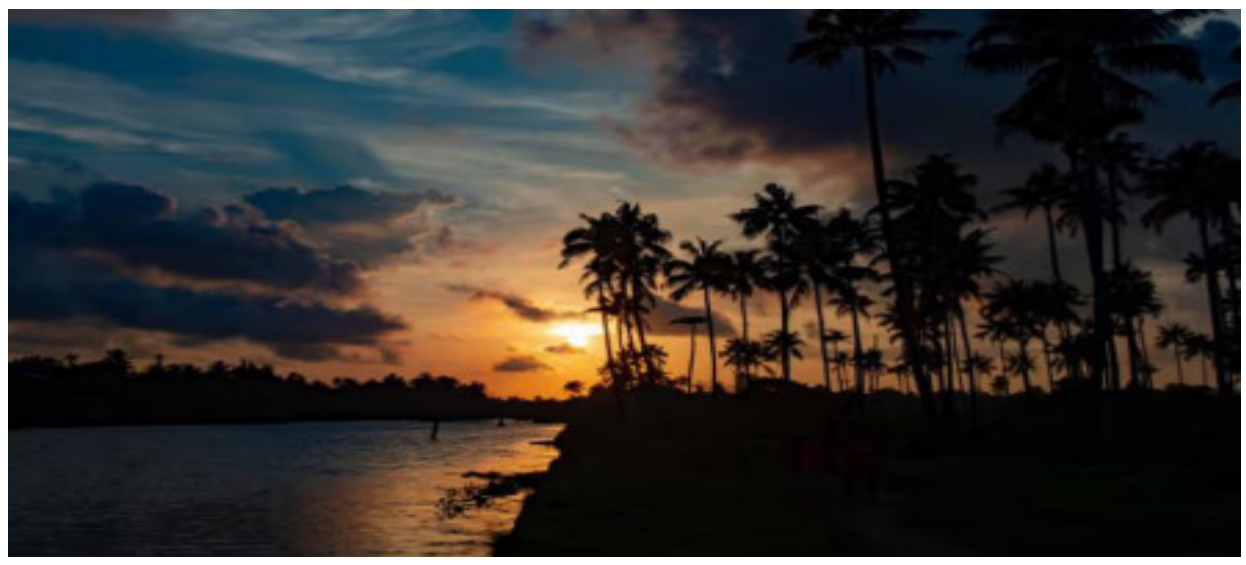

है,' इस शुक्रवार को मैं अखबार हाथ में लिए चिल्लाया। पत्नी दौड़ती हुई आईं और पूछा, 'क्या हुआ?' मैंने उन्हें शुक्रवार के चार अखबार दिखाए, जिनमें अलग-अलग ऐसे पक्षियों की तस्वीरें थीं, जो या तो मारे गए थे या घायल हो गए थे। इसके साथ ही गुरुवार को मुंबई के समीप ठाणे में एक हाउसिंग सोसाइटी द्वारा पेड़ों की बेतहाशा छंटाई की खबर थी। 'क्या आपको यकीन है कि ये ग्रे हेरॉन है, इग्रेट नहीं?' उन्होंने पूछा तो मैं अपनी पुरानी डायरी ले आया और उन्हें समझाया कि कैसे हेरॉन लंबी टांगों और चौड़े पंखों वाले जलचर पक्षी होते हैं। हालांकि हेरॉन, इग्रेट और बिटर्न जैसे पक्षी एक ही आर्डीडे परिवार के सदस्य हैं, लेकिन इग्रेट आमतौर पर पूरी तरह से सफेद होते हैं, जबकि हेरॉन कई रंगों के हो सकते हैं। वहीं बिटर्न की खासियत उनके घने, हल्के पीले-भूरे रंग के पंख हैं, जिन पर गहरी धारियां होती हैं। अगर मैं पक्षियों के बारे में मुझे कुछ जानकारी देने का श्रेय किसी को देना चाहूं, तो वे हॉलीवुड अभिनेता ओवेन विल्सन, स्टीव मार्टिन और जैक ब्लैक होंगे, जो मेरे मुताबिक हास्य दृश्यों में सर्वश्रेष्ठ हैं। यही कारण था कि जब वे तीनों एक साथ एक फिल्म में आए- 2011 में प्रदर्शित 'द बिग ईयर'- तो मैं उसे देखने का अवसर नहीं छोड़ पाया। फिल्म तीन पक्षी प्रेमियों की कहानी सुनाती है, और उनमें से हर कोई वही कर रहा होता है, जिसे 'द बिग ईयर' कहा गया है। वे ठान लेते हैं कि इस साल अमेरिका में किसी भी अन्य व्यक्तियों से ज्यादा पक्षी देखेंगे। और उन तीन पक्षी प्रेमियों के साथ हम दर्शक भी फिल्म में सैकड़ों पक्षी देखते हैं, और हर एक की गिनती करते हैं। लेकिन फिल्म का मर्म एक अच्छे जीवन के अर्थ के बारे में है, इस बारे में कि किसी व्यक्ति के लिए सिर्फ बड़े होने, पैसे कमाने, परिवार बनाने वगैरह से बढ़कर एक अधिक मनुष्य बनने के लिए क्या जरूरी है। फिल्म के तीनों ही नायक अपने-अपने जीवन का अर्थ समझते हैं। वे अलग-अलग चुनाव करते हैं कि क्या मायने रखता है और क्या नहीं; कौन मायने रखता है और कौन नहीं; और जीवन का वास्तविक अर्थ क्या है और क्या नहीं। फिल्म देखने के बाद के वर्षों में मैंने पक्षियों के बारे में बहुत सीखा। मुझे पता नहीं था? पक्षियों के बारे में इतना कुछ जानने को है। पहली चीज जो मैंने सीखी, वह थी बर्ड-वॉचिंग के लिए जरूरी उपकरण। फिल्म देखते हुए किसी ने कहा 'हमें अपना 'बिन' खोजना होगा।' फिल्म समाप्त होने के बाद मैंने उनसे कहा, 'माफ कीजिए, पर मैंने आपको 'बिन' कहते सुना।

पक्षियों को देखने के लिए आपको 'बिन' की क्या जरूरत है?' मुझे लगा था बिन का मतलब डस्टबिन होगा। वे जोर से हंसे और कहा कि यह बाइनोकुलर (दूरबीन) का छोटा नाम है! इसके बाद मैंने सबसे पहला जो काम किया, वो ये था कि अपना 'बिन' निकाला, जो मुझे क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने इस अखबार के लिए क्रिकेट को कवर करते समय उपहार में दिया था। बर्डिंग से हम प्रकृति में मौजूद विविधता के प्रति सजग हो पाते हैं। ज्यादातर पक्षी मूलतः एक जैसे ही हैं, खोखली हड्डियों, पंखों और पंजों से निर्मित। फिर भी प्रवास-मार्गों, भोजन के तरीकों और पंखों के संयोजन से उन्होंने जीवित रहने के अनगिनत तरीके खोज निकाले हैं। अलग-अलग तरह के घोंसले बनाने की उनकी क्षमता उनकी विशिष्ट रचनात्मकता को दर्शाती है, ठीक वैसे ही जैसे वास्तुकला का एक ही पाठ्यक्रम पढ़ने के बावजूद मनुष्य भवन-निर्माण में अलग-अलग प्रकार की सृजनात्मकता प्रदर्शित करते हैं। हालांकि मैं फिल्म के मुख्य पात्रों की तरह हर साल देखे जाने वाले पक्षियों की संख्या नहीं नोट करता, लेकिन पक्षियों के प्रति प्रेम मुझे अकसर घर से बाहर जाने को प्रेरित करता है, जिससे मुझे कम से कम बारिश के मौसम में हलका-फुलका व्यायाम करने का अवसर मिल जाता है। फंडा यह है कि हमारे चारों ओर चाहे जितनी लापरवाही क्यों न हो, दुनिया फिर भी बहुत सुंदर है। यह हमें चुनना है कि हमारे लिए क्या मायने रखता है और हमें किन लोगों से मिलना है। चूंकि आज वर्षा ऋतु का रविवार है, तो आप भी चयन करें और अपने 'बिन' के साथ घर से बाहर निकल पड़ें! एन. रघुरामन

हम लोगों के बीच पैदा हुई दीवारें तोड़ने में अक्षम क्यों?

बिहार में चुनाव सिर पर होने के चलते इस साल मुहर्रम पर साम्प्रदायिक हिंसा

की आशंका पहले से थी। वास्तव में, आजकल खुशियों से भरे हर त्योहार पर कलह और कटुता का डर बना रहता है। इतिहासकार विल ड्यूरेंट के अनुसार भारत पर 12वीं सदी में जो तुर्कों का आक्रमण हुआ था, वो विश्व-इतिहास के सबसे रक्तरंजित अध्यायों में से है। इसमें हिंदू मंदिरों को तोड़ा गया, धर्मांतरण और लूटपाट हुईं। इतिहास के तथ्यों को तो झुठलाया नहीं जा सकता। लेकिन सदियों से भारत में एक गंगा-जमुनी संस्कृति भी विकसित हुई है, जिसमें यदि बंटवारे और साम्प्रदायिक सौहार्द बिगड़ने से हुई हिंसा के कुछ मौकों को छोड़ दें तो हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के साथ सह-अस्तित्व की भावना के साथ रहना सीखे हैं। उनके बीच पारस्परिक निर्भरता और सौहार्द का संबंध विकसित हुआ है। क्या लोग यह जानते हैं कि ओडिशा के रेमांडा गांव का एक मुस्लिम परिवार हिंदुओं के वार्षिक रथयात्रा महोत्सव की अनुवाई करता है? क्या उन्हें मालूम है कि अंतिम मुगल बादशाह बहादुर शाह जफर फूलवालों की सैर के दौरान दिल्ली के महरौली में सूफी संत ख्वाजा बख्तियार काकी की मजार से पहले जोगमाया मंदिर की चढ़ाई करने वाले लाखों हिंदू श्रद्धालुओं के लिए रास्ते में पड़ने वाली एक मुस्लिम संत की दरगाह भी एक पवित्र स्थान है? लखनऊ में हिंदू व्यापारियों के चिकन/जरदोजी उद्योगों में बड़ी संख्या में मुसलमान काम करते हैं। सीतापुर और मिर्जापुर के मुनाफे वाले कालीन कारोबार में हिंदू और मुस्लिम दोनों साझेदार हैं। वाराणसी में मुसलमान लाजवाब बनारसी साड़ी बुनते हैं और हिंदू इस व्यापार में पैसा लगाते हैं। महाराष्ट्र में कई मुस्लिम शिल्पकार गणेश प्रतिमाएं बनाते हैं। केरल के त्रिशूर में वडक्कुन्नाथन मंदिर के पूरम उत्सव के दौरान मुसलमान और ईसाई मदद करते हैं। बंगाल में भी दुर्गा पूजा के दौरान मुस्लिम कलाकार पंडाल और मूर्तियां बनाते हैं। मुझे याद है कि बचपन में कैसे हिंदू और मुसलमान एक-दूसरे के त्योहारों में खुशी-खुशी शरीक होते थे। होली पर मुस्लिम परिवार गुझिया और ठंडाई बनाते थे और उनके पड़ोसी हिंदू ईद पर सेवइयों और बिरयानी का लुत्फ उठाते थे। बंगाल और बिहार के कुछ हिस्सों में हिंदू कलाकार मुहर्रम के लिए ताजिये बनाते हैं। बिहार में पटना से 100 किलोमीटर के दायरे में भारत के प्रमुख धर्मों के कुछ सबसे महत्वपूर्ण स्थल मौजूद हैं, जैसे जैनों के लिए पावापुरी, बौद्धों के लिए बोधगया और हिंदुओं के लिए गया, मुसलमानों के लिए बिहार शरीफ और सिखों के लिए गुरु गोविंद सिंह की जन्मस्थली पटना साहिब भी वहीं है। राजनेता धर्म-आधारित वोटबैंक को बढ़ाने के लिए भारत के आम लोगों को कठपुतली की तरह काम लेते हैं। इसका नतीजा तो जनता भुगतती है, लेकिन नेता इससे फलते-फूलते हैं। स्वयंभू धर्म-प्रचारकों- जिनमें हिंदू और मुस्लिम दोनों सम्मिलित हैं- को साम्प्रदायिक नफरत फैलाने के लिए उपयोग किया जाता है। ऐसे हिंदुओं के लिए ही आठवीं शताब्दी में आदि शंकराचार्य ने दो टूक शब्दों में कहा था- 'जटिलो मुण्डी लुञ्छितकेशः, काषायाम्बर बहुकृतवेषः। पश्यन्नपि च न पश्यति मूढः, उदरनिमित्तं बहुकृतवेषः।' अर्थात्, बहुत-से लोग अपनी जटाएं गुंथते हैं, सिर मुंडवाते हैं, गेरुए वस्त्र पहनते हैं, लेकिन वे यह सब वह सिर्फ अपने पेट के लिए यानी निजी स्वार्थवश करते हैं। वहीं 15वीं सदी में कबीर ने कहा था- 'पूरबि दिसा हरि का बासा, पछिम अलह मुकामा। दिल ही खोज दिलै भीतर, इहां राम रहिमांना।' 18वीं सदी में उर्दू के दिग्गज शायर मीर तकी मीर ने भी घोषणा की थी- 'मीर के दीन-ओ-मजहब को अब पूछते क्या हो उन ने तो, कश्का खेंचा दैर में बैठा कब का तर्क इस्लाम किया।' 18वीं शताब्दी में शायर मिर्जा गालिब ने भी संकीर्ण मानसिकता वाले मौलवियों का यह कहकर मखौल उड़ाया था- 'कहां मैखाने का दरवाजा गालिब और कहां वाइज, बस इतना जानते हैं कल वो जाता था जब हम निकले।' हमारे देश को क्या हो गया है, जो विश्वगुरु तो बनना चाहता है, लेकिन अपने ही लोगों के बीच पैदा हुई कट्टरता की दीवारें तोड़ने में अक्षम है? भारतवासियों को उन्हें धर्म के आधार पर बांटने वाले राजनेताओं से वही कहना चाहिए, जो साहिर लुधियानवी ने 1959 की फिल्म 'धूल का फूल' में कहा था- 'तू हिंदू बनेगा ना मुसलमान बनेगा, इंसान की औलाद है, इंसान बनेगा।' राजनेता अपने धर्म-आधारित वोटबैंक को बढ़ाने के लिए भारत के आम लोगों को कठपुतली की तरह काम लेते हैं। इसका नतीजा तो जनता भुगतती है, लेकिन नेता इससे फलते-फूलते हैं। हमारे देश को आखिर क्या हो गया है? (ये लेखक के अपने विचार हैं- पवन के. वर्मा)

शिकागो में ट्रम्प की नीतियों के खिलाफ बड़ा विरोध-प्रदर्शन,हजारों लोगों सड़कों पर उतरे, ट्रम्प को तनाशाह बताते हुए मार्च निकाला

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की विवादास्पद पॉलिसियों के खिलाफ गुरुवार को बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किए जा रहे हैं। अप्रवासियों को डिपोर्ट करने और गरीबों के लिए मेडिकेड सुविधाओं में कटौती के विरोध में 1600 से ज्यादा जगहों पर प्रदर्शन आयोजित हो रहे हैं। इन प्रदर्शनों को 'गुड ट्रबल लिव्स ऑन' नेशनल डे ऑफ एक्शन नाम दिया गया है, जो दिवंगत सांसद और ह्यूमन राइट एक्टिविस्ट जॉन लुइस को समर्पित है। आयोजकों ने लोगों से प्रदर्शनों को शांतिपूर्ण रखने की अपील की है। शिकागो इन विरोध-प्रदर्शन का मुख्य सेंटर रहेगा। दोपहर में शहर के डाउनटाउन में प्रदर्शनकारी एकत्र होंगे। शिकागो में आयोजित रैली में एक कैंडल मार्च निकाला जाएगा।पब्लिक सिटिजन ग्रुप की को-प्रेसिडेंट लिसा गिल्बर्ट ने मंगलवार को कहा- हम अपने देश के इतिहास के सबसे डरावने दौर से गुजर रहे हैं। हमें सरकार में बढ़ती तानाशाही रवैये और कानून के उल्लंघन का सामना करना पड़ रहा है, जो हमारी लोकतांत्रिक आजादी और अधिकारों को चुनौती दे रहा है। पब्लिक सिटिजन ग्रुप एक नॉन प्रॉफिट ऑर्गेनाइजेशन (एनजीओ) है, जो बड़े कॉर्पोरेट घराने के खिलाफ काम करता है। ये प्रदर्शन खास तौर पर अटलांटा, सेंट लुइस, ओकलैंड (कैलिफोर्निया) और एनापोलिस (मैरीलैंड) में होने की प्लानिंग है।जॉन लुइस का 2020 में 80 साल की उम्र में कैंसर की वजह से निधन हो गया था। वे ह्यूमन राइट आंदोलन के 'बिग सिक्स' नेताओं में से एक थे, जिसकी लीडरशिप मार्टिन लूथर किंग जूनियर कर रहे थे। लुइस ने 1965 में 'ब्लडी संडे' मार्च निकाला था, जिसमें वोटिंग अधिकारों के लिए 600 लोग अलबामा के एडमंड पेट्टस ब्रिज पर मार्च कर रहे थे। इस दौरान पुलिस ने उन पर हमला कर दिया। इस दौरान लुइस की खोपड़ी टूट गई थी। इस घटना ने वोटिंग राइट्स एक्ट 1965 को पारित करने में अहम भूमिका निभाई थी।ट्रम्प सरकार ने लॉस एंजिलिस में 6-7 जून को सरकार ने अवैध अप्रवासियों के खिलाफ एक अभियान चलाया गया था। इस दौरान दक्षिणी कैलिफोर्निया में मारिजुआना फार्मों पर छापेमारी के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई थी। इसके बाद 8 जून को लॉस एंजिलिस में हजारों लोग सड़कों पर उतरे थे। 14 जून को 'नो किंग्स' प्रदर्शनों में लाखों लोगों ने ट्रम्प को तानाशाह बताते हुए उनकी आलोचना की थी।

मोदी बंगाल में बोले- घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई होगीःभाजपा किसी भी साजिश को कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है

नयी दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में कहा- बंगाल में टीएमसी ने अपने स्वार्थ के लिए घुसपैठ को बढ़ावा दिया। इसके लिए इकोसिस्टम बनाया जा रहा है। ये राज्य-देश और बांग्ला संस्कृति के लिए खतरा है।उन्होंने आगे कहा- टीएमसी ने घुसपैठियों के पक्ष में नई मुहिम शुरू की। मैं साफ कहता हूं- जो भारत का नागरिक नहीं है और घुसपैठ करके आया है, उसपर संविधान के तहत कार्रवाई होकर रहेगी। बंगाल के खिलाफ साजिश को भाजपा कामयाब नहीं होने देगी, ये मोदी की गारंटी है। पीएम मोदी ने दुर्गापुर में 5000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली परियोजनाओं का शिलान्यास और उद्घाटन किया। इसमें ऑयल, गैस, बिजली, सड़क और रेल से जुड़ी कई अन्य विकास परियोजनाएं शामिल हैं। दुर्गापुर बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले का शहर है। राज्य में अगले साल विधानसभा चुनाव होने वाले हैं। 2025 में मोदी की यह दूसरी पश्चिम बंगाल यात्रा है। इससे पहले उन्होंने 29 और 30 मई को अलिपुरद्वार और कूच विहार में परियोजनाओं का शिलान्यास किया था।मुर्शिदाबाद घटना में पुलिस ने कुछ न कियाः बंगाल में मुर्शिदाबाद जैसी घटना हुई है। हत्या हो जाती हो और पुलिस ने कुछ भी नहीं किया। यहां राज्य सरकार जान और दुकान की रक्षा नहीं कर सकती, तो निवेशकों को भी चिंता होती है। बंगाल के अस्पताल सुरक्षित नहींः आज बंगाल के अस्पताल भी सुरक्षित नहीं है, जब डॉक्टर बेटी के साथ अत्याचार हुआ तो टीएमसी सरकार अपराधी को बचाने में लगी रही। देश इससे उभरा ही नहीं तो एक और कॉलेज में बेटी के साथ दुर्व्यवहार हुआ। टीएमसी के नेता इसके आरोपियों को भी बचाने में लगे हैं। टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे खड़ीः टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन टीएमसी की दीवार गिरी, तब बंगाल विकास की गति पकड़ लेगा। टीएमसी की सरकार जाएगी, तभी असली परिवर्तन आएगा। हम बंगाल में अवसर मांग रहे हैं।बंगाल की नीति भ्रष्टाचारियों ने बनाईः पश्चिम बंगाल की नीति भी भ्रष्टाचारियों के लिए बनाई जाती है। युवाओं की शिक्षा और कौशल के साथ जो कुछ यहां हो रहा है वह चिंता बढ़ाने वाला है। टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे खड़ीः टीएमसी सरकार बंगाल के विकास के आगे दीवार बनकर खड़ी है। जिस दिन टीएमसी की दीवार गिरी, तब बंगाल विकास की गति पकड़ लेगा। टीएमसी की सरकार जाएगी, तभी असली परिवर्तन आएगा। विकसित भारत में बंगाल की बड़ी भूमिका होने वाली है। हम बंगाल में अवसर मांग रहे हैं।बंगाल के उद्योगपतियों ने देश के इंडस्ट्रीज की नींव रखीः पश्चिम बंगाल की धरती प्रेरणाओं से भरी पड़ी है, यह देश के पहले उद्योग मंत्री श्यामा प्रसाद की भूमि है। उन्होंने देश के इंडस्ट्रीज की नींव रखी। ये बिधान चंद्र राय जैसे उद्योग पति की नगरी है। इस भूमि पर सर विरेंद्र मुखर्जी हुए, जिनके वीजन से भारत को स्टील उद्योग की नींव मिली ऐसे लोगों ने ही बंगाल को आगे बढ़ाया है। बंगाल में सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रहींः बंगाल में रेल कनेक्टिविटी सुधारने के लिए बहुत काम हुआ है। यह देश के उन राज्यों में से एक है जहां सबसे ज्यादा वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। कोलकाता मेट्रो का विस्तार हो रहा। रेलवे स्टेशनों को मॉडर्न बनाया जा रहा है। आज बंगाल को दो नए रेलवे ओवरब्रिज भी मिले हैं।पीएम मोदी इन 5 प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की- बीपीसीएल सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना, लागत- रु1,950?करोड़ प्रधानमंत्री पश्चिम बंगाल के बांकुरा और पुरुलिया जिले में लगभग 1,950 करोड़ रुपए की लागत वाली भारत पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन लिमिटेड की शहरी गैस वितरण परियोजना की आधारशिला रखेंगे। यह परियोजना के तहत घरों, व्यवसायिक प्रतिष्ठानों और इंडस्ट्रीयल कस्टमर्स को पीएनजी और सीएनजी कनेक्शन मुहैया कराई जाएगी। इससे क्षेत्र में रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। दुर्गापुर-कोलकाता नेचुरल गैस पाइपलाइन, लागत - रु1,190?करोड़ प्रधानमंत्री दुर्गापुर-हल्दिया नेचुरल गैस पाइपलाइन के दुर्गापुर से कोलकाता खंड (132 किलोमीटर) की शुरुआत करेंगे। इसे जगदीशपुर-हल्दिया और बोकारो-धामरा पाइपलाइन के एक हिस्से के रूप में बिछाया गया है। इस प्रोजेक्ट को प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा परियोजना के नाम से भी जाना जाता है। 1,190 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाला दुर्गापुर से कोलकाता खंड पश्चिम बंगाल के पूर्व वर्धमान, हुगली और नादिया जिलों से होकर गुजर रहा है। दुर्गापुर स्टील और रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन में एफजीडी सिस्टम, लागत- रु 1,457?करोड़ प्रधानमंत्री दुर्गापुर स्टील थर्मल पावर स्टेशन और दामोदर घाटी निगम के रघुनाथपुर थर्मल पावर स्टेशन की 1,457 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाली फ्लू-गैस डिसल्फराइजेशन यूनिट भी राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इससे वायु प्रदूषण में कमी आएगी। पुरुलिया-कोटशिला रेल लाइन का दोहरीकरण, लागत- रु390?करोड़ बंगाल में रेलवे के जरिए औद्योगिक कनेक्टिविटी में सुधार को बढ़ावा देते हुए, प्रधानमंत्री मोदी पुरुलिया में 390 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से 36 किलोमीटर लंबी पुरुलिया-कोटशिला रेल लाइन के दोहरीकरण प्रोजेक्ट को भी हरी झंडी दिखाएंगे। इससे जमशेदपुर, बोकारो और धनबाद के उद्योगों का रांची और कोलकाता के साथ रेल संपर्क में सुधार होगा। माल गाड़ियों की डायरेक्ट आवाजाही होगी, जिससे समय भी बचेगा। तोपसी और पांडबेश्वर में दो रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन, लागत-380करोड़ प्रधानमंत्री मोदी पश्चिम वर्धमान के तोपसी और पांडबेश्वर में सेतु भारतम कार्यक्रम के तहत बनाए 380 करोड़ रुपए से अधिक की लागत से बने दो रोड ओवर ब्रिज का उद्घाटन करेंगे। इससे कनेक्टिविटी में सुधार होगा और रेलवे क्रॉसिंग पर दुर्घटनाओं को रोकने में भी मदद मिलेगी। दुर्गापुर में छह साल बाद पीएम मोदी की रैली बंगाल के पश्चिम वर्धमान जिले के दुर्गापुर में पीएम मोदी की 6 साल बाद यह दूसरी रैली है। इससे पहले वे 2 फरवरी 2019 को पहली बार दुर्गापुर गए थे। इस दिन पीएम मोदी ने पश्चिम बंगाल में भाजपा के लोकसभा चुनाव प्रचार का आगाज किया। उन्होंने दुर्गापुर के नेहरू स्टेडियम में एक बड़ी जनसभा को भी संबोधित किया था।

केरल के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ सीपीएम नेता वीएस अच्युतानंदन का 101 वर्ष की आयु में निधन

नयी दिल्ली।केरल के पूर्व सीएम और सबसे वरिष्ठ कम्युनिस्ट पार्टी नेता वीएस अच्युतानंदन का सोमवार को निधन हो गया। वह 101 वर्ष के थे और पिछले कई सालों से बिस्तर पर ही थे।

अच्युतानंदन 2006 से 2011 तक केरल के मुख्यमंत्री रहे और दशकों तक सीपीएम के एक प्रमुख नेता रहे। साथ ही केरल विधानसभा में सबसे लंबे समय तक विपक्ष के नेता रहे। ट्रेड यूनियन गतिविधियों और 1939 में राज्य कांग्रेस के जरिए अपनी राजनीतिक यात्रा शुरू करने के बाद वे 1940 में कम्युनिस्ट पार्टी में शामिल हो गए थे। उन्होंने नारियल के रेशे के कारखानों के मजदूरों, ताड़ी निकालने वालों और खेतिहर मजदूरों को संगठित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

सावन का दूसरा सोमवारःएक लाख श्रद्धालुओं ने महाकाल के दर्शन किए, बाबा विश्वनाथ ने स्वर्ण मुकुट पहना, काशी में 5 किमी लंबी लाइन

उज्जैन/वाराणसी/देवघर। आज सावन का दूसरा सोमवार है। शिव मंदिरों में भक्तों की लंबी कतारे हैं। मध्य प्रदेश के उज्जैन में महाकालेश्वर मंदिर के पट रात 2.30 बजे खोले गए। सुबह भस्म आरती की गई। उज्जैन में रात 2:30 बजे से लेकर दोपहर 12:00 बजे तक एक लाख श्रद्धालु बाबा महाकाल के दर्शन कर चुके हैं। यूपी के काशी में विश्वनाथ धाम के कपाट भी रात 3 बजे खुले। सुबह 4 बजे बाबा की मंगला आरती हुई, जिसमें उन्हें स्वर्ण मुकुट पहनाया गया। राम नाम माला भी पहनाई गई।काशी विश्वनाथ मंदिर के बाहर भक्तों की 5 किमी लंबी कतारें लगी हैं। मंदिर प्रशासन ने श्रद्धालुओं पर फूल बरसाए। वहीं उत्तराखंड के हरिद्वार से गंगाजल लाने वाले कांवड़ियों की संख्या 3 करोड़ पार हो गई है। यहां हरियाणा, पंजाब, राजस्थान, दिल्ली और उत्तर प्रदेश समेत दूसरे राज्यों से कांवड़िए आ रहे हैं।

गुरुग्राम में बच्चे को मरते दम तक चाकू से गोदाःसीने-चेहरे पर 16 निशानः आरोपी बोला- इसकी वजह से मेरे बाप को माफी मांगनी पड़ी थी

गुरुग्राम। हरियाणा के गुरुग्राम जिले में हुए 7 साल के बच्चे आशीष के मर्डर का आरोपी सोमवार अलसुबह पकड़ा गया है। वह 16 साल का नाबालिग है। पुलिस उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। उसने पुलिस को बताया है कि

उसने यह भी खुलासा किया है कि बच्चे आशीष ने उस पर घर से मोबाइल चोरी को आरोप लगाया था। मोबाइल आरोपी ने ही चुराया था, लेकिन करीब 15 दिन बाद उसने मोबाइल आशीष के घर में ही फेंक दिया था। इसके बाद भी आशीष के पिता कमल उसके घर में लड़ने चले आए। उन्होंने आरोपी के पिता से माफी भी मंगवाई। आरोपी ने बताया है कि वह इसी बात से आहत था कि एक मोबाइल के लिए उसके पिता की सार्वजनिक रूप से बेइज्जती की गई थी। उस बच्चे की वजह से उसके पिता को माफी मांगनी पड़ी। इसलिए, उसने इस वारदात को अंजाम दिया। वहीं, रविवार को बच्चे के शव का पोस्टमॉर्टम भी हो गया। इसमें खुलासा हुआ है कि बच्चे के शरीर को कुल 16 बार चाकू से गोदा गया है। बच्चे के पेट, सीने, गर्दन और चेहरे पर चाकू गोदने के निशान हैं।आशीष के साथ खेलता था आरोपीः पुलिस ने आरोपी किशोर को सोमवार अलसुबह उसके गांव फतेहपुर से हिरासत में लिया है। उसका परिवार मूल रूप से उत्तर प्रदेश के औरैया जिले का रहने वाला है। उसने पुलिस को बताया है कि वह पड़ोस के लड़के आशीष के साथ खूब खेलता था।

मुंबई में एअर इंडिया का विमान रनवे से फिसलाःभारी बारिश के कारण लैंडिंग के समय हादसा; इंजन को नुकसान, 3 टायर फटे

मुंबई। मुंबई एयरपोर्ट पर सोमवार सुबह एअर इंडिया का एआई2744 प्लेन लैंडिंग के दौरान रनवे से फिसल गया। ये विमान कोच्चि से मुंबई आया था। मुंबई में भारी बारिश के कारण रनवे पर फिसलन थी, जिससे विमान रनवे से 16 से 17 मीटर दूर घास पर चला गया। ये हादसा सुबह 9:27 बजे हुआ। तस्वीरों में दिखा कि विमान के दाहिने इंजन के नैसेल (ढक्कन) को नुकसान पहुंचा है। इस घटना के बाद विमान को पार्किंग तक लाया गया, जहां सभी यात्री और क्रू मेंबर्स को उतारा गया। इस दौरान विमान के तीन टायर फट गए। एअर इंडिया ने बताया कि हादसे में किसी पैसेंजर्स या क्रू मेंबर्स को नुकसान नहीं पहुंचा है। हालांकि मुंबई एयरपोर्ट का मेन रनवे, 09/27 क्षतिग्रस्त हुआ है। रनवे पर फ्लाइट्स की आवाजाही बंद कर दी गई है। रनवे किनारे तीन साइनेज बोर्ड और चार लाइटें भी टूट गईं। नागरिक उड्डयन महानिदेशालय की एक टीम मामले की जांच के लिए एयरपोर्ट पहुंची है। एअर इंडिया के अनुसार, विमान की जांच जारी है। दोनों पायलटों को हटा दिया गया है और इस घटना के कारणों की जांच जारी है। मुंबई एयरपोर्ट पर फ्लाइट ऑपरेशन्स चालू रखने के लिए दूसरा रनवे, 14/32 शुरू कर दिया गया है। मुंबई के छत्रपति शिवाजी महाराज अंतर्राष्ट्रीय एयरपोर्ट देश के सबसे व्यस्त एयरपोर्ट्स में से एक है। यहां पर दो रनवे हैं। मुंबई में रातभर की बारिश में सड़कें डूबीं मुंबई में रविवार देर रात से सोमवार सुबह तक भारी बारिश हुई। रातभर की बारिश के कारण निचले इलाकों में पानी भर गया। सड़कें जलमग्न हो गईं। जलभराव के कारण मुंबई के कई इलाकों में वाहनों की आवाजाही भी काफी धीमी हो गई। बीएमसी के अनुसार, रविवार सुबह 8 बजे से सोमवार सुबह 8 बजे तक, पिछले 24 घंटों के दौरान, मुंबई में औसतन 23.45 मिमी बारिश दर्ज की गई। नगर निगम अधिकारियों ने बताया कि ईस्ट मुंबई में 36.42 मिमी और वेस्ट मुंबई में 50.02 मिमी बारिश हुई।मानसून के दौरान मुंबई एयरपोर्ट पर कई बार पहले भी रनवे से विमान के फिसलने की घटनाएं हुई हैं। 14 सितंबर 2023 में विशाखापट्टनम से आ रहा बिजनेस जेट लीयरजेट 45 विटी-डीबीएल भारी बारिश और लो विजिबिलिटी के कारण रनवे से फिसल गया था। हादसे में विमान दो हिस्सों में बंट गया था। विमान में सवार दो पायलटों समेत आठ लोग घायल हो गए। यह हादसा भी मुंबई एयरपोर्ट के मेन रनवे 27 पर हुआ था। लैंडिंग के दौरान विमान घूम गया और बगल की घास पर चल गया था। क्षतिग्रस्त विमान को हटाने में कई घंटे लग गए थे।

हिमाचल में लैंडस्लाइड से पति-पत्नी की मौतःवैष्णो देवी के पुराने रूट पर रियासी में भूस्खलन,1 की मौत 9 घायल; मुंबई में सड़कों पर पानी भरा

नयी दिल्ली। हिमाचल प्रदेश में रविवार रात से भारी बारिश हो रही है। चंबा जिले की चडी पंचायत में पहाड़ी से घर पर बड़ा पत्थर गिरने से दंपती की मौत हो गई। इनकी 5 महीने पहले ही शादी हुई थी। आज हिमाचल के 4 जिलों के 9 सब डिवीजन में स्कूलों की आज छुट्टी कर दी गई है।

जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में सोमवार सुबह वैष्णो देवी के पुराने रास्ते पर भूस्खलन हुआ, जिसमें 1 यात्री की मौत हो गई, 9 श्रद्धालु घायल हो गए। इधर, लेह की नुब्रा घाटी से एयरफोर्स ने फंसे 21 नागरिकों का रेस्क्यू किया। ये सभी बाढ़-बारिश और लैंडस्लाइड के कारण यहां फंसे हुए थे।मुंबई में रविवार रात से ही तेज बारिश जारी है, अंधेरी इलाके में सड़कों पर जलभराव हो गया है। इस वजह से लोगों को परेशानियों को सामना करना पड़ रहा है। वहीं, यूपी में लगातार बारिश से नदियां और डैम उफान पर हैं। महोबा में उर्मिल बांध के 7 फाटक एक साथ खोले गए, जिससे कैमाहा गांव में बाढ़ आ गई। गांव के 3 मकान ढह गए। छत्तीसगढ़ में मौसम विभाग ने सभी जिलों में आज बारिश का यलो अलर्ट जारी किया है। रविवार को कवर्धा जिले के रानीदहरा वॉटरफॉल घूमने आए 5 पर्यटक बह गए, जिसमें से एक की मौत हो गई, जबकि एक अब भी लापता है। तीन को बचाया गया है।मौसम विभाग ने हिमाचल, उत्तराखंड, तेलंगाना, कर्नाटक राज्यों के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। बाकी पूरे देश में आज बारिश का यलो अलर्ट है।

आगरा की 2 बहनों को मुस्लिम बनाने वाला मास्टरमाइंड अरेस्ट,खुद हिंदू से ईसाई फिर मुस्लिम बना, बंधक बनाई लड़की भी छुड़ाई गई

आगरा। आगरा की 2 बहनों को मुस्लिम बनाने वाले धर्मांतरण गैंग के अब्दुल रहमान कुरैशी को पुलिस ने दिल्ली से अरेस्ट किया है। अब्दुल इससे पहले 6 राज्यों से गिरफ्तार 10 लोगों का सरगना है। साथ ही धर्मांतरण के पूरे रैकेट का मास्टरमाइंड है। अब्दुल पहले हिंदू था और उसका नाम महेंद्र पाल था। 1990 में वह पहले ईसाई धर्म में कन्वर्ट हुआ, फिर इस्लाम धर्म अपनाया और अपना नाम अब्दुल रहमान रख लिया। आगरा पुलिस ने अब्दुल की गिरफ्त से रोहतक (हरियाणा) की एक लड़की को भी छुड़ाया गया है। उस लड़की का भी धर्मांतरण होना था। अब्दुल के घर से कई किताबें मिली हैं। इनमें धर्म परिवर्तन कैसे करें? क्या नियम होते हैं? इसके क्या फायदे हैं? इस बारे में बताया गया है। आगरा में इस पूरे नेटवर्क को लेकर पुलिस ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। 19 जुलाई को आगरा पुलिस ने धर्मांतरण के लिए 6 देशों से होने वाली फंडिंग और 6 राज्यों तक फैले इस नेटवर्क से पर्दा उठाया था। इसमें एक लड़की समेत 10 लोगों की अरेस्टिंग हुई थी। जांच में पुलिस ने दावा किया था कि 200 से ज्यादा लोगों का धर्मांतरण यह गैंग करवा चुका है। पिछले 60 घंटों से इस गैंग के मास्टरमाइंड को तलाश कर रही थी, आखिरकार दिल्ली से अब्दुल पकड़ने में कामयाबी मिली।धर्मांतरण मामले में आगरा की 2 सगी बहनों की कोलकाता से बरामदगी के बाद पुलिस मास्टरमाइंड की तलाश में जुटी थी। पकड़े गए 10 आरोपियों से पूछताछ के बाद एक नाम अब्दुल रहमान कुरैशी का मिला था। पुलिस को अब्दुल की पहली लोकेशन दिल्ली के मुस्तफाबाद में मिली। सोमवार को आगरा पुलिस की छापेमारी में अब्दुल के घर से धर्मांतरण से जुड़ी बड़ी संख्या में किताबें मिलीं। ये मौलाना कलीम सिद्दीकी ने लिखी थीं, लेकिन बांटता अब्दुल रहमान था। अब्दुल की पत्नी और दोनों बेटों की पत्नियां भी कन्वर्टेड मुस्लिम हैं, जो पहले हिंदू थीं। वहीं, उसका भतीजा लंदन से फंडिंग को री-रूट करता था। ओसामा लड़कियों को 'इस्लामी बहन' बनाने की ट्रेनिंग देता शनिवार को गिरफ्तार आयशा और मोहम्मद अली की पूछताछ में अब्दुल रहमान के नाम का खुलासा हुआ। आयशा और मो. अली ने बताया था कि रहमान चचा जैसा कहते हैं, वैसा करते हैं। रहमान यूट्यूब चैनल और पॉडकास्ट के जरिए इस्लामी कट्टरपंथ का प्रचार करता था। वह हिंदू धार्मिक प्रतीकों का अपमान करता था। पूछताछ में ओसामा नाम के शख्स का भी नाम सामने आया। ओसामा लड़कियों को 'इस्लामी बहन' बनाने की ट्रेनिंग देता था। आगरा पुलिस अब ओसामा का पता कर रही है।पुलिस कमिश्नर दीपक कुमार ने बताया कि दिल्ली के शाहीन बाग से 2021 में यूपी एटीएस ने धर्मांतरण मामले में मौलाना कलीम सिद्दीकी को गिरफ्तार किया था।

ओडिशा एनएसयूआई प्रेसिडेंट रेप के आरोप में गिरफ्तारःछात्रा बोली- नशीला ड्रिंक पिलाकर दुष्कर्म किया; भाजपा ने पूछा- कांग्रेस अपने नेताओं को कब तक बचाएगी

ओडिशा पुलिस ने रविवार को रेप के आरोप में कांग्रेस की छात्र इकाई एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष उदित प्रधान को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारी 19 साल की पीड़ित छात्रा की शिकायत पर की गई है। वहीं, कांग्रेस ने प्रधान को सभी पदों से हटाते हुए पार्टी से निष्कासित कर दिया है। छात्रा ने घटना के रविवार को मंचेश्वर थाने में शिकायत दर्ज कराते हुए बताया कि 18 मार्च को उदित प्रधान ने डिनर के लिए बुलाया था, जहां एक कोल्ड ड्रिंक दिया गया। पीड़िता का दावा है कि उस ड्रिंक में कुछ नशीला पदार्थ मिलाया गया था। इसके बाद आरोपी एक होटल के कमरे में ले गया और दुष्कर्म किया। ओडिशा पुलिस का कहना है कि मामले की तहकीकात की जा रही है। साथ ही मेडिकल रिपोर्ट तथा अन्य सबूतों की जांच भी की जा रही है। वहीं, भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस से सवाल पूछा कि पार्टी अपने नेताओं को कब तक बचाती रहेगी?भाजपा नेता अमित मालवीय ने कांग्रेस को घेरते हुए कहा कि यह बहुत शर्मनाक है, लेकिन अब चौंकाने वाली बात नहीं रही। इससे पहले बालासोर की पीड़िता की आत्महत्या का मामला सामने आया था, जिसमें बीजेडी और कांग्रेस के छात्र नेताओं पर लड़की की बदनामी करने का आरोप था। मालवीय ने पूछा-'सवाल यह है कि आखिर ये पार्टियां अपने नेताओं को कब तक बचाती रहेंगी? कितनी और बेटियों को तकलीफ झेलनी पड़ेगी, तब जाकर कोई सख्त कदम उठाया जाएगा?' उन्होंने कहा कि कांग्रेस की चुप्पी भी एक तरह से अपराध में साथ देने जैसा है। अब समय आ गया है कि ऐसे मामलों में सच्चाई सामने लाई जाए और दोषियों पर सख्त कार्रवाई हो।छात्रा फकीर मोहन कॉलेज में इंटीग्रेटेड बीएड कोर्स में सेकेंड ईयर की स्टूडेंट थी। उसने 12 जुलाई को हेड ऑफ डिपार्टमेंट के सेक्शुअल हैरेसमेंट से परेशान होकर कॉलेज कैंपस में खुद पर केरोसीन छिड़ककर आग लगा ली थी। घटना से पहले वह प्रिंसिपल के पास गई थी, लेकिन प्रिंसिपल ने उसे अपनी शिकायत वापस लेने को कहा था। इसके बाद उसने आत्मदाह कर लिया था।

'द कॉमन मैन'- नसीरुद्दीन शाह 75 के

मुंबई। साधारण सी शक्ल-सूरत के बाद भी नसीरुद्दीन शाह ने अपनी मेहनत और लगन से फिल्म इंडस्ट्री जो मुकाम हासिल किया है, वहां तक पहुंचना लोगों

के लिए सिर्फ एक सपना है। हालांकि नसीर के लिए यह मुकाम हासिल करना इतना भी आसान नहीं था। एक्टर ने अपने करियर की शुरुआत 1967 में राजेन्द्र कुमार की फिल्म 'अमन' से एक्स्ट्रा कलाकार के रूप में की। इस फिल्म के लिए उन्हें सिर्फ 7.50 रुपए मिले थे। एक बार जब दिलीप कुमार से मिले तो उन्होंने वापस घर जाने की सलाह दी, दिलीप कुमार की यह बात सुनकर नसीरुद्दीन शाह काफी हैरान थे, लेकिन उन्होंने अपने दिल की सुनी और फिल्म इंडस्ट्री में टीके रहे। नसीर ने आर्ट और कॉमर्शियल सिनेमा को ना सिर्फ नई ऊंचाइयां दी। बल्कि कड़ी

मेहनत और परिश्रम से बॉलीवुड में अपना परचम बुलंद किया।नसीरुद्दीन शाह का फिल्मी सफर इतना भी आसान नहीं था। इसमें सबसे बड़ी दीवार उनके पिता थे। वो नहीं चाहते थे कि नसीरुद्दीन फिल्मों में जाएं। अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय से ग्रेजुएशन करने के बाद नसीर ने नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा में एडमिशन लिया। इसकी वजह से उनके पिता ने उनसे रिश्ता तोड़ लिया था। नसीरुद्दीन के दो और बड़े भाई हैं, जिनमें से एक आर्मी ऑफिसर बन चुके थे और दूसरे भाई इंजीनियर। पिता चाहते थे कि नसीरुद्दीन भी अपने भाइयों की तरह कुछ बनें, लेकिन उनका दिल तो कहीं और बसा था।बंटवारे के बाद दादा और चाचा पाकिस्तान चले गए- नसीरुद्दीन शाह के पिता अली मोहम्मद शाह तहसीलदार थे। जब भारत-पाकिस्तान के बीच बंटवारा हुआ तब उनने दादा और चाचा पाकिस्तान चले गए। इकलौते नसीरुद्दीन शाह के पिता थे, जिन्होंने भारत में रहने का फैसला किया। वे अपने बच्चों को पढ़ा-लिखाकर अफसर बनाना चाहते थे, लेकिन नसीरुद्दीन शाह को बस इसी काम में मन नहीं लगता था। बताया जाता है कि नसीर को बस तीन ही चीजों से लगाव हुआ करता था और वो थे- क्रिकेट, थिएटर और फिल्में।पिता ने मदद करने से कर दिया था मना- लल्लन टॉप संग बातचीत में नसीरुद्दीन शाह ने बताया था- नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा के बाद पुणे फिल्म इंस्टीट्यूट जाने की सोची। पिता जी ने कहा कि अब कितनी एक्टिंग सीखनी है। मैंने जिद की तो बोले कि मैं आपकी दो साल तक मदद नहीं कर सकता, लेकिन मेरा सिलेक्शन हो गया और मेरे भाइयों ने दो साल तक मेरी बहुत मदद की। जब मैंने संस्थान में प्रवेश लिया, तो मुझे एडमिशन फीस के रूप में 600 रुपए की जरूरत थी। मैंने अपने पिता को पत्र लिखा कि मुझे तत्काल 600 रुपए चाहिए। मुझे लगा कि वो मना कर देंगे, लेकिन अगले ही दिन उन्होंने टीएमओ के जरिए 600 रुपए बिना कोई सवाल किए ट्रांसफर कर दिए।नसीरुद्दीन शाह ने आगे बताया था- मैंने अपने पिता को कभी नहीं समझा और न ही उन्होंने कभी मुझे समझा। वो पुरानी परंपराओं में विश्वास करते थे। हमारे बीच हमेशा एक गैप था, जो कभी भरा नहीं, मुझे इसका बहुत अफसोस है। हम (मेरे पिता और मैं) कभी एक दूसरे से आंख मिलाकर नहीं देख सकते थे। जब मैं बहुत छोटा था तब वह मुझसे बहुत प्यार करते थे, ऐसा मुझे बताया गया है। फिर उन्होंने मेरे लिए प्यार खो दिया, क्योंकि मैं स्कूल में अच्छा नहीं था। उन्होंने खुद हाई स्कूल तक पढ़ाई की थी, इसलिए वो अपने बच्चों को अच्छी तरह से पढ़ाना चाहते थे। वो बेताब थे कि उनके बच्चे पढ़ाई में अच्छे हों। उन्होंने हमें सबसे अच्छी शिक्षा देने की कोशिश की, जितना वो कर सकते थे। जब मेरी शादी हुई, तो वे बहुत सदमे में थे, लेकिन जब मेरी बेटी हुई तो वो अपनी पोती से मिलने गए और बहुत खुश हुए। कुछ हद तक मेरी बेटी के जन्म ने हमारे बीच चीजों को ठीक करने में मदद की, लेकिन ये ज्यादा समय तक नहीं चला। पिता के अंतिम संस्कार में नहीं शामिल हो पाए- नसीर अपने पिता के अंतिम संस्कार में नहीं शामिल हो पाए थे, लेकिन जब वो उनकी कब्र पर गए, तो वो खुद को रोक नहीं पाए। नसीर ने कहा था- मैं उनकी कब्र पर गया और अपने दिल की बात कह दी। मैंने उन्हें वो सब कुछ बताया जो उनके जीते जी नहीं कह सका। घंटों तक वहां बैठकर बातें करता रहा, मुझे लगा जैसे वो सुन रहे थे। हीरो जैसी शक्ल नहीं थी, गर्लफ्रेंड ने किया ब्रेकअप- नेशनल स्कूल ऑफ ड्रामा और पुणे फिल्म इंस्टीट्यूट से एक्टिंग की बारीकियां सीखने के बाद भी नसीर के लिए एक्टिंग की राह आसान नहीं थी। बिना पैसे और टिकट के यात्राएं की, कभी-कभी उन्हें भूखे भी रहना पड़ता था। हीरो जैसी शक्ल-सूरत ना होने की वजह से उनकी पहली गर्लफ्रेंड ने ब्रेकअप कर लिया। पहली फिल्म में काम करने के मिले थे 7.50 रुपए-नसीर की स्थिति ऐसी थी कि फिल्म में कोई भी रोल करने के लिए तैयार थे। 1967 में उन्हें पहली फिल्म 'अमन' मिली। इस फिल्म में राजेन्द्र कुमार की लीड भूमिका थी और नसीर एक्स्ट्रा कलाकार (यानी की भीड़ का हिस्सा) में नजर आए थे। इस फिल्म के लिए नसीर को 7.50 रुपए मिले थे। इस बात का जिक्र नसीर ने

रेडिफ के साथ एक इंटरव्यू में किया था। एक्टर ने कहा था- उस समय मैं 16 साल का था। उस फिल्म को मोहन कुमार ने डायरेक्ट की थी। एक एक्स्ट्रा के रोल में आखिरी सीन में जहां राजेंद्र कुमार को उनके अंतिम संस्कार के लिए ले जाया जा रहा था, मैं उनके ठीक पीछे खड़ा था। इस किरदार में बेहद सीरियस था। इसके लिए मुझे 7.50 रुपए मिले और यह मैने दो हफ्ते तक चलाए थे। दिलीप कुमार ने वापस घर जाने की सलाह दी थी- मुंबई आने के बाद नसीरुद्दीन शाह अपने पेरेंट्स के टच में नहीं थे। ऐसे में उनके घर वाले दिलीप कुमार से उनका हाल चाल लिया करते थे। नसीर के परिवार का दिलीप कुमार से पुराना नाता है। नसीरुद्दीन शाह की बुआ शकीना आपा की दिलीप कुमार से अच्छी जान पहचान थी। नसीरुद्दीन भी दिलीप कुमार के घर अक्सर घूमने जाया करते थे।बोले थे अच्छे घर के बच्चे एक्टर नहीं बनते- टाइम्स के साथ बातचीत के दौरान नसीरुद्दीन ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए कहा था- जब मैंने दिलीप साहब से एक्टिंग में करियर बनाने की इच्छा जाहिर की, तो उन्होंने मना कर दिया था। दिलीप साहब ने कहा कि मुझे लगता है आपको वापस घर जाकर पढ़ाई करनी चाहिए। अच्छे घर के लोग एक्टर बनने की कोशिश नहीं करते। यह बात सुनकर काफी नर्वस हो गया। मन में सवाल आया कि पूछूं कि आप क्यों एक्टिंग में आए, लेकिन हिम्मत नहीं हुई। बाद मैंने दिलीप साहब के साथ फिल्म 'कर्मा' में काम किया, लेकिन उस समय मैंने उनको वह बात नहीं याद दिलाई। क्योंकि दिलीप साहब के घर तो हजारों लोग आते होंगे। उन्हें तो वह बात याद भी नहीं रही होगी। श्याम बेनेगल की फिल्म के बाद पीछे मुड़कर नहीं देखे- लीड एक्टर के तौर पर नसीरुद्दीन शाह ने डायरेक्टर श्याम बेनेगल की फिल्म 'निशांत' (1975)से करियर की शुरुआत की। इस फिल्म में नसीर के साथ स्मिता पाटिल और शबाना आजमी जैसी बड़ी अभिनेत्रियों ने काम किया। हालांकि फिल्म बॉक्स ऑफिस कमाई के मामले में पिछड़ गई, लेकिन दर्शकों ने नसीरुद्दीन शाह के अभिनय को काफी सराहा। इस फिल्म के बाद उन्होंने 'आक्रोश', 'स्पर्श', 'अलबर्ट पिंटो को गुस्सा क्यों आता है', 'मंडी', 'मोहन जोशी हाजिर हो', 'अर्द्ध सत्य' और 'मिर्च मसाला' जैसी आर्ट फिल्मों में काम किया। आर्ट फिल्मों के बाद 1980 में उन्होंने मुख्यधारा की फिल्म 'हम पांच' में काम किया, लेकिन फिल्म 'कर्मा' से बॉलीवुड में छा गए। इसके अलावा 'मोहरा', 'नाजायज', 'चाहत', 'चाइना गेट', 'सरफरोश', 'इकबाल','अ वेडनेसडे' और 'डर्टी पिक्चर' जैसी फिल्मों से अपनी एक अलग पहचान बनाई।अभिनय का लोहा मनवा चुके दिग्गज अभिनेता नसीरुद्दीन शाह अपने विवादित बयानों को भी लेकर खूब चर्चा में रहते हैं। अक्सर देखा गया है कि एक्टर अपनी हर बात बेबाकी के साथ रखते हैं। चाहे देश में रहने को लेकर कोई बात हो या लोकतंत्र की बात हो, एक्टर हमेशा बयान देते नजर आते हैं जो सोशल मीडिया पर तहलका मचा देते हैं। नसीर ने कहा था कि वह फिल्मफेयर अवॉर्ड्स को दरवाजे के हैंडल के तौर पर इस्तेमाल करते हैं। नसीर की माने तो कोई भी एक्टर जिसने किसी रोल को निभाने में अपनी पूरी जिंदगी निकाल दी और खूब मेहनत की, वह एक अच्छा एक्टर है। अगर आप सभी में से किसी एक एक्टर को चुनते हैं और कहते हैं कि यह साल का सर्वश्रेष्ठ अभिनेता है, तो यह कैसे उचित है? मुझे उन पुरस्कारों पर गर्व नहीं है। मैं अपने पिछले दो अवॉर्ड लेने भी नहीं गया। जब मैंने एक फार्महाउस बनाया तो मैंने इन पुरस्कारों को वहां रखने का फैसला किया। जो भी वॉशरूम जाएगा उसे दो-दो पुरस्कार मिलेंगे क्योंकि हैंडल फिल्मफेयर पुरस्कारों से बने हैं।दिलजीत की फिल्म 'सरदार जी 3' में पाकिस्तानी अभिनेत्री हानिया आमिर के साथ काम करने को लेकर जब विवाद हुआ तब नसीरुद्दीन शाह ने दिलजीत की तरफदारी की थी । उन्होंने एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा था- मैं दिलजीत के साथ हूं। वो गंदी राजनीति के शिकार हुए हैं। कुछ लोग उन पर हमला करने का मौका ढूंढ रहे हैं। कास्टिंग का फैसला निर्देशक का था, दिलजीत का नहीं। वह एक मशहूर हस्ती हैं और उन्होंने बिना किसी पूर्वाग्रह के फिल्म में काम किया। कुछ लोग

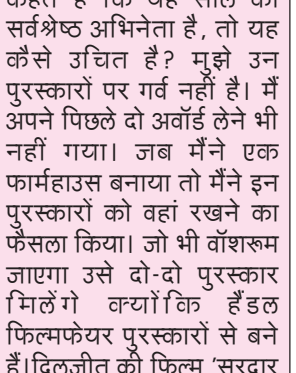

भारत और पाकिस्तान के बीच निजी रिश्तों को खत्म करना चाहते हैं। पाकिस्तान में दोस्तों के लिए प्यार- नसीरुद्दीन शाह ने इसी पोस्ट में आगे लिखा था- पाकिस्तान में मेरे करीबी रिश्तेदार और दोस्त हैं। कोई मुझे उनसे प्यार करने या मिलने से नहीं रोक सकता और एक जवाब उनके लिए भी जो अब कहेंगे कि 'पाकिस्तान जाओ', मैं उन्हें कहना चाहूंगा 'कैलासा जाओ'।

'नेपोकिड का दाईजान' कहे जाने पर भड़के करण जौहर,सरेआम भड़ककर ट्रोलर को लगाई फटकार, कहा- चुप कर, खुद कुछ काम कर

मुंबई। हाल ही में करण जौहर ने अहान पांडे की फिल्म सैयारा की तारीफ करते हुए एक लंबी-चौड़ी पोस्ट शेयर की है। हालांकि इस पोस्ट से ज्यादा चर्चा करण के

उस कमेंट की हो रही है, जो उन्होंने एक ट्रोलर के लिए किया है। दरअसल, करण की पोस्ट सामने आने के बाद एक ट्रोलर ने फिर एक बार नेपोटिज्म का मुद्दा खड़ा करते हुए करण जौहर को ही नेपोकिड की दाईजान कह डाला है। इस ट्रोलर को नजरअंदाज करने की बजाय इस बार करण ने मजेदार जवाब दिया है। करण जौहर की पोस्ट में शख्स ने लिखा, 'आ गया नेपोकिड का दाईजान।' इसके जवाब में करण जौहर ने लिखा, 'चुप कर, घर बैठे-बैठे नेगेटिविटी मत पाल, दो बच्चों का काम देख और खुद कुछ काम कर।'करण जौहर ने अहान पांडे की फिल्म सैयारा की तारीफ करते हुए लिखा था, 'मुझे याद नहीं आखिरी बार किसी फिल्म को देखकर ऐसा कब महसूस हुआ था, आंखों से आंसू बह रहे थे लेकिन दिल में एक गहरी खुशी भी थी। खुशी इस बात की कि एक खूबसूरत प्रेम कहानी ने सिल्वर स्क्रीन पर जीत हासिल की है और पूरे देश को फिर से प्यार में डाल दिया है। मुझे सबसे ज्यादा गर्व इस बात का है कि मेरी 'आल्मा मेटर' (जहां से मैंने शुरुआत की थी) यशराज फिल्म्स ने एक बार फिर से सच्चा प्यार वापस लाया है। फिल्मों में और हमारी फिल्म इंडस्ट्री में। आदित्य (चोपड़ा), मैं तुमसे बहुत प्यार करता हूं और ये कहने में बहुत गर्व महसूस करता हूं कि मैं हमेशा के लिए यशराज फिल्म्स का स्टूडेंट हूं। अक्षय विधानी, तुम्हारा एक प्रोड्यूसर के तौर पर ये डेब्यू कमाल का रहा। ये बॉल तो सीधा मैदान के बाहर जा चुकी है। शानदार काम। बधाई हो।'आगे करण ने लिखा, 'मोहित सुरी ने अपने करियर की सबसे बेहतरीन फिल्म बनाई है। उनकी कहानी कहने की कला, उनका निर्देशन और खासकर जिस तरह उन्होंने संगीत का उपयोग किया है, वह कमाल का है। इस फिल्म में संगीत सिर्फ एक बैकग्राउंड नहीं, बल्कि एक किरदार जैसा लगता है। अहान पांडे, क्या जबरदस्त डेब्यू किया है तुमने। तुमने मेरा दिल तोड़ दिया लेकिन एक फिल्ममेकर के तौर पर मुझे फिर से प्रेरित कर दिया। तुम्हारी आंखों ने जो कहा, वो शब्दों से कहीं ज्यादा था। तुम्हारा आगे का सफर देखने का इंतजार नहीं हो रहा। तुम वाकई शानदार हो। सिनेमा में तुम्हारा स्वागत है।' बताते चलें कि फिल्म सैयारा 18 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज हुई है। फिल्म से अनन्या पांडे के भाई अहान पांडे ने बॉलीवुड डेब्यू किया है। पहले दिन ही फिल्म ने 28 करोड़ रुपए की ओपनिंग की थी। अनुमान है कि फिल्म 200 करोड़ से ज्यादा का बिजनेस करेगी।

'सैयारा' ने 2 दिनों में रु48 करोड़ कमाएःदर्शकों में जबरदस्त क्रेज दिखा, ट्रेड एनालिस्ट बोले- फिल्म 200 करोड़ से ज्यादा कमाएगी

मुंबई। अहान पांडे और अनीत पड्डा की फिल्म 'सैयारा' ने रिलीज के दो दिन में करीब 48.25 करोड़

रुपए की कमाई की है। फिल्म का पहले दिन 22 करोड़ रुपए और दूसरे दिन रु 26.25 करोड़ रुपए का कलेक्शन हुआ। बता दें कि पहले दिन के आंकड़ों में बदलाव किया गया, क्योंकि कुछ सिनेमाघरों में डिमांड के चलते स्क्रीन बढ़ाए गए थे। 'सैयारा' 18 जुलाई, 2025 को दुनियाभर के सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म को लेकर मिले-जुले रिएक्शन मिल रहे हैं। खासकर युवाओं को यह मूवी पसंद आ रही है। सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो सामने आए हैं, जहां सिनेमाघरों में लोग फिल्म देखकर रो पड़ते हैं। एक वीडियो में यह भी दावा किया गया है कि फिल्म देखते-देखते एक लड़की ने अपने बेस्ट फैंड को प्रपोज कर दिया।वहीं, फिल्म ट्रेड एक्सपर्ट आमिर अंसारी मानते हैं कि इस फिल्म की सफलता कई मायनों में ऐतिहासिक है। आमिर का मानना है कि फिल्म 200 करोड़ रुपए नेट भारत में कमाने की क्षमता रखती है और वर्ल्डवाइड 250 करोड़ रुपए पार करना तय है। आमिर ने बताया- 'जब 'सैयारा' की एडवांस बुकिंग शुरू हुई, तो किसी को उम्मीद नहीं थी कि फिल्म पहले दिन 3 करोड़ रुपए भी कमा पाएगी। यहां तक कि प्रमुख ट्रेंडिंग पोर्टल्स और ऑरमैक्स जैसे प्लेटफॉर्म्स ने भी 3 करोड़ रुपए का ही अनुमान लगाया था, लेकिन जैसे ही फिल्म के गानों को लेकर क्रेज दिखा, खासकर मोहित सूरी के म्यूजिक ने जो पकड़ बनाई, फिल्म की एडवांस बुकिंग ने सारे रिकॉर्ड तोड़ दिए।' आमिर ने बताया कि 14 जुलाई को 6,000 टिकट बिके, फिर 15 जुलाई को 53,000 और 16 जुलाई को 1.16 लाख टिकटों की बिक्री हुई। एडवांस बुकिंग ने कमाई में 10 करोड़ रुपए का आंकड़ा पार कर लिया। आमिर ने बताया कि फिल्म का क्रेज इस हद तक देखा गया कि दूसरे दिन की एडवांस बुकिंग में मुंबई में 650 से बढ़ाकर 770 शो कर दिए गए। दिल्ली-एनसीआर में 800 से बढ़ाकर 1100 शो तक किए गए। हालत यह थी कि रात 11:00 बजे, 11:55 बजे, सुबह 8:00 और 9:00 बजे के शो भी हाउसफुल गए।शनिवार को फिल्म ने जबरदस्त कमाई की। सिर्फ बुक माई शो पर इसने रात तक 5 लाख से अधिक के टिकट्स बेच दिए। रात होते-होते बुक माई शो पर आंकड़ा 7 लाख टिकट्स तक पहुंच गया, जो मौजूदा समय में बेहद मुश्किल और लगभग नामुमकिन माना जाता है। शनिवार को फिल्म ने कुल ?26.25 करोड़ की कमाई की और दो दिनों में इसका कलेक्शन रु आमिर के अनुसार, रविवार को फिल्म के ?30 करोड़ से ज़्यादा का बिजनेस करने की उम्मीद है। यानी तीन दिनों में यह फिल्म 78.25 करोड़ रुपए के पार पहुंच रही है। बुक माई शो ने भी रिकॉर्ड दर्ज किया है। दोपहर 2:00 से 3:00 बजे के बीच इस प्लेटफॉर्म पर 54,000 टिकट्स सिर्फ 1 घंटे में बेची गईं। यह उपलब्धि अब तक सिर्फ 'टाइगर', 'पठान', 'जवान' और 'गदर 2' जैसी बड़ी फिल्मों को ही मिली थी।48.25 करोड़ तक पहुंच गया।आमिर ने फिल्म को लेकर यह भी कहा- 'कहा जा रहा है कि इंडस्ट्री में अब तक जितने भी न्यूकमर सुपरस्टार्स आए हैं चाहे वो बॉबी देओल 'बरसात' के साथ हों, सलमान खान 'मैंने प्यार किया' के साथ, अजय देवगन 'फूल और कांटे', ऋतिक रोशन 'कहो ना प्यार है' उन सभी की तुलना में सबसे बड़ी ओपनिंग इस फिल्म को मिली है।'

इस्कॉन मंदिर के वेज रेस्टोरेंट में लड़के ने खाया चिकन,बादशाह ने भड़ककर कहा- इसे चिकन की नहीं चेहरे पर चप्पलों की भूख है

मुंबई। हाल ही में विदेश के

इस्कॉन मंदिर के गोविंद रेस्टोरेंट का एक वीडियो जमकर वायरल हो रहा है जिसमें एक शख्स चिकन खाता नजर आ रहा है। वीडियो वायरल होने के बाद शाकाहारी रेस्टोरेंट में मांस खाने वाले शख्स की जमकर आलोचना हो रही है। अब सिंगर और रैपर बादशाह ने भी शख्स को जमकर लताड़ लगाई है। बादशाह ने अपने ऑफिशियल एक्स अकाउंट (पहले ट्विटर) पर उस शख्स का वीडियो री-पोस्ट कर लिखा है, यहां तक की चिकन भी शर्मिंदा होगा। इस लड़के को चिकन की नहीं, चेहरे पर चप्पलों की भूख है। असल ताकत इस चीज की इज्जत करने में है, जिसे हम नहीं समझते।दरअसल, रविवार को एक अफ्रीकन शख्स का एक वीडियो सामने आया। वीडियो में देखा जा सकता है कि वो शख्स इस्कॉन मंदिर के गोविंद रेस्टोरेंट में प्रवेश करता है। वो सीधे काउंटर पर पहुंचता है, जहां दो महिलाएं ऑर्डर ले रही थीं। वो शख्स उनसे पूछता है कि क्या ये वीगन रेस्टोरेंट है। इस पर एक महिला हां में जवाब देती है। आगे वो शख्स फिर पूछता है, मतलब यहां मीट नहीं है। इस पर महिला कहती है, मीट नहीं, प्याज नहीं, लहसुन नहीं।दो तीन बार यही सवाल करने के बाद वो शख्स अपने हाथ में रखे एक पॉलीबैग से केएफसी का बॉक्स निकालता है और वहीं चिकन खाना शुरू कर देता है। ये देखकर वहां खड़ी महिला डर जाती है। वो लगातार उस लड़के को वहां से निकलते की हिदायत देती है, लेकिन लड़का हर बात नजरअंदाज कर वहीं चिकन खाता रहता है। इस दौरान देखा जा सकता है कि लड़के के पास खड़ा एक आदमी भी उसे साफ शब्दों में कहता है कि ये एक शाकाहारी रेस्टोरेंट है, आप यहां नॉनवेज नहीं खा सकते, लेकिन वो लड़का कुछ सुनने को तैयार नहीं था।वीडियो वायरल होने के बाद लोग अफ्रीकन लड़के की हरकत की कड़ी निंदा कर रहे हैं।

हरियाणवी डांसर बोलीं- मैं फिर नाचूंगी,मैंने थप्पड़ मारा, सबने देखा, मेरे साथ जो हुआ, वो नहीं दिख रहा,थाने में पति को पीट चुकीं

नारनौल। हरियाणवी डांसर सपना शर्मा इन दिनों पारिवारिक विवाद के चलते सुर्खियों में हैं। उन्होंने

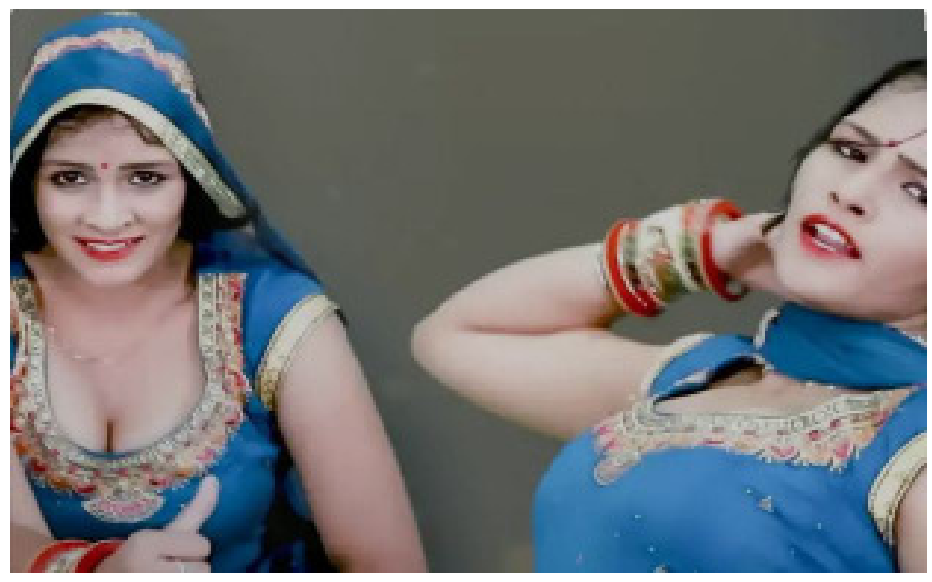

अपने पति कमल शर्मा और उनके परिवार पर दहेज प्रताड़ना का केस दर्ज कराया हुआ है। सपना पर महिला थाने में पुलिस के सामने ही पति और उसके भाई को थप्पड़ मारने के आरोप भी लगे हैं।पति कमल शर्मा ने वीडियो जारी कर सपना को झूठा बताया है। उन्होंने यहां तक आरोप लगाया है कि सपना मामले को सेटल करने के लिए एक करोड़ रुपए मांग रही हैं। कमल शर्मा ने सपना पर डांस जैसे प्रोफेशन को लेकर भी कई गंभीर आरोप लगाए हैं। सपना का कहना है कि डांस उनका प्रोफेशन है। शादी के बाद उनके ससुराल वालों ने सारे सोशल मीडिया अकाउंट डिलीट करा दिए। फिर बाद में पैसे के लिए दोबारा डांस शुरू करने का दबाव डालने लगे। अब जब यह मामला हो गया है तो वह फिर से इस प्रोफेशन में आएंगी और डांस करेंगी। सपना से पूछने पे की पति कमल ने वीडियो जारी कर आपको झूठा बताया है? उन्होंने बताया कमल शर्मा जो भी कह रहे हैं, वह सरासर झूठ है। मैंने भी उनकी वीडियो देखी है, जिसमें वह कह रहे हैं कि उसके घर वालों ने कुछ नहीं किया। पहली बात यह कि जिस लड़की की नई-नई शादी हुई है, पेट में बच्चा है, वह किसी के साथ कुछ गलत नहीं कर सकती। दूसरी बात यह है कि अगर मान लो कि तुम्हारे साथ में कुछ हुआ है, तो तुम एप्लीकेशन लगाते न पहले। तुमको कार्रवाई करवानी थी पहले, तुमने मेरे को रखा क्यों अपने घर। सच तो ये है कि मेरे साथ अत्याचार हुए, मेरे बच्चे को मारने की कोशिश की। ससुराल का अत्याचार बढ़ने पर मैं मेरे घर पर आ गई और बच्चे को बचाया। इसके बाद फिर हाथ पैर जोड़कर मेरे को क्यों वापस लेकर गया। तब लिखकर दिया था कि मैं अलग हो जाऊंगा, मैं ये कर दूंगा, मैं वो कर दूंगा। अगर यह कह रहा है कि एक करोड़ रुपए मांग रही है तो यह सरासर झूठ है। मैं एक करोड़ रुपए कैसे मांगूंगी, उसके पास तो पैसे हैं भी नहीं, कैसे देगा वह एक करोड़ रुपए। झूठ और सच क्या है, यह तो सबके सामने आ ही जाएगा। मेरे पास सभी प्रूफ हैं। मेरी सास ने मुझे मारा, उसके प्रूफ भी मेरे पास है। मैंने हमला किया, वो तो सबको दिख गया। मेरे साथ जो पहले हुआ, वह किसी को दिख रहा है या नहीं। एसएचओ मैडम ने मेरे को कहा था कि तू लेडीज है, तेरे को गलत बोल रहा है। मैं कहती हूं कि किसी की बहन बेटी को राह चलते हुए भी अगर आप गलत बोलते हो तो उसका बाप या भाई ही थप्पड़ नहीं मारेगा, कोई भी बंदा होगा, आपको थप्पड़ जरूर मारेगा। इसमें मैंने क्या गलत कर दिया। मेरा बच्चा अगर नाजायज है तो डीएनए टेस्ट जरूर कराया जाए। और ठीक है, मेरे को गलत कह रहे हैं तो मेरा भी मेडिकल टेस्ट कराया जाए। मैं नचनिया थी, मैं नाचने वाली थी, तो जब रिश्ता किया तो सब बातें खोल कर की थी। उस बात से लेकर अब तक की सारी रिकॉर्डिंग मेरे पास है, हर चीज का प्रूफ है। उस दिन कहना था कि पहले इसका मेडिकल टेस्ट कराया जाए, फिर शादी की जाए, फिर इसको हम रखेंगे। अब भी मेरे को उल्टा सीधा कहा जा रहा है। देखो अभी तो मुझे आपरेशन से बच्चा हुआ है। नौवें मंथ के लास्ट टाइम में बहुत दर्द होते हैं। लड़कियों के लिए यह बहुत कमजोरी वाला टाइम होता है। दर्द में मैं थाने भी पहुंची हूं। चलो ठीक है, वो (पति) कुछ भी कह रहे हैं, उस चीज की जांच कराई जाए। मैं जो कह रही हूं कि उनकी भी जांच कराई जाए। मेरा छोटा बच्चा है, मैं नहीं चाहती थी कि घर खराब हो, मगर अब तो घर खराब हो गया। मेरे पास हर चीज का प्रूफ है, इसलिए आज मैं इस लड़ाई को लड़ रही हूं। जनता मेरा सपोर्ट कर रही है, और करेगी, मुझे न्याय जरूर मिलेगा।पुलिस ने फोन कर थाने बुलायाः सपना के आरोपों पर दिल्ली के नजफगढ़ में रहने वाले पति कमल ने वीडियो जारी कर कहा था- मैं सबको बताने आया हूं कि 17 जुलाई को हमारे साथ महिला थाने में क्या-क्या हुआ? मेरे पास 13 जुलाई को महिला थाने से फोन आया कि आपके ससुरालवालों ने दहेज का सामान वापस मंगाया है। मैं 17 जुलाई को महिला थाने पहुंच गया। अपने साथ वह सामान भी ले गया, जो शादी में मुझे मिला था। उसके बाद महिला थाने से सपना को फोन किया गया कि आपके ससुराल वाले आ गए हैं। आपने जो सामान मंगवाया था, वह वापस आ गया है। आप आ जाओ। इसके बाद ससुराल से 7-8 लोग आ गए। इनमें सपना के अलावा उनकी मां प्रवीण शर्मा, चाचा भारत बोहरा, सपना का भाई व अन्य लोग थे।थाने में धमकाया, परिवार डर गयाः कमल ने बताया- जब सपना पुलिस के कहने से भी नहीं मानी और मारपीट करती रही तो मेरा पूरा परिवार डर गया। हमें लगा कि आज ये लोग हमें थाने से भी बाहर नहीं जाने देंगे, क्योंकि सपना धमकी दे रही थी कि आज वह मुझे यहीं पर जान से मार देगी और वापस जाने नहीं देगी। तब मैंने डायल-112 पर फोन कर बाहर से पुलिस बुलाई।एक करोड़ रुपए की डिमांड कर चुकीः कमल शर्मा ने वीडियो में कहा- 16 मई को जब मैं एडीआर सेंटर में काउंसलिंग के लिए गया तो वहां से मुझे निकालने के लिए थाने में एक झूठी एप्लिकेशन दी थी। उसके बाद सपना ने कहा था कि मुझे एक करोड़ रुपए दे दो। नहीं तो मैं तुम्हें ऐसे ही मुकदमे कर परेशान करूंगी। इसके बाद मैंने एसपी ऑफिस में भी एक शिकायत देकर मेरे खिलाफ झूठी शिकायत की बात बताई थी।

सोनू सूद की सोसाइटी में निकला सांप,एक्टर ने खुद रेस्क्यू किया, बोले- इसे जंगल में छोड़कर आएंगे, फैंस ने की जमकर तारीफें

मुंबई। कोविड के बाद से ही

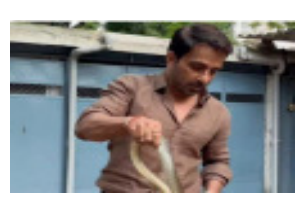

लोगों की मदद कर मसीहा बन चुके सोनू सूद फिर एक बार आम जनता की सराहना हासिल कर रहे हैं। दरअसल, शनिवार को सोनू सूद की सोसाइटी में एक सांप घुस आया। एक्टर ने बिना घबराए सांप को न सिर्फ पकड़ा बल्कि उसे जंगल तक छोड़कर आने की जिम्मेदारी भी उठाई। सोनू सूद ने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम अकाउंट से एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में सोनू सूद सांप पकड़ते नजर आ रहे हैं।इसके साथ ही उन्होंने कहा है, 'ये हमारी सोसाइटी के अंदर आया है। ये एक रेट स्नेक है। ये जहरीला नहीं है, लेकिन आपको सावधान रहना होगा। अगर सोसाइटी में आते हैं, तो प्रोफेशनल्स को जरूर बुलाओ। हमें तो पकड़ना आता है तो हमने पकड़ लिया, लेकिन सावधान रहें। ये बहुत जरूरी है कि आप केयरफुल रहें।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स 53/25/1 ए बेली रोड न्यू कटरा प्रयागराज (उ.प्र) 211002 से मुद्रित एवं सी-41यूपी एसआईडीसी औद्योगिक क्षेत्र नैनी प्रयागराज से प्रकाशित ।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।